THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 191 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.1 2082 मंगलवार, 7 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत के खिलाफ बांग्लादेश में एक्टिव हुई आईएसआई

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में फैली अशांति के बीच वहां की सेना और आईएसआई की नजदीकियां बढ़ती जा रही हैं। इसके बाद भारतीय एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के समय भारत और बांग्लादेश के बीच काफी तनाव देखने को मिला था। शेख हसीना के कार्यकाल में भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध काफी अच्छे थे और पाकिस्तान के साथ दूरी बनी हुई थी, लेकिन अब वहां के हालात बदल चुके हैं। हाल ही में आईएसआई के कई अधिकारियों ने बांग्लादेश के कई दौरे किए। इस दौरान आईएसआई की ओर से आतंकी मॉड्यूल को अपनी संख्या बढ़ाने के लिए कहा गया।

बिहार में छठ के बाद दो फेज में चुनाव

> 6 और 11 नवंबर को वोटिंग, 14 नवंबर को नतीजे > देश के आठ विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनावों की तारीखों के साथ सात अन्य राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में उपचुनाव के लिए वोटिंग की तारीखों का एलान किया। बिहार में दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को मतदान होने हैं। वोटों की गिनती 14 नवंबर को होनी है।

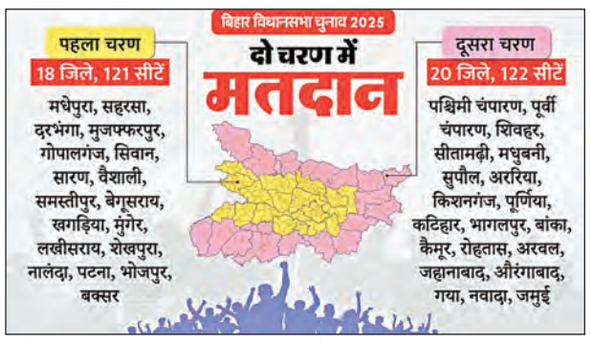

बिहार में 7.43 करोड़ वोटर करेंगे मतदान के अधिकार का इस्तेमाल। 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरण में- 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा। 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। पहले चरण में 6 नवंबर को 121 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं दूसरे चरण में 11 नवंबर को 122 सीटों पर वोटिंग होगी। इस बार राज्य में कुल 7.43 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें लगभग 14 लाख नए मतदाता शामिल हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। इसके अलावा, जम्मू कश्मीर की दो विधानसभा सीटों और झारखंड, तेलंगाना, पंजाब, मिजोरम और ओडिसा की एक-एक विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, झारखंड, तेलंगाना, पंजाब, मिजोरम और ओडिशा की कुल 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का एलान किया है। इन उपचुनावों की अधिसूचना 13 अक्टूबर 2025 को जारी की जाएगी। नामांकन की अंतिम तिथि जम्मू-कश्मीर और ओडिशा के लिए 20 अक्टूबर, जबकि अन्य राज्यों के लिए 21 अक्टूबर तय की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्टूबर (राजस्थान में 23 अक्टूबर) को होगी, और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 24 अक्टूबर (राजस्थान में 27 अक्टूबर) है। मतदान 11 नवंबर 2025 (मंगलवार) को होगा और मतगणना 14 नवंबर 2025 (शुक्रवार) को की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर की बडगाम सीट से उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे और नगरोटा सीट पर देवेंद्र सिंह राणा के निधन के कारण उपचुनाव हो रहे हैं। राजस्थान की अंता सीट पर विधायक कंवरलाल की अयोग्यता, झारखंड की घाटशिला सीट पर रामदास सोरेन, तेलंगाना की जुबली हिल्स पर मगंटी गोपीनाथ, पंजाब की तरनतारन सीट पर डॉ. कश्मीर सिंह सोहल, मिजोरम की डांपा सीट पर लालरिन्तलुआंगा सायला और ओडिशा की नुआपाड़ा सीट पर राजेंद्र ढोलकिया के निधन के कारण ये सीटें रिक्त हुई हैं।

'निष्पक्ष चुनाव की गारंटी देंगे केंद्रीय बलों के जवान'

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बिहार में विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है। इस बार के विधानसभा चुनाव में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की फिलहाल 500 कंपनियों को तैनात किया गया है। केंद्रीय बलों की अधिकांश कंपनियां, रविवार को बिहार में पहुंच चुकी हैं।

अब इन्हें लोकल पुलिस प्रशासन के साथ विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। निष्पक्ष चुनाव की गारंटी देने के लिए केंद्रीय बलों के जो 50,000 जवान बिहार पहुंचे हैं, उनमें सीआरपीएफ की वे 71 कंपनियां भी शामिल हैं, जिन्हें विशेष तौर पर जम्मू-कश्मीर से बुलाया गया है।

सीजेआई गवई पर जूता फेंकने वाले वकील को पुलिस ने किया रिहा

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के अंदर मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर कथित तौर पर जूता फेंकने वाले 71 वर्षीय वकील से पूछताछ के तीन घंटे बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। इसकी वजह यह रही कि क्योंकि शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार जनरल ने उनके खिलाफ आरोप लगाने से इनकार कर दिया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने दिल्ली पुलिस से जूते और दस्तावेज वकील राकेश किशोर को सौंपने को भी कहा। एक सूत्र ने बताया, उच्चतम न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल से मंजूरी लेने के बाद दिल्ली पुलिस की सुरक्षा इकाई और नई दिल्ली जिला पुलिस के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ की। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अधिवक्ता राकेश किशोर को भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने का प्रयास करने के बाद तत्काल प्रभाव से अदालतों में प्रैक्टिस करने से निलंबित कर दिया है। बीजेपी सांसद और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि यह बेहद दुखद और शर्मनाक है। इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। इस घटना ने देश के सभी वकीलों को शर्मसार किया है।

आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका खारिज

तेलंगाना हाईकोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तेलंगाना सरकार के स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले को चुनौती देने वाली रिट याचिका खारिज कर दी। अदालत ने याचिकाकर्ता को राहत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय जाने की अनुमति दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जब इस मुद्दे पर दो समान रिट याचिकाएं पहले से ही उच्च न्यायालय में लंबित हैं, तब संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर नहीं की जा सकती। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी ऐसे मामलों पर विचार किया है, लेकिन न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने टिप्पणी की कि ऐसी ही परिस्थितियों में हमने याचिका खारिज की थी। पीठ ने यह भी पूछा कि याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय में मामला क्यों नहीं उठाया। वकील ने बताया कि मामला 8 अक्टूबर को सूचीबद्ध है, लेकिन कोई अंतरिम रोक नहीं लगी थी। सुप्रीम कोर्ट ने रोक की मांग ठुकराते हुए कहा कि इस मामले में निर्णय लेना उच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र है। इस फैसले के बाद अब 8 अक्टूबर को तेलंगाना उच्च न्यायालय की सुनवाई स्थानीय निकाय चुनावों में बढ़े हुए बीसी आरक्षण के भविष्य को तय करेगी।

बंगाल के दार्जिलिंग में लैंडस्लाइड, अब तक 24 मौतें

दार्जिलिंग, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में तेज बारिश के बाद हुई लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 24 हो गई है। इनमें 7 बच्चे हैं। कई लोग अब भी लापता हैं। लैंडस्लाइड में कई घर बह गए। दार्जिलिंग और सिक्किम का सड़क संपर्क देश के बाकी हिस्सों से टूट गया है। इसके कारण हजारों पर्यटक फंसे हैं।

दार्जिलिंग और कर्सियांग के बीच नेशनल हाइवे टूट गया है। मिरिक और दूधिया के पास लोहे का ब्रिज टूटने से दार्जिलिंग से सिलीगुड़ी का वैकल्पिक रास्ता भी बंद है। अलीपुरदुआर में रेल ट्रैक डूबने से तीन गाड़ियां रद्द की गईं। दार्जिलिंग और कालिम्पोंग में चाय के बागान डूब गए हैं।

बंगाल के दार्जिलिंग और अन्य जिलों में 24 घंटे में लगभग 16 इंच बारिश हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार इतनी बारिश 1998 के बाद पहली बार हुई है।

कटक में हिंसा के बाद 36 घंटे का कर्फ्यू

> 60 पुलिस पलटन तैनात-प्रशासन ने जनता से की अपील

कटक, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के पंडालों की मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद प्रशासन ने 36 घंटे का कर्फ्यू लगा दिया है। यह कर्फ्यू 6 अक्तूबर रात 10 बजे से 7 अक्तूबर सुबह 10 बजे तक लागू रहेगा। ये कर्फ्यू भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 के तहत लगाया गया है।

क्या है कर्फ्यू के नियम?

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नरसिंह भोला ने बताया कि इस दौरान सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे, लेकिन अस्पताल, स्कूल और कॉलेज खुलेंगे। इसके अलावा, जरूरी सेवाएं जैसे दवाखाने, किराना दुकानें और पेट्रोल पंप खुले रहेंगे। पुलिस आयुक्त ने कहा कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन स्थिति पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़ने पर और कदम उठाए

जाएंगे। कर्फ्यू से प्रभावित मुख्य इलाकों में दरगाह बाजार, मंगलाबाग, पुरिघाट, लाल बाग और जगतपुर शामिल हैं।

पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती कटक में शांति बनाए रखने के लिए 60 पुलिस पलटन तैनात किए गए हैं। इसके अलावा रैपिड एक्शन फोर्ट (आरएएफ), बीएसएफ, सीआरपीएफ और ओडिशा स्विफ्ट एक्शन फोर्स के आठ कंपनियां महत्वपूर्ण जगहों और चौराहों पर तैनात की गई हैं।

आम जनता से डीजीपी की अपील

वहीं ओडिशा के डीजीपी योगेश बहादुर खुरानिया ने लोगों से कहा कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी जानकारी के लिए पुलिस की वेबसाइट, कमिश्नरेट की वेबसाइट और ट्विटर हैंडल देखें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कटक में स्थिति अब नियंत्रण में है और हिंसा में शामिल सभी असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माजी, पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और स्थानीय विधायक नागरिकों से साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील कर रहे हैं। मुख्यमंत्री माजी ने कहा, 'साम्प्रदायिक सौहार्द पर कोई समझौता नहीं होगा' और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

क्यों और कैसे हुई झड़प?

जानकारी के मुताबिक, दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान कटक में दो समुदायों के बीच झड़प हुई। हिंसा की शुरुआत शुक्रवार रात हाती पोखरी इलाके से हुई, जब कुछ स्थानीय लोग विसर्जन रैली में तेज संगीत से नाराज हो गए। रविवार को दोबारा झड़प तब हुई जब वीएचपी की मोटरसाइकिल रैली प्रशासनिक आदेश की अवहेलना करते हुए निकली। सुरक्षा कर्मियों ने रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारी हिंसक हो गए। इसके दौरान पत्थरबाजी, आगजनी और पुलिस की रबर की गोलियां व आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया।

मेडिकल स्टूडेंट से एक महीने तक रेप

आरोपी ने वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया; उसके दो दोस्तों ने भी यौन उत्पीड़न किया

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एक 18 साल की एमबीबीएस स्टूडेंट से एक महीने तक रेप का मामला सामने आया है।

पीड़ित ने एफआईआर दर्ज कराई, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, 20 साल के एक युवक ने उसे दिल्ली के आदर्श नगर स्थित एक होटल के कमरे में पार्टी के बहाने बुलाया था। वहां उसके दो दोस्त भी थे। तीनों ने उसकी ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिला दिया। युवती के बेहोश होने पर मुख्य आरोपी ने उसका रेप किया, जबकि अन्य दो युवकों ने इसे रिकॉर्ड किया। पीड़ित के मुताबिक, मुख्य आरोपी के दोस्तों ने भी उसका यौन उत्पीड़न किया। इसके बाद आरोपी रेप का वीडियो दिखाकर पीड़ित को ब्लैकमेल करने लगा और पूरे सितंबर में बार-बार उसके साथ रेप किया।

खबरें जरा हटके

तीन हफ्तों तक खोदती रही जमीन, लड़की ने सगाई की अंगूठी के लिए किया कुछ ऐसा, जानकर हो जाएंगे दंग!

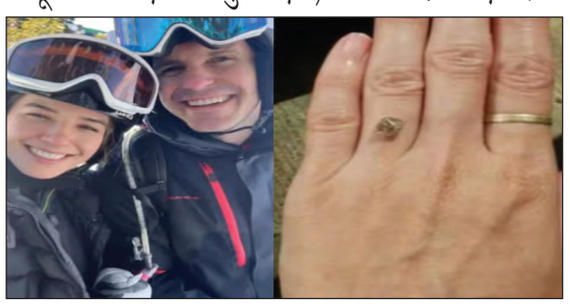

हर लड़की के दिल में एक सपना होता है, अपनी शादी के दिन चमकती हुई वो परफेक्ट रिंग पहनने का, जो सिर्फ एक गहना नहीं बल्कि प्यार, वादा और साथ निभाने की निशानी होती है. लेकिन, उस एक खूबसूरत रिंग तक पहुंचने का सफर आसान नहीं होता. कभी बजट की चिंता, कभी पसंद का मिलना मुश्किल- हर लड़की अपनी "परफेक्ट वेडिंग रिंग" के लिए छोटी-बड़ी जद्दोजहद जरूर करती है, ताकि जब वो रिंग उसकी उंगली में सजे, तो कहानी पूरी लगने लगे.लेकिन, आज हम जिस लड़की कि बात करने जा रहे हैं, उसके लिए यह सिर्फ एक सपना नहीं, बल्कि एक मिशन था. वह चाहती थीं कि उनकी सगाई की अंगूठी में लगा हीरा किसी ज्वेलरी स्टोर से नहीं, बल्कि उनकी मेहनत और संघर्ष से निकले. दरअसल, न्यूयॉर्क की मिशेरे फॉक्स , जो 31 साल की स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट हैं, ने ठान लिया कि वे अपना हीरा खुद जमीन से निकालेंगी. उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड ट्रेवर बैलू से मजाक में कहा था, "जब तक मैं खुद हीरा नहीं निकालती, हम सगाई नहीं करेंगे. हीरे जमीन से निकलते हैं, तो फिर हम इसे खुद क्यों नहीं निकाल सकते?" लेकिन यह मजाक धीरे-धीरे एक जुनून में बदल गया. उन्होंने रिसर्च कर के पता लगाया कि दुनिया में सिर्फ एक ऐसी सार्वजनिक डायमंड माइन है जहां आम लोग खुदाई करके हीरे खोज सकते हैं, अमेरिका के आर्कान्सस में स्थित क्रेटर ऑफ डायमंड्स स्टेट पार्क. ग्रेजुएशन पूरी करने के बाद मिशेरे वहां पहुंच गईं. उन्होंने टेंट में रहकर तीन हफ्ते बिताए. हर दिन सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक खुदाई करतीं और बस एक दिन आराम करतीं. तेज गर्मी और थकान के बीच कई बार वह बिना नहाए ही सो जाती थीं. नेशनल पब्लिक रेडियो के अनुसार, मिशेरे ने बताया- "कई दिनों तक मैं इतनी थकी होती थी कि नहाने की भी ताकत नहीं बचती थी.लेकिन, मैं फिर भी हार नहीं मानती थी." एक दिन उनका फावड़ा चोरी हो गया, जिसके बाद उन्हें तीन घंटे पैदल चलकर नया फावड़ा खरीदने जाना पड़ा. बावजूद इसके, उन्होंने खुदाई जारी रखी.

दुनिया का ऐसा घर, जहां घुसते ही पगला जाएगा चोर-बाहर निकलने की मांगेगा भीख!

दुनिया में कई घर सुरक्षा के लिए हाई-टेक गैजेट्स से लैस होते हैं, लेकिन कनाडा के एक क्रिएटर ने ऐसा घर बनाया है जो चोरों को ना केवल डराएगा, बल्कि पूरी तरह पागल कर देगा. इंस्टाग्राम अकाउंट ने इस अनोखे घर का टूर वीडियो शेयर किया, जो मूल रूप से टिकटॉक स्टार डू डर्कसेन का है. वीडियो में दिखाया गया कि घर का हर कोना असली और नकली का भंवर है-दरवाजा खोलो तो पीछे दीवार, कमरे में कदम रखो तो गड्ढा, और हर जगह छिपे राज जो चोर को भटकाकर थका देगा. लाखों लोगों ने इसे देखा और कहा, 'चोर यहां घुसेगा तो खुद भीख मांगेगा बाहर निकलने की!'

डू डर्कसेन, जो कंटेंट क्रिएटर हैं, उनके 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, ने ये घर खुद डिजाइन किया है. वीडियो की शुरुआत में वे कहते हैं, 'अगर तुम चोर हो, तो ये मत देखो. थैंक्स!' फिर टूर शुरू होता है. इस घर में कई तरह के राज छिपे हैं. हर कोने में कोई ना कोई सीक्रेट है. अपनी दोस्त के जरिये उन्होंने ये सीक्रेट लोगों के साथ शेयर किया. इसे देखकर आपका माथा भी भनभना जाएगा. इस घर का पहला फीचर उसके लिविंग रूम में नजर आया. दीवार पर लगी पेंटिंग को धकेलो, तो उसके पीछे एक पूरा बेडरूम खुल जाता है. अंदर बेड, अलमारी-सब कुछ है लेकिन बाहर से कोई संकेत नजर नहीं आता. 'चोर सोचेगा ये दीवार है, लेकिन असल में ये एंट्री पॉइंट है' डू बताते हैं. अगला, एक बड़ा मिरर है. इसे साइड से सरकाओ तो उसके पीछे वॉक-इन क्लोजेट है. यहां कपड़े, जूते सब छिपे हैं लेकिन मिरर से रिफ्लेक्शन चोर को कन्फ्यूज करेगा कि रास्ता कहां है? घर का किचन भी कमाल का है. फ्रिज को हटाओ, तो उसके नीचे एक गहरा होल है जिसमें उतरकर एक सीक्रेट स्टोरेज रूम है. 'यहां वैल्यूएबल्स रखे हैं, चोर ढूंढेगा तो गिरेगा,' डू हंसते हुए कहते हैं.

गुजरात के वेरावल में पुरानी इमारत ढही, तीन की मौत

सोमनाथ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के वेरावल शहर में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। शहर के खारवावाड़ इलाके में एक पुरानी तीन मंजिला इमारत का हिस्सा अचानक ढह गया। हादसा रात के करीब 1:30 बजे हुआ। तब अधिकतर लोग सो रहे थे। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मरने वालों में एक महिला, उसकी बेटी और एक बाइक सवार राहगीर शामिल हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह इमारत करीब 80 साल पुरानी थी और लंबे समय से जर्जर हालत में थी। बारिश और समय के असर से इसकी दीवारें कमजोर हो चुकी थीं। पुलिस इंस्पेक्टर एचआर गोस्वामी ने बताया कि हादसा उस वक्त हुआ जब एक बाइक सवार व्यक्ति वहां से गुजर रहा था। गिरते मलबे की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा, "इमारत का हिस्सा अचानक गिर पड़ा, जिसमें एक राहगीर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं मलबे में दब गईं।"

केदारनाथ से लौटते वक्त कार नदी में गिरी, यात्री की मौत

जवानों ने 5 लोगों की बचाई जान; अस्पताल में भर्ती

रुद्रप्रयाग, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ से लौट रहे यात्रियों की कार नदी में गिर गई, जिससे एक यात्री की मौत हो गई। वहीं, 5 घायल हो गए।

सूचना मिलने पर एसडीआरएफ, पुलिस और डीडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू कर पांच लोगों की जान बचाई। हादसा रविवार शाम रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर हुआ। सभी यात्री एक ही परिवार के हैं, जो उत्तर प्रदेश के बाराबंकी और लखनऊ के रहने वाले हैं।

इंजीनियर पति के मर्डर की साजिश

शक होने पर पति ने जासूस लगाए, प्रेमी संग ऋषिकेश में पकड़ा पत्नी को-ऑनलाइन मंगवाया हथौड़ा

गुरुग्राम, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम की एक मल्टी नेशनल कंपनी (एमएनसी) में काम करने वाले इंजीनियर की पत्नी अपने लवर के साथ मिलकर उसकी मौत की साजिश रच रही थी। पति को सोशल मीडिया चैट्स से मामले का पता चला तो उसने डिटेक्टिव एजेंसी की सेवा लेकर पत्नी की करतूत का खुलासा कर दिया। पति को पता चला कि उसकी पत्नी अपने प्रेमी के साथ ऋषिकेश के एक होटल में थी। पति ने तुरंत पुलिस बुलाकर उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। इससे होटल में हंगामा हो गया।

हालांकि, पत्नी ने खुद को बालिग होने का हवाला देकर अपनी मर्जी से होटल में आने बात कही। इस पर उसके पति ने उससे कहा- ठीक है, ये रिश्ता अब यहीं खत्म, तुम्हें जो करना है करो। उसने पत्नी के खिलाफ शिकायत करने से भी मना कर दिया और वहीं रिश्ता समाप्त करके चला आया।

वांगचुक अरेस्ट केस-एससी में 14 अक्टूबर तक सुनवाई टली

पत्नी ने वजह पूछी, केंद्र ने कहा-जिसे हिरासत में लिया उसे बता चुके हैं

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जोधपुर जेल में बंद सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से जुड़ी हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) की याचिका पर सुनवाई हुई।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने 14 अक्टूबर तक के लिए सुनवाई को टाला है। कोर्ट में वांगचुक के वकील कपिल सिब्बल ने दलील में कहा- सोनम वांगचुक को जिन कारणों से हिरासत में लिया गया, उसकी कॉपी परिवार को नहीं सौंपी गई है।

इस पर केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- हिरासत के कारण हिरासत में लिए गए व्यक्ति (वांगचुक) को पहले ही दिए जा चुके हैं। इसकी कॉपी वांगचुक की पत्नी को देने पर विचार किया जाएगा। दरअसल, 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत 26 वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया गया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं। 2 अक्टूबर को वांगचुक की पत्नी ने गीतांजलि अंगमो ने सुप्रीम कोर्ट में हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका दायर की थी। अनुच्छेद 32 के तहत दावा किया था कि उनके पति की गिरफ्तारी अवैध है। अंगमो ने कहा था कि उन्हें अभी तक हिरासत आदेश की कॉपी नहीं मिली है, जो नियमों का उल्लंघन है। दरअसल, अंगमो ने वकील सर्वम ऋतम खरे के जरिए दायर याचिका में वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी है। अंगमो ने बताया था कि दिल्ली में हर जगह मेरा पीछा किया जा रहा है।

मैं जहां भी जाती हूं, एक कार मेरा पीछा करती है। हमारे साथ मिलकर काम करने वाले एक कर्मचारी को हिरासत में लिया गया है। उसे पीटा जा रहा है और मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर जानलेवा हमला

> अमित मालवीय ने टीएमसी पर लगाया आरोप

जलपाईगुड़ी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर जानलेवा हमला किया है। वहीं इसे लेकर भाजपा नेता अमित मालवीय ने टीएमसी पर आरोप है, एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा- बंगाल में टीएमसी का जंगलराज!

उत्तरी मालदा से दो बार सांसद रहे और एक सम्मानित आदिवासी नेता, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर टीएमसी के गुंडों ने उस समय हमला किया जब वे जलपाईगुड़ी के दुआर्स क्षेत्र के नागराकाटा में विनाशकारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत और बचाव कार्यों में मदद करने जा रहे थे।

'यह टीएमसी का बंगाल है, जहां क्रूरता का बोलबाला है'

अमित मालवीय ने अपने पोस्ट में आगे लिखा- जब ममता बनर्जी अपने कोलकाता कार्निवल में नाच

रही थीं, तब टीएमसी और राज्य प्रशासन गायब था। जो लोग वास्तव में लोगों की मदद कर रहे थे, भाजपा नेता और कार्यकर्ता, उन पर राहत कार्य करने के लिए हमला किया जा रहा है। यह टीएमसी का बंगाल है, जहां क्रूरता का बोलबाला है और दया की सजा।

ममता बनर्जी पूरी तरह से दहशत में-शुभेंदु अधिकारी

वहीं पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इस घटना को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा-ममता बनर्जी पूरी तरह से दहशत में हैं।

उन्हें (काफी देर से) एहसास हुआ है कि पश्चिम बंगाल की जनता ने उनके 'सेलिब्रिटीज के साथ कार्निवल में नाचने' के अमानवीय कृत्य को उस समय नफरत की नजर से देखा है जब उत्तर बंगाल बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहा था, जिसमें कई लोगों की जान चली गई और हजारों लोग बेघर हो गए। इसके विपरीत, बंगाल भाजपा के विधायक और सांसद प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जमीनी स्तर पर अपना योगदान दे रहे थे। इसलिए, अब उन्होंने दहशत का बटन दबा दिया है और 'विशेष समुदाय' से जुड़े अपने गुंडों को भाजपा सांसदों और विधायकों पर हमला करने के लिए उकसाया है ताकि उन्हें राहत कार्य में शामिल होने से रोका जा सके। सांसद श्री खगेन मुर्मू पर आज नागराकाटा में उस समय बेरहमी से हमला किया गया और उन्हें खून से लथपथ चोटें आईं जब वे बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के साथ बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे थे। विधायक डॉ. शंकर घोष के वाहन पर भी पुलिस की मौजूदगी में हमला किया गया।

'नेतृत्व ने मिलने का समय नहीं दिया तो इस्तीफा देने का सोचूंगा'

मणिपुर एमएलए बोले-भाजपा विधायक बने रहने का कोई मतलब नहीं

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर के एक विधायक ने कहा कि भाजपा नेतृत्व अगर उन्हें मिलने का समय नहीं देता है तो विधायक पद से इस्तीफा देने पर विचार करूंगा।

मणिपुर के भाजपा विधायक टी श्यामकुमार ने रविवार को कहा कि अगर पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व उन्हें मिलने का समय देने में विफल रहता है तो वह विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बारे में सोचने पर मजबूर हो जाएंगे। नयी दिल्ली रवाना होने से पहले इंफाल हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए एंड्रो निर्वाचन क्षेत्र के विधायक ने कहा, 'अगर पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व हमें मिलने का समय नहीं देता है, तो भाजपा विधायक बने रहने का कोई मतलब नहीं है और इस्तीफा देना होगा।' श्यामकुमार ने कहा, 'अगर केंद्रीय नेता मणिपुर में लोकप्रिय सरकार बनाने पर सहमत नहीं होते हैं तो हमें अन्य विकल्पों पर विचार करना होगा।' विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत और विधायक के. जॉयकिशन, बसंत कुमार, करम श्याम, युमनाम खेमचंद, उशम देबेन, ख इबोम्चा और नूरुल हसन सहित मणिपुर के कम से कम नौ विधायक रविवार को अलग-अलग उड़ानों से दिल्ली के लिए रवाना हुए। भाजपा विधायक ख इबोम्चा ने कहा, 'सभी तीस भाजपा विधायक जा रहे हैं और हर बात पर चर्चा करेंगे।'

ड्राइवर पति हुआ बीमार तो खुद ट्रक चलाने लगी बीवी, साड़ी में संभाला स्टीयरिंग व्हील

बोली-'औरतें कुछ भी कर सकती हैं'!

कहते हैं कि जिंदगी हमें कभी-कभी ऐसे मोड़ पर ले आती है, जहां चुनौती जितनी बड़ी होती है, उसका सामना करने का हौसला भी उतना ही मजबूत होना चाहिए.हाल ही में सोशल मीडिया पर एक महिला की वीडियो वायरल हो रही है, जिसने न केवल समाज की परंपराओं को भी तोड़ा, बल्कि अपने परिवार के लिए नया रास्ता खोजा. यह महिला

अब ट्रक चलाने जा रही है और इसके पीछे उसकी प्रेरक कहानी है. महिला के इस कदम को लोगों के द्वारा बहुत प्यार मिल रहा है.दरअसल, रेनू देवी नाम की महिला ने एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकांउट पर शेयर किया है.

इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा है- "ट्रक ड्राईवर की बीवी और सच्चे प्यार की कहानी." वीडियो में देखा जा सकता है कि रेनू मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने कह रही है, आज हमारी सवारी केरल की ओर प्रस्थान कर रही है. सभी को नमस्ते हम बहुत अच्छा ट्रक चलाते हैं अब से यही हमारा काम रहेगा. शुरुआत में उन्होंने बताया कि उनके पति की तबीयत कुछ समय से ठीक नहीं है और घर में आर्थिक तंगी की स्थिति बन गई थी. लेकिन अब उन्होंने ठान लिया है कि परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए वह खुद ट्रक चलाएंगी. रेनू का यह आत्मविश्वास और हिम्मत देखते ही बनती है. उन्होंने बताया कि ट्रक चलाना उनके लिए नया नहीं है, उन्हें गाड़ी चलाने का अनुभव पहले भी रहा है, और अब जब मौका मिला है, तो वह इसे पूरी जिम्मेदारी और लगन के साथ निभाएंगी. वीडियो में उन्होंने ट्रक के स्टीयरिंग पास बैठ के अपने वाहन की खूबियों के बारे में भी बात की और बताया की यह सिर्फ एक साधन नहीं, बल्कि उनके परिवार की उम्मीदों और जरूरतों को पूरा करने का एक जरिया है.

कफ सिरप कांड में सीएम का बड़ा एक्शन; ड्रग कंट्रोलर हटाए गए

डिप्टी डायरेक्टर समेत तीन अफसर निलंबित

भोपाल, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में हड़कंप मचा देने वाले कफ सिरप कांड में मप्र सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। कई अफसरों पर गाज गिरी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि छिंदवाड़ा प्रकरण में सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार सजग और संवेदनशील है, मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस क्रम में औषधि निरीक्षक छिंदवाड़ा गौरव शर्मा, औषधि निरीक्षक जबलपुर शरद कुमार जैन, उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन शोभित कोस्टा को निलंबित और आईएएस अधिकारी ड्रग कंट्रोलर दिनेश मौर्य को अन्यत्र स्थानांतरित किया गया है। मुख्यमंत्री ने छिंदवाड़ा प्रकरण के संबंध में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोल्ड्रिफ सिरप के बेचने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही दुकानों में उपलब्ध स्टॉक जब्त किया जाए। छिंदवाड़ा और आसपास के जिलों में जिन परिवारों ने यह दवा ली है, उनके घरों से दवा रिकवर करने के लिए सघन अभियान चलाया जाए। आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं के साथ ही सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों का सहयोग लिया जाए। कोल्ड्रिफ सिरप दवा के अलावा पिछले दिनों क्षेत्र में बिकने वाली अन्य दवाओं की प्रभावशीलता का भी आकलन कराया जाए।

> सबरीमाला मंदिर में सोने की परत को लेकर बढ़ा विवाद

विपक्षी यूडीएफ ने विधानसभा में किया हंगामा

तिरुवनंतपुरम, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के सबरीमाला मंदिर में सोने की परत के विवाद में सोमवार को विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन यूडीएफ के सदस्यों ने प्रश्नकाल को बाधित किया और सबरीमाला मंदिर विवाद पर राज्य के देवास्वम मंत्री वीएन वासावन के इस्तीफे की मांग की। विपक्षी नेताओं ने अध्यक्ष के आसन के सामने नारेबाजी की।

विधानसभा की कार्यवाही हंगामे के चलते स्थगित हुई

सोमवार को केरल विधानसभा का सत्र शुरू होते ही, विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड (टीडीबी) पर लगे आरोपों का मुद्दा उठाया। उन्होंने देवास्वम मंत्री वी एन वासवन के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि विपक्ष को पहले इस मुद्दे को उठाने की अनुमति नहीं दी गई थी। जब विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष की मांग को नजरअंदाज कर दिया और प्रश्नकाल शुरू किया, तो यूडीएफ सदस्य आसन के सामने आ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्षी नेताओं ने अध्यक्ष के आसन के सामने एक बैनर लहराया, जिस पर लिखा था, 'जिन लोगों ने भगवान अयप्पा का सोना चुराया है, वे अम्बलम विझुंगिकल (मंदिर चोर) हैं।'

विधानसभा अध्यक्ष द्वारा विधायकों से बार-बार अपनी सीटों पर लौटने के अनुरोध के बावजूद, विरोध प्रदर्शन तेज हो गया, जिसके बाद कुछ मंत्रियों सहित सत्तारूढ़ सदस्य भी खड़े हो गए और बोलने लगे, जिससे हंगामा बढ़ गया। बाद में, अध्यक्ष ने सत्र स्थगित कर दिया। विधानसभा में विपक्ष का यह विरोध सबरीमाला में द्वारपालक की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने को लेकर चल रहे विवाद के बाद हुआ।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

आदमी वो खतरनाक
नहीं जो ऊंचा बोलता है
खतरनाक वो है
जो कानों में बोलता है

अमेरिकी दवा कंपनी एली लिली तेलंगाना में 1 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगी

कंपनी के वैश्विक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को अमेरिकी दवा कंपनी एली लिली से 1 अरब डॉलर का बड़ा निवेश मिला है, जो हैदराबाद में अपनी विनिर्माण और वैश्विक दवा आपूर्ति क्षमता का विस्तार करेगी। यह विस्तार नए अनुबंध निर्माण के माध्यम से सुगम होगा, जिससे तेलंगाना के युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर बढ़ेंगे। यह घोषणा कंपनी के वैश्विक प्रतिनिधिमंडल द्वारा सोमवार को एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू से मुलाकात के बाद की गई। इस साल अगस्त में हैदराबाद में वैश्विक क्षमता केंद्र का उद्घाटन करने के बाद, यह निवेश निर्णय तेलंगाना के नेतृत्व और प्रभावी शासन में कंपनी के विश्वास को दर्शाता है। कई राज्यों की गहरी रुचि के बावजूद, एली लिली ने उच्च कुशल जनशक्ति, बुनियादी ढांचे और सरकार से समर्थन की उपलब्धता के मामले में अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र के कारण तेलंगाना को चुना। एली लिली का यह निवेश कंपनी की खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) से परे तेलंगाना में रुचि और मधुमेह, मोटापा, अल्जाइमर रोग, कैंसर और स्व-प्रतिरक्षित बीमारियों के इलाज के लिए नई दवाओं पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। कंपनी तुरंत भर्ती शुरू करेगी, जिसमें इंजीनियर, केमिस्ट, विश्लेषणात्मक वैज्ञानिक, गुणवत्ता नियंत्रण एवं आश्वासन पेशेवर, और प्रबंधन पदों जैसे पदों पर रिक्तियां होंगी। नई सुविधाओं की स्थापना के साथ, एली लिली तेलंगाना में अनुबंध निर्माण और वैश्विक स्तर पर आपूर्ति करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना को चुनने के लिए एली लिली प्रतिनिधिमंडल का धन्यवाद किया और कंपनी की भविष्य की योजनाओं के लिए सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने 1965 में हैदराबाद में आईडीपीएल की स्थापना को हैदराबाद के एक फार्मा केंद्र के रूप में बदलने का श्रेय दिया। 1965 में इंदिरा गांधी की पहल ही वह कारण है जिसके कारण हैदराबाद थोक दवा निर्माण का केंद्र बना हुआ है। हैदराबाद वैश्विक स्तर पर कोविड वैक्सीन निर्माण का भी केंद्र रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे दोहराया, तेलंगाना का मतलब व्यापार है। हैदराबाद एक वैश्विक शहर है। हमारी सरकार यहां निवेश करने के इच्छुक सभी उद्योगों का समर्थन और स्वागत करेगी। उन्होंने तेलंगाना को ज्ञान केंद्र बनाने की सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताया और कहा कि कंपनियों को तकनीकी सहायता सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद के जीनोम वैली में एक नया उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र (एटीसी) स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हमने हैदराबाद स्थित यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में कई प्रसिद्ध फार्मा उद्योगपतियों को शामिल किया है, जिसके अध्यक्ष आनंद महिंद्रा हैं। इस अवसर पर, मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि हैदराबाद में लिली का विस्तार तेलंगाना के गतिशील औद्योगिक परिदृश्य और उन्नत स्वास्थ्य सेवा निर्माण में इसके बढ़ते प्रभाव का प्रमाण है। लिली इंटरनेशनल के कार्यकारी उपाध्यक्ष और अध्यक्ष पैट्रिक जोंसन ने इस बात पर जोर दिया कि यह निवेश हमारे वैश्विक नेटवर्क के भीतर क्षमता निर्माण के केंद्र के रूप में भारत में कंपनी के विश्वास की पुष्टि करता है।

सीपीआई ने मुख्य न्यायाधीश गवई पर हमले की कोशिश की निंदा की

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के नियंत्रण आयोग के अध्यक्ष डॉ.के. नारायण ने उस घटना की कड़ी निंदा की जिसमें एक वकील ने सर्वोच्च न्यायालय परिसर में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई पर जूता फेंका। डॉ. नारायण ने कहा कि यह कृत्य केवल एक व्यक्ति का अपराध नहीं है, बल्कि आरएसएस की विचारधारा से प्रेरित दक्षिणपंथी ताकतों द्वारा पोषित असहिष्णुता की बढ़ती संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यह पूर्वनियोजित हमला संवैधानिक संस्थाओं का अपमान और न्यायिक स्वतंत्रता के लिए खतरा है। न्यायाधीशों पर हमला करना संविधान पर ही हमला करने के समान है। सीपीआई नेता ने घटना की गहन जांच की मांग की ताकि इसके उद्देश्य और संस्थागत समर्थन का पता लगाया जा सके और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक और अवमानना कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई का आग्रह किया।

स्कूल का निर्माण कॉर्पोरेट स्तर के मानकों के साथ : कोमटिरेड्डी

मंत्री ने एर्रामंजिल सरकारी स्कूल का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सोमवार को एर्रामंजिल में नवनिर्मित सरकारी स्कूल का उद्घाटन किया, जिसे 8 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है और कॉर्पोरेट स्तर की सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। स्थानीय विधायक दानम नागेंद्र, सांसद अनिल कुमार यादव, पार्षद विजया रेड्डी, हैदराबाद कलेक्टर हरिचंदन और वरिष्ठ आरएंडबी अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, कोमटिरेड्डी ने कहा कि एर्रामंजिल सरकारी स्कूल को तेलुगु राज्यों के सर्वश्रेष्ठ मॉडल स्कूलों में से एक के रूप में उभरने के लिए डिजाइन किया गया है।

उन्होंने कहा, हमने इस स्कूल का निर्माण कॉर्पोरेट स्तर के मानकों के साथ किया है और जल्द ही इसमें डिजिटल कक्षाएं और वातानुकूलित कमरे भी शामिल किए जाएंगे। यह हमारी सरकार की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शिक्षा क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार ने 20,000 करोड़ रुपये की लागत से सभी निर्वाचन क्षेत्रों में युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालयों का निर्माण कार्य शुरू किया है।

उन्होंने कहा, नलगोंडा में एकीकृत विद्यालय पहले ही स्लैब चरण में पहुंच चुका है। तेलंगाना आधुनिक शिक्षण बुनियादी ढांचे के लिए एक नया मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने विधायक दानम नागेंद्र, कलेक्टर हरिचंदन, आरएंडबी इंजीनियरों और निर्माण एजेंसी की उनके प्रयासों के लिए सराहना की। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव के तीखे जवाब में, कोमटिरेड्डी ने कहा, हरीश राव, हमारी सरकार कथनी की नहीं, करनी की सरकार है।

हम शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। जिन अस्पतालों को नींव के स्तर पर छोड़ दिया गया था, उन्हें अब केवल 21 महीनों के भीतर पूरा किया जा रहा है।

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता : सीतक्का

मंत्री ने साड़ी उत्पादन केंद्रों का दौरा किया

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उसका लक्ष्य एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाना है। सोमवार को, मंत्री ने सिरसिला के वेंकटरावनगर में इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत संचालित साड़ी उत्पादन केंद्रों का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने बुनकरों से बातचीत की और उनकी चुनौतियों के बारे में जानकारी ली और उनकी प्रतिक्रिया ली। उन्होंने कहा, मैं इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत साड़ी उत्पादन का अवलोकन करने सिरसिला आई हूं।

श्रमिक साल भर रोजगार की तलाश में हैं। मैं इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाऊंगी और पूर्ण रोजगार प्रदान करने के संभावित समाधानों पर विचार करूंगी। मंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। सीतक्का ने कहा, हमारा ध्यान महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाने पर है। मुफ़्त बस यात्रा की पेशकश के अलावा, हम महिलाओं को बस मालिक बनने में भी सक्षम बना रहे हैं।

टीजीपीएससी के सदस्यों को शपथ दिलाई गई

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सी. चंद्रकांत रेड्डी और श्री विश्व प्रसाद, आईपीएस को तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) के सदस्य के रूप में नव नियुक्त किया गया है। आज उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया है। अध्यक्ष, टीजीपीएससी बुर्रा वेंकटेशम ने आज आयोग के सदस्यों अमीर उल्लाह खान, प्रोफेसर यादैया, श्रीमती पलवई रजनी कुमारी, प्रोफेसर एल.बी. लक्ष्मीकांत राठौड़ और सचिव डॉ. प्रियंका आला, आईएएस की उपस्थिति में सी. चंद्रकांत रेड्डी और विश्व प्रसाद, आईपीएस को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार, हैदराबाद की ट्रस्टी शशिकला ने दिव्य साकेतम में परम पूज्य श्री त्रिदंडी श्रीमन्नारायण रामानुज चिन्ना जीयर स्वामी का आशीर्वाद लिया और 20 अक्टूबर 2025 को मनाई जाने वाली दीपावली पूजा के लिए स्वामी जी को आमंत्रित किया।

राज्यपाल ने राजभवन में 76वें टीबी सील सेल अभियान का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सोमवार को हैदराबाद के राजभवन में आयोजित एक विशेष समारोह में 76वें क्षय रोग (टीबी) सील सेल अभियान का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में, राज्यपाल ने टीबी सील सेल अभियान को न केवल एक परंपरा, बल्कि एक स्वस्थ और दयालु भारत के निर्माण की एक साझा नैतिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि क्षय रोग एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक चुनौती बनी हुई है, जिसका गरीबी, पोषण और जागरूकता से गहरा संबंध है। राज्यपाल ने टीबी उन्मूलन में सामूहिक भागीदारी का आह्वान किया और युवा हस्तियों, कलाकारों, खिलाड़ियों, गैर सरकारी संगठनों, कॉर्पोरेट्स और शैक्षणिक संस्थानों से भारत को टीबी मुक्त बनाने के इस अभियान में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा, टीबी मुक्त भारत का मतलब टीबी की रोकथाम नहीं, बल्कि टीबी को पूरी तरह से मिटाना है।

जिष्णु देव वर्मा ने जागरूकता, परीक्षण, पोषण सहायता और अनुसंधान में तेलंगाना क्षय रोग संघ के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों के तहत कॉर्पोरेट सहयोग से प्रत्येक जिले में हाथ से चलने वाली एक्स-रे मशीनें उपलब्ध कराने के तरीके तलाशने का सुझाव दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि राजभवन करुणा, सहयोग और प्रतिबद्धता पर आधारित टीबी मुक्त तेलंगाना के अभियान में समन्वयक और उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, राजभवन के वरिष्ठ अधिकारी, संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के अतिरिक्त निदेशक, सेवानिवृत्त डॉ.बी. साई बाबू और संघ के ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य, तेलंगाना क्षय रोग संघ के मानद महासचिव, डी. बालचंद्र, तेलंगाना क्षय रोग संघ के संयुक्त निदेशक (टीबी) एवं मानद सचिव (आधिकारिक) डॉ.ए. राजेशम, तेलंगाना क्षय रोग संघ के सदस्य, स्वास्थ्य सेवा पेशेवर और स्वयंसेवक उपस्थित थे।

महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे संजय कुमार श्रीवास्तव सोमवार को पूरे क्षेत्र में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक रेल निलयम, सिकंदराबादप में की। बैठक में सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ सभी छह मंडलों, अर्थात् विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। संजय कुमार श्रीवास्तव ने क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन की समीक्षा की। उन्होंने सभी सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने पर जोर दिया। महाप्रबंधक ने कहा कि सभी पर्यवेक्षकों को क्षेत्रीय स्तर की गतिविधियों की निरंतर निगरानी करनी चाहिए और किसी भी समस्या का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए और उसे जल्द से जल्द ठीक किया जाना चाहिए। महाप्रबंधक ने सुरक्षा जागरूकता को और बढ़ाने और रेलगाड़ी संचालन में सुधार लाने के लिए जोन के सभी छह मंडलों में चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की स्थिति की भी समीक्षा की। सुरक्षा अभियानों के प्रमुख क्षेत्रों में पटरियों की सुरक्षा, परिचालन दक्षता, शंटिंग संचालन, सिग्नल सुरक्षा आदि शामिल थे। महाप्रबंधक ने इस बात पर जोर दिया कि निरीक्षण के दौरान पाई गई किसी भी कमी को तुरंत दूर किया जाना चाहिए ताकि निर्बाध रेल संचालन सुनिश्चित हो सके।

राजस्व भूमि आवंटन पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को पिछले 30 से 40 वर्षों में राजस्व विभाग द्वारा सरकारी विभागों को आवंटित भूमि के संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। इस रिपोर्ट में इन भूमियों के उपयोग, वर्तमान स्थिति और संबंधित मुद्दों की जानकारी शामिल होनी चाहिए। राजस्व विभाग ने विभिन्न परियोजनाओं के लिए विभिन्न विभागों, विशेष रूप से सिंचाई और वन विभागों को हजारों एकड़ भूमि आवंटित की है। हालांकि, तेलंगाना राज्य के विभाजन के बाद, इन परियोजनाओं में संशोधन और नई परियोजनाएं जोड़ी गई हैं, जिनमें से कुछ को पूरी तरह से रद्द कर दिया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे रिपोर्ट तैयार करते समय और उनका विश्लेषण करते समय इन घटनाक्रमों को ध्यान में रखें। सोमवार को यहां एक बयान में, मंत्री ने सिफारिश की कि दोनों विभाग मिलकर एक रिपोर्ट तैयार करें जिसमें पिछले 30 वर्षों में राजस्व विभाग द्वारा वन विभाग को आवंटित भूमि की मात्रा और वन विभाग द्वारा राजस्व विभाग को दी गई भूमि का विवरण हो। अधिकारियों को इस प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं, क्योंकि सीताराम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए संयुक्त खम्मम जिले में 1,138 एकड़ वन भूमि आवंटित करने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, राजस्व विभाग ने केशवपुरम पेयजल योजना के लिए वन विभाग को पहले ही 1,030 एकड़ भूमि आवंटित कर दी थी। चूंकि यह परियोजना रद्द कर दी गई है, इसलिए मंत्री ने प्रस्ताव दिया कि इस भूमि को सीताराम लिफ्ट सिंचाई परियोजना को हस्तांतरित करने की व्यवहार्यता पर विचार किया जाए।

मद्दुर आत्महत्या के मामले में भाजपा का बड़ा आरोप

यह जबरन धर्म परिवर्तन का मामला : डॉ. गौतम राव

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मद्दुर आत्महत्या के मामले में भारतीय जनता पार्टी ने सनसनीखेज आरोप लगाए है। भाजपा नेता का दावा है कि यह जबरन धर्म परिवर्तन का मामला है। इस घटना पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश महासचिव डॉ. गौतम राव ने प्रतिक्रिया देते हुए पीड़ितों के लिए तत्काल जांच, सुरक्षा और न्याय की मांग की है। नारायणपेट जिले के मद्दुर मंडल केंद्र स्थित एक नेत्र चिकित्सालय के प्रशासक द्वारा लिखे गए 17 पृष्ठों के सुसाइड नोट से इलाके में खलबली मच गई है। पीड़ित परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, दौलताबाद मंडल के बोडामरी तांडा निवासी रमेश नायक पिछले चार दिनों से घर नहीं लौटे हैं, जिससे परिवार गहरी चिंता में डूबा हुआ है। राज्य सरकार, विशेषकर पुलिस महानिदेशक कार्यालय को इस जघन्य घटना को गंभीरता से लेना चाहिए, सभी साक्ष्य एकत्र करने चाहिए और तत्काल एवं व्यापक जांच करानी चाहिए। मद्दुर निवासी वर्धा रामचंद्रैया के सुसाइड नोट और पठलावत रमेश नायक के विवरण के अनुसार, इस घटना में आत्महत्या के लिए उकसाना, शारीरिक हिंसा, धोखाधड़ी, ब्लैकमेल, अपहरण, धमकी, जबरन धर्म परिवर्तन (लव जिहाद), एससी/एसटी बदनामी, हवाला/नकली सोने के सिक्कों का लेन-देन जैसे गंभीर आपराधिक कृत्य हुए हैं। भाजपा तेलंगाना प्रदेश महासचिव डॉ. गौतम राव कहा कि इस घटना से राज्य में शांति और सुरक्षा भंग होने, जन भावनाओं को ठेस पहुंचने और वित्तीय धोखाधड़ी होने की संभावना है। हम मांग करते हैं कि इस मामले की जांच केवल व्यक्तिगत मामले के बजाय हत्या के मामले के रूप में की जाए। इसलिए, मामले की पारदर्शी और न्यायिक तरीके से जांच की जानी चाहिए, आरोपियों की पहचान की जानी चाहिए और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

शेखपेट में कब्रिस्तान की जमीन को लेकर विवाद

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शेखपेट में मुस्लिम कब्रिस्तान के लिए आवंटित जमीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया। कांग्रेस सरकार को उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा जब सेना के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और स्थानीय लोगों को काम आगे बढ़ाने से रोक दिया। राज्य सरकार ने हाल ही में शेखपेट स्थित गैराबाद मस्जिद के पास 2500 वर्ग गज जमीन कब्रिस्तान के लिए आवंटित की थी। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में चुनाव नजदीक होने के कारण यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी चर्चा में है।

सरकार ने यह जमीन टीएस वक्फ बोर्ड के माध्यम से आवंटित की थी। दो दिन पहले टीईएमआरआईएस अध्यक्ष फहीम कुरैशी और एआईएमआईएम विधायक कौसर मोहिउद्दीन ने स्थानीय नेताओं के साथ स्थल का निरीक्षण किया था। यह कब्रिस्तान जुबली हिल्स क्षेत्र के बोराबंडा, यूसुफगुडा, एर्रागड्डा, रहमतनगर और शेखपेट जैसे इलाकों के मुस्लिम समुदाय के लिए उपयोग में लाया जाना था। हालांकि रविवार को सेना के अधिकारियों ने दावा किया कि यह भूमि रक्षा विभाग की है। उन्होंने सभी गतिविधियां रोकने का आदेश दिया और चेतावनी दी कि जब तक मामला स्पष्ट नहीं होता, कोई भी वहां काम नहीं कर सकता। सेना अब संभवतः उस भूमि पर बाड़ लगाने की तैयारी कर रही है।

एर्रामंजिल पेट्रोल पंप पर कार में लगी आग

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार शाम पंजागुट्टा के एर्रामंजिल स्थित बीपीसीएल पेट्रोल पंप पर ईंधन भरवाने आई एक कार में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार, कार में दो यात्री सवार थे। इंजन से अचानक चिंगारियां और धुआं निकलता देख चालक और यात्री तुरंत वाहन से बाहर निकल गए। पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने सूझबूझ दिखाते हुए अग्निशामक यंत्रों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया और जलती हुई कार को पेट्रोल पंप परिसर से बाहर सड़क पर ले जाकर रोक दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No.17014438A, Hav, Darade Samadhan Pralhad, R/o, Dist: Buldana, Maharashtra, changed my Son's name from Maheem to Darade Maheem Samadhan, vide Affidavit dt 02.06.2025, before Court at Lonar, Maharashtra.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

नरेश पंडित के बाद इमरान एनकाउंटर में ढेर

> सहारनपुर में सीने में गोली लगी > 2 घंटे में दो बदमाश मारे गए

सहारनपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी पुलिस ने रविवार रात 2 घंटे के अंदर दो बदमाशों को एनकाउंटर में मार गिराया। पहला एनकाउंटर रात 8 बजे फिरोजाबाद में हुआ। यहां पुलिस ने बदमाश नरेश पंडित उर्फ पंकज को एनकाउंटर में गोली मारकर ढेर कर दिया। दूसरा एनकाउंटर फिरोजाबाद से 400 किमी दूर सहारनपुर में हुआ। यहां बदमाश इमरान मुठभेड़ में मारा गया। इमरान पर 1 लाख का, जबकि नरेश पंडित पर 50 हजार का इनाम घोषित था। मुठभेड़ में दोनों बदमाशों के सीने में गोली लगी थी।

नरेश पंडित
रविवार रात 8 बजे
फिरोजाबाद में ढेर

इमरान
रविवार रात 10 बजे
सहारनपुर में ढेर

फिरोजाबाद में पुलिस रात 8 बजे चकमा देकर फरार हुए नरेश पंडित उर्फ पंकज को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। वह 38 साल का था। रात 8 बजे थाना मक्खनपुर क्षेत्र में पुलिस टीम ने आरोपी नरेश को घेर लिया। खुद को बचाने के लिए नरेश ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान एक गोली थाना प्रभारी संजीव दुबे को लगी और दूसरी एसपी ग्रामीण अनुज चौधरी की बुलेट प्रूफ जैकेट में फंस गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली नरेश के सीने में लगी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। करीब 20 मिनट चली मुठभेड़ में नरेश मारा गया। उस पर लूट और डकैती समेत 9 मुकदमे दर्ज थे। एसएसपी सौरभ दीक्षित और डीआईजी ने नरेश पर 25-25 हजार रुपए का इनाम रखा था। यह मुठभेड़ थाना मक्खनपुर क्षेत्र में हुई है। घायल इंस्पेक्टर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पेट दर्द का बहाना बनाकर खेत से भागा था

नरेश अलीगढ़ के अरनी का रहने वाला था। वह 30 सितंबर को 2 करोड़ रुपए की लूट में शामिल था। उस दिन कानपुर से आगरा जा रही जीके कंपनी की कैश वैन को नरेश ने अपने साथियों के साथ लूट लिया था। पुलिस ने शनिवार रात इस मामले का खुलासा करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें नरेश भी शामिल था। बदमाशों के पास से लगभग 1 करोड़ रुपए और दो कारें बरामद की गई थीं। रविवार दोपहर रामगढ़ थाने के इंस्पेक्टर चमन शर्मा तीन सिपाहियों के साथ आरोपी नरेश को माल बरामदगी के लिए ले जा रहे थे। थाना मक्खनपुर क्षेत्र के खेड़ा गणेशपुर के पास नरेश ने पेट दर्द का बहाना बनाया।

पुलिस ने उसे बाजरे के खेत में हथकड़ी लगाकर बैठाया और सिपाही पानी लेने चले गए। इसी दौरान नरेश खेतों के रास्ते फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही SSP सौरभ दीक्षित ने जिलेभर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित की गई थीं।

भाजपा नेता की हत्या के आरोपी रॉबिन भड़ाना का सरेंडर

मेरठ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। किठोर थाना क्षेत्र के गांव भड़ौली में बीडीसी भाजयुमो के महामंत्री प्रमोद भड़ाना की हत्या में वांछित चल रहे 50 हजार के इनामी रॉबिन भड़ाना ने पुलिस को चकमा देकर न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। वह वकील की वेशभूषा में पहुंचा और सीजेएम कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीम लगी हुई थी। भड़ोली निवासी प्रमोद भड़ाना की 27 सितंबर को रॉबिन ने उस समय तीन गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह सुबह खेत में चारा लेने गया था। रॉबिन ने ग्राम प्रधान के पति पर भी फायरिंग की थी। वह शिवम उर्फ गोलू गैंग का सक्रिय सदस्य है। एसएसपी ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीम में लगाई गई थी।

सीतापुर बीएसए-प्रिंसिपल विवाद

बेल्ट कांड के आरोपी प्रधानाचार्य को जमानत एक शिक्षिका भी चल रही हैं सस्पेंड

सीतापुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीएसए कार्यालय में 23 सितंबर को बीएसए को बेल्ट से पीटने वाले प्रधानाध्यापक बृजेन्द्र वर्मा को सोमवार को जिला जज कोर्ट से जमानत मिल गई है। हालांकि अभी उनकी रिहाई का परवाना जेल नही पहुंचा है। बता दें कि शहर कोतवाली पुलिस ने विवेचना में जानलेवा हमले की धारा हटाने की संस्तुति की थी। यही उनकी जमानत का आधार बना। जिला जज कुलदीप सक्सेना ने शिक्षक को जमानत दे दी है।

एक अध्यापिका को लेकर हुआ था विवाद

यह पूरा विवाद में केंद्र में अवंतिका गुप्ता का नाम सामने आया था। उनकी अवकाश को लेकर बीएसएस और स्कूल के प्रिंसिपल के बीच विवाद हुआ था। उसी बात की पूछताछ के लिए प्रिंसिपल को बुलाया गया था, बाद में यह बातचीत विवाद में बदल गई।

शिक्षिका भी चल रही हैं निलंबित

मामले के आगे बढ़ने के बाद शासन के द्वारा शिक्षिका अवंतिका गुप्ता को भी निलंबित कर दिया गया। इसके पहले घटना के तुरंत बाद प्रिंसिपल को निलंबित करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया था।

ट्रक से टकराई कार-विदेश से लौटे युवक व युवती की मौत

मुजफ्फरनगर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। रामराज क्षेत्र में दिल्ली पौड़ी हाईवे पर ट्रक और कार की टक्कर में युवती सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दंपती को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक प्रियंका और लक्ष्य हैं। दोनों के परिजन विलाप करते हुए मोर्चरी और अस्पताल पहुंचे। वहीं पुलिस ने वाहनों को हटवाकर यातायात को सुचारु कराया।

सीओ जानसठ यतेंद्र नागर ने बताया कि इंद्रलोक कालोनी निवासी मयंक अपनी पत्नी रिया, चचेरी साली प्रियंका व सगे भाई लक्ष्य के साथ दिल्ली एयरपोर्ट से घर आ रहे थे। लक्ष्य विदेश से आया था। तीनों लोग उसे एयरपोर्ट से लेकर आ रहे थे। लक्ष्य कार चला रहा था। बिजनौर मार्ग पर मोंटी होटल के पास हादसा हो गया। लक्ष्य को घायल हालत में जानसठ सरकारी अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई।

आम आदमी पार्टी ने जारी की उम्मीदवारों की पहली सूची, लिस्ट में 11 नाम

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने अपना चुनावी डंका बजा दिया है। पार्टी ने सोमवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। यह जानकारी बिहार प्रदेश प्रभारी अजय यादव, सहप्रभारी अभिनव और प्रदेश अध्यक्ष राकेश ने एक संयुक्त प्रेसवार्ता के दौरान दी। ध्यान देने वाली बात यह है कि बिहार में चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले ही आम आदमी पार्टी ने 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। 'आप' ने बिहार के बेगूसराय विधानसभा सीट से मीरा सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

किशेश्वर (दरभंगा) से योगी चौपाल, तरैया (सारण) से अमित कुमार सिंह, कस्बा (पूर्णिया) से भानु भारतीय और बेनीपट्टी (मधुबनी) से शुभता यादव को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, फुलवारी (पटनी) से अरुण कुमार रजक, बांकीपुर (पटना) से पंकज कुमार, किशनगंज से अशरफ आलम, परिहार (सीतामढ़ी) से अखिलेश नरायण ठाकुर, गोविंदगज (मोतिहारी) से अशोक कुमार सिंह और बक्सर से पूर्व कैप्टन धर्मराज सिंह को उम्मीदवार बनाया है। प्रेसवार्ता में बिहार के प्रमुख नेताओं ने बताया कि पहली सूची में कुल 11 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं, जो पार्टी के झंडे तले चुनाव मैदान में उतरेंगे। ये उम्मीदवार बिहार के विभिन्न हिस्सों से हैं, जहां आम आदमी पार्टी ने अपनी मजबूत पकड़ बनाने की योजना बनाई है।

बरेली हिंसा केस : अब तक 83 गिरफ्तार

तौकीर रजा के करीबियों पर एक और एफआईआर

बरेली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली हिंसा मामले में पुलिस प्रशासन की लगातार कार्रवाई जारी है। इस मामले में अब तक 83 लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। मौलाना तौकीर रजा के करीबी और बरेली हिंसा में आरोपी डॉक्टर नफीस और नदीम पर एक और मुकदमा दर्ज किया गया है।

तौकीर रजा के करीबियों पर बरेली कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। फरीदपुर चौधरी निवासी लियाकत ने इस मामले में शिकायत दर्ज करवाई है। लियाकत का आरोप है कि 25 सितंबर की शाम को नदीम खान और डॉ. नफीस खान ने मिलकर साजिश के तहत आईएमसी का एक फर्जी पत्र तैयार किया। इस पत्र पर लियाकत के नाम से फर्जी हस्ताक्षर किए गए। इस फर्जी पत्र का उद्देश्य 26 सितंबर को मौलाना तौकीर रजा के धरने में लोगों को बुलाना, प्रशासन को भ्रमित करना और शहर की शांति को भंग करना था। लियाकत ने साफ किया कि न तो उनका आईएमसी से कोई लेना-देना है और न ही वे उस दिन धरने में शामिल हुए थे। लियाकत ने यह भी बताया कि घटना के दिन वे अपने गांव में ही मौजूद थे और उनके गांव से भी कोई धरने में नहीं गया।

उधर, बरेली हिंसा के मास्टरमाइंड माने जा रहे मौलाना तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस खान के अवैध बारातघर पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। रविवार को बचे हुए हिस्से को भी बुलडोजर से ढहा दिया गया। इसके साथ ही तौकीर रजा को शरण देने के आरोप में फरहत के घर पर भी जल्द बुलडोजर चल सकता है। बरेली उपद्रव केस में अब तक 126 नामजद लोगों पर केस दर्ज हो चुका है और 83 की गिरफ्तारी हो चुकी है। दरअसल 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद काफी संख्या में 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर लेकर जमा हो गए थे। इसके विरोध के बाद हालात बिगड़ गए और दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी शुरू हो गई थी। हालात को संभालने के लिए पुलिस को सड़क पर उतरना पड़ा। घटना के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने हिंसा में शामिल लोगों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

कानपुर के नए पुलिस कमिश्नर बने रघुवीर लाल

1 महीने बाद अखिल कुमार रिलीव, यूपी में 4 सीनियर आईपीएस अफसरों का तबादला

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने सोमवार को 4 सीनियर आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। कानपुर के पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार को 1 महीने बाद रिलीव कर दिया गया है। उनकी जगह रघुवीर लाल को नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। दैनिक भास्कर ने 'बात खरी है' में एक महीने पहले ही बता दिया था कि रघुवीर लाल ही कानपुर के अगले कमिश्नर होंगे। रघुवीर लाल 1997 बैच के आईपीएस अफसर हैं।

वह मौजूदा समय में एडीजी सुरक्षा के पद पर तैनात हैं। 25 अगस्त को अखिल कुमार को केंद्र में डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन में प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाया गया था। इसके अलावा, 1992 बैच के आईपीएस दीपेश जुनेजा से सीआईडी का कार्यभार वापस ले लिया गया है, वे अब केवल अभियोजन के डीजी रहेंगे। वहीं, साइबर क्राइम में तैनात डीजी बिनोद कुमार सिंह को सीआईडी की भी जिम्मेदारी दी गई है। लखनऊ रेंज के आईजी तरुण गाबा को आईजी सुरक्षा बनाया गया है।

विपक्ष कर रहा बिहार की जनता को गुमराह पर नहीं मिलेगा फायदा : गिरिराज सिंह

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने महागठबंधन की बैठक पर तंज कसते हुए सवाल किया है कि आखिर बिहार की जनता इन लोगों को क्यों वोट करेगी? ऐसी स्थिति में जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेश दौरे पर हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि तेजस्वी यादव भी चुनाव संपन्न होने के बाद कहीं न कहीं घूमने चले जाएंगे। गिरिराज सिंह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि महागठबंधन के नेताओं को मेरा यही सुझाव है कि वे मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखना बंद करें। इन लोगों को बिहार में कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है।

उन्होंने कहा कि ये लोग बिहार की सत्ता में एक या दो नहीं, बल्कि 15 साल तक रहे और 20 साल से हमारी भी सरकार है। मैं इन लोगों को चुनौती देता हूं कि जरा आएं और हमारे साथ और बिहार से संबंधित मुद्दों को लेकर बहस करें। बिहार के विकास पर खुलकर चर्चा करें। मुझे यह बात स्वीकार करने में कोई गुरेज नहीं है कि प्रदेश में पिछले 20 साल में प्रदेश की जनता के हितों का विशेष ख्याल रखा गया है। हमारे शासनकाल में प्रदेश के विकास की गति तेज हुई है।

गिरिराज सिंह ने 'एसआईआर' को लेकर सवाल उठा रहे विपक्षी दलों को भी घेरा। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने सिर्फ बिहार में राजनीतिक फायदा अर्जित करने के लिए जनता को गुमराह करने की कोशिश की, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। भाजपा नेता ने कहा कि इन लोगों ने राजनीतिक फायदे के लिए एक या दो नहीं, बल्कि कई आरोप लगाए, लेकिन एक भी आरोप साबित नहीं कर पाए। इन लोगों को लग रहा है कि ऐसा करके इन्हें प्रदेश में राजनीतिक फायदा मिलेगा, लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि इन लोगों को कुछ भी प्राप्त होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में लोग अमन, चैन और शांति चाहते हैं, लेकिन, ये लोग अब प्रदेश की जनता को गुमराह करके इन सभी चीजों को बर्बाद करना चाहते हैं।

तेंदुआ किसान को खा गया, बीजेपी विधायक अफसरों पर भड़के

लखीमपुर में बोले-जब तक पकड़ा नहीं जाता, कोई हिलेगा नहीं

लखीमपुर-खीरी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखीमपुर में तेंदुआ 35 साल के किसान को खा गया। वह मवेशियों का चारा लेने जा रहा था, तभी झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने हमला कर दिया। सिर को जबड़े में दबोचकर घसीटते हुए जंगल में ले गया। एक पैर चबा गया। 7 घंटे तक जब किसान घर नहीं लौटा तो परिजनों ने तलाश शुरू की। एक घंटे बाद किसान का घर से एक किलोमीटर दूर क्षत-विक्षत लाश मिली। थोड़ी दूर पर पैर की हड्डी मिली। पुलिस पहुंची तो परिजनों से हंगामा कर दिया। उन्होंने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने से इनकार कर दिया। कहा-जब तक तेंदुए की लोकेशन ट्रैक कर उसे पिंजरे में कैद नहीं किया जाता, वे किसी को भी शव को हाथ नहीं लगाने देंगे। इस बीच, धौरहरा से भाजपा विधायक विनोद शंकर अवस्थी पहुंच गए। उन्होंने अफसरों की क्लास लगा दी।

कहा- इस मौत का हिसाब कौन देगा। पकड़ने को कहते हैं तो बोला जाता है कि लखनऊ से परमिशन ले रहे हैं। जब तक तेंदुआ पकड़ा नहीं जाता, यहां से कोई भी अधिकारी-कर्मचारी नहीं हिलेगा। घटना जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर धौरहरा थाना के दोंदरा पंडितपुरवा गांव की है।

विधानसभा चुनाव लड़ेंगी लोक गायिका मैथिली ठाकुर?

बीजेपी नेता विनोद तावड़े से मिलीं

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार को लोकप्रिय गायिका मैथिली ठाकुर को लेकर चर्चा है कि वे 2025 का विधानसभा चुनाव लड़ सकती हैं। यह चर्चा इसलिए हो रही है, क्योंकि उन्होंने बीजेपी के नेताओं से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान उनके पिता भी साथ में थे। विनोद तावड़े और नित्यानंद राय के साथ जब से उनकी तस्वीर सामने आई है चुनाव लड़ने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

दरअसल, विनोद तावड़े ने बीते रविवार को अपने एक्स हैंडल से तस्वीरें शेयर कर लिखा कि वर्ष 1995 में बिहार में लालू राज आने पर जो परिवार बिहार छोड़कर चले गए, उस परिवार की बिटिया सुप्रसिद्ध गायिका मैथिली ठाकुर जी बदलते बिहार की रफ्तार को देखकर फिर से बिहार आना चाहती हैं। आज गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय जी और मैंने उनसे आग्रह किया कि बिहार की जनता के लिए और बिहार के विकास के लिए उनका योगदान बिहार का सामान्य आदमी अपेक्षित करता है और वे उनकी अपेक्षाओं को पूरा करें। बिहार की बिटिया मैथिली ठाकुर जी को अनंत शुभकामनाएं!

मैथिली ठाकुर ने क्या कहा?

विनोद तावड़े के इस पोस्ट से संकेत मिल रहा है कि मैथिली चुनाव लड़ सकती हैं। मैथिली ठाकुर ने भी एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है, जो लोग बिहार के लिए बड़े सपने देखते हैं, उनके साथ हर बातचीत मुझे दूर दृष्टि और सेवा की शक्ति की याद दिलाती है। हृदय से सम्मानित और आभारी हूं, श्री नित्यानंद राय जी एवं श्री विनोद श्रीधर तावड़े जी।

रायबरेली मॉब लिंचिंग : अजय राय बोले-यहां जंगलराज

राहुल गांधी ने पिता से बात की, पत्नी ने कहा-हत्यारों को सजा मिले

रायबरेली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायबरेली में मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक के परिजनों से राहुल गांधी ने रविवार देर रात फोन पर बात की। युवक के भाई ने दैनिक भास्कर को बताया कि राहुल ने उनसे कहा- परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है। उन्होंने मेरे पिता से उनकी तबीयत के बारे में भी पूछा।

3 अक्टूबर को हरिओम पासवान की हत्या हुई थी। शुरू में कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं। इसके बाद युवक को बेरहमी से पीटा गया। पुलिस ने इस मामले में अब तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने ऊंचाहार कोतवाल संजय कुमार का ट्रांसफर कर दिया, जबकि 3 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है।

सगाई समारोह बना संघर्ष का मैदान : नहीं मिली मटन बिरयानी और मछली फ्राई, जुड़ने से पहले ही टूटा रिश्ता

हापुड़, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के हापुड़ स्थित थाना देहात क्षेत्र के गांव गोंदी में आयोजित एक सगाई समारोह में मटन बिरयानी व मछली फ्राई न मिलने पर लड़की व लड़के पक्ष में कहासुनी के बाद विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि जुड़ने से पहले ही दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से रिश्ता तोड़ दिया।

विवाद होने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दोनों पक्षों के लोगों को शांत कराया। रविवार को देर रात दोनों पक्षों में समझौता भी हो गया था। जबकि 17 अक्तूबर को गांव अठसैनी से गांव गोंदी बरात आनी थी। लड़की पक्ष के अनुसार 17 अक्तूबर को उनकी पुत्री की बरात गांव अठसैनी से गांव गोंदी आनी थी। रविवार की शाम को लाल खत व सगाई का कार्यक्रम था। गांव अठसैनी निवासी लड़का पक्ष अपने साथ करीब 40 लोगों को लेकर उनके गांव गोंदी में आयोजित सगाई समारोह में आए थे।

पटना वासियों को मिल गई मेट्रो ट्रेन की सौगात

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटनावासियों के लिए आज बड़ा दिन है। कई साल का इंतजार खत्म हो गया रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सुबह पौने 12 बजे पटना मेट्रो के पहले फेज की सेवा का शुभारंभ कर दिया।

पाटलिपुत्र बस टर्मिनल डिपो के पास बने मेट्रो स्टेशन से वह भूतनाथ से न्यू आईएसबीटी तक पहले फेज की मेट्रो के परिचालन का शुभारंभ किया। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (पीएमआरएल) ने परिचालन की अंतिम तैयारी पूरी कर ली है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कॉरिडोर वन के तहत पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और 9.35 किलोमीटर लंबी सुरंग की आधारशिला भी रखेंगे। मेट्रो के कोच को मधुबनी पेंटिंग से खास तौर पर सजाया गया है, जो बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है।

काशी में सीएम योगी : सफाईमित्रों पर की पुष्पवर्षा बोले-जल्द ही अकाउंट में आएंगे 16 से 20 हजार रुपये

वाराणसी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऑर्डर जारी होने वाला है, कुछ ही दिनों के अंदर स्वच्छता कर्मियों के अकाउंट में सीधे 16 से 20 हजार रुपये जाएंगे। कोई उनका शोषण नहीं कर पाएगा। सारी तैयारियां चल रही हैं, पोर्टल तैयार हो रहे हैं। स्वच्छता कर्मियों व स्वच्छता मित्रों को पांच लाख रुपये के आयुष्मान भारत के कार्ड की स्वास्थ्य सुविधा भी उपलब्ध कराने जा रहे हैं। जो सबके स्वास्थ्य की रक्षा करता है, हमारी कोशिश है कि उसके लिए भी सरकार के स्तर पर प्रयास हो। सीएम योगी सोमवार को सरोजा पैलेस, पिपलानी कटरा में स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत उत्कृष्ट योगदान करने वाले स्वच्छता मित्रों का सम्मान और स्वच्छता किट का वितरण किया। सीएम ने सफाईमित्रों पर पुष्पवर्षा भी की। एक बच्ची ने सीएम के साथ फोटो भी खिंचवाई।

वाल्मीकि जयंती पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

इस दौरान सीएम ने कहा कि सात अक्टूबर को वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। भगवान वाल्मीकि भारत की ऋषि परंपरा, सनातन धर्म के भाग्य विधाता हैं। वे हम सभी के रोम-रोम और श्वांस-श्वांस में भगवान राम का वास कराने वाले त्रिकालदर्शी ऋषि भी हैं। महर्षि वाल्मीकि दुनिया के पहले सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य को रचने वाले आदिकवि भी हैं।

'जनता कहती है चुनाव के समय दिखाई देते हैं'

सीएम योगी ने कहा कि 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा चला। इस दौरान भाजपा ने अखिल भारतीय स्तर पर अनेक कार्यक्रम किए। इस श्रृंखला में तीन महीने पहले से 75 दिन के इस अभियान को लेकर डॉ. नीलकंठ तिवारी ने इसे प्रारंभ किया और एक-एक मोहल्ले में जाकर स्वच्छता के बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। सभी जनप्रतिनिधि इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

सीएम ने कहा कि जनता से अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती है कि चुनाव आ गया तो दिखाई दे रहे हैं। बहुत लोग चुनाव के समय दिखाई देते हैं तो पूर्वी उत्तर प्रदेश में जनता कहती है-आ गइल, लेकिन जहां जनप्रतिनिधि थोड़े भी जागरूक हैं। मौके पर जाकर जनता की सुनवाई करते हैं तो समस्या वहीं समाधान का रास्ता निकाल लेती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में सबके सामने कठिनाई आती है, लेकिन जब हम समाधान की चर्चा करते हैं तो इसका रास्ता निकलता है।

दवा कंपनी का सच तलाशने तमिलनाडु जाएगा विशेष जांच दल

> 16 बच्चों की मौत, लगातार बढ़ रहा आंकड़ा

भोपाल\छिंदवाड़ा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में कफ सिरप 'कोल्ड्रिफ़' पीने से 16 बच्चों की मौत के मामले की जांच अब एसआईटी करेगी। पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए 12 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। मामले में डॉ. प्रवीन सोनी को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि प्रवीण ने ही ज्यादातर बच्चों को ये कफ सिरप लिखा था। साथ ही कफ सिरप बनाने वाली कंपनी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु से शुरू होगी जांच

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एसडीओपी जितेंद्र सिंह जाट के नेतृत्व में बनी एसआईटी तमिलनाडु जाएगी और दवा कंपनी के कामकाज की जांच करेगी। मामले की सच्चाई तक जाने के लिए शव पोस्टमार्टम भी किया जाएगा। इसके लिए इस अंतिम पीड़िता दो वर्षीय योगिता ठाकरे के शव को कब्र से बाहर निकाला गया है। अब हुई 16 मौतों में ये पहला पोस्टमार्टम होने जा रहा है।

इलाज जारी, स्थिति गंभीर

छिंदवाड़ा कलेक्टर ने बताया कि 8 बच्चे अभी नागपुर में इलाजरत हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं, बैतूल जिले में भी 2 बच्चों की मौत कोल्ड्रिफ सिरप से होने का संदेह जताया गया है।

सिरप में 46.2% मिला डायएथिलीन ग्लाइकॉल

कप सिरप की जांच रिपोर्ट शनिवार रात को सामने आई थी। जांच में पता चला कि इस सिरप में खतरनाक जहरीला रसायन मौजूद है। तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की लैब की जांच में कोल्ड्रिफ सिरप में 46.2% डायएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया।

बेहद खरतनाक है ये डायएथिलीन ग्लाइकॉल

डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) ऐसा जहरीला रसायन जो आमतौर पर एंटी-फ्रीज और ब्रेक फ्लूइड में इस्तेमाल होता है। ये मानव शरीर में पहुंचते ही किडनी को पूरी तरह तबाह कर देता है। मध्यप्रदेश सरकार ने तत्काल प्रभाव से कोल्ड्रिफ सिरप और कंपनी की सभी दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 6 राज्यों में दवा फैक्ट्रियों की गहन छानबीन शुरू कर दी है।

परिजनों को मुआवजा

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों के परिवारों को मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा घोषित 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता ट्रांसफर कर दी गई है। डॉ. प्रवीण सोनी की गिरफ्तारी के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। वहीं, कांग्रेस ने भी सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए फव्वारा चौक पर धरना-प्रदर्शन का एलान किया है। पुलिस ने डॉक्टर और कंपनी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 276 (दवा में मिलावट) और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट की धारा 27ए के तहत केस दर्ज किया है। दोष सिद्ध होने पर इसमें 10 साल से उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है।

भारत में सभी को समान अधिकार

'आई लव मोहम्मद' जैसे अभियान देश को बांटने की साजिश : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने 'आई लव मोहम्मद' अभियान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान देश में विभाजन और अराजकता फैलाने की साजिश का हिस्सा हो सकते हैं। किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि भारत एकजुट राष्ट्र है और मोदी सरकार के नेतृत्व में सभी समुदायों के बीच समानता और भाईचारा सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने आईएएनएस से कहा, मैं अल्पसंख्यक मामलों का मंत्री हूं। हमारे देश में अल्पसंख्यक हो या बहुसंख्यक, सभी को संविधान के तहत समान अधिकार प्राप्त हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर काम करते हैं। मैं हर समुदाय से मिलता हूं, उनकी समस्याएं सुनता हूं और उनके समाधान के लिए प्रयास करता हूं। 'आई लव मोहम्मद' जैसे अभियानों का उद्देश्य समाज में तनाव पैदा करना हो सकता है।

उन्होंने आगे कहा, कुछ लोग पर्दे के पीछे से ऐसी साजिश रच रहे हैं, लेकिन भारत सरकार धर्म या जाति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करती। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, सभी समुदाय यहां सुरक्षित हैं। हमें गर्व है कि हम भारत के नागरिक हैं। उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विदेशों में दिए गए बयानों पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। किरेन रिजिजू ने कहा, जब राहुल गांधी विदेशों में जाकर भारतीय लोकतंत्र और भारत की व्यवस्था के खिलाफ बोलते हैं, तो यह चिंता का विषय है। वह लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। उनके बयान कि भारत वैश्विक नेतृत्व करने में सक्षम नहीं है, दुनिया में गलत संदेश देते हैं। यह धारणा बनती है कि भारत में राहुल गांधी जैसे लोग हैं, जबकि सच्चाई यह है कि उनके जैसे विचार रखने वाले लोग देश में बहुत कम हैं। उनके बयान आपत्तिजनक हैं और उन्हें सोच-समझकर बोलना चाहिए।

मुख्यमंत्री बदले जाने की खबरों पर गृह मंत्री की दो टूक, कहा-सिद्धारमैया ही रहेंगे सीएम

बंगलूरू, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को साफ कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया खुद यह साफ कर चुके हैं कि वे पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। परमेश्वर ने कहा, 'सरकार या कांग्रेस पार्टी के अंदर कोई भ्रम नहीं है। मुख्यमंत्री ने खुद कहा है कि वे पांच साल तक पद पर रहेंगे। जब उन्होंने खुद जिम्मेदारी के साथ यह बात कही है, तो मामला वहीं खत्म हो जाता है।'

'बात को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने की जरूरत नहीं'

उन्होंने मीडिया पर हल्के अंदाज में तंज करते हुए कहा कि अगर मीडिया इस मुद्दे पर चुप रहे, तो 'सब कुछ ठीक रहेगा।' उन्होंने कहा, 'कुछ लोग अपनी राय रख सकते हैं या कुछ बयान दे सकते हैं, लेकिन बात को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने की जरूरत नहीं है। मीडिया इस पर ध्यान देता है, इसलिए मामला बड़ा दिखता है।' पिछले कुछ समय से कर्नाटक की राजनीति में यह चर्चा गर्म थी कि मुख्यमंत्री पद पर बदलाव हो सकता है। कहा जा रहा था कि कांग्रेस ने सत्ता संभालते समय एक 'पावर-शेयरिंग फॉर्मूला' बनाया था, जिसके तहत 2.5 साल बाद डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी इस समझौते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की। इसके बावजूद, पार्टी के कुछ नेताओं के बयानों से यह अटकलें और तेज हो गईं। पिछले हफ्ते, कांग्रेस विधायक एचडी रंगनाथ और पूर्व सांसद एलआर शिवरामे गौड़ा ने फिर कहा था कि नवंबर में डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

सिद्धारमैया का दो टूक बयान

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इन अटकलों पर हाल ही में प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वे 'पूरा पांच साल कार्यकाल पूरा करेंगे।' उन्होंने कहा था कि उनका यह दूसरा कार्यकाल है और अब तक उन्होंने 2.5 साल पूरे किए हैं। आगे के 2.5 साल भी वे ही मुख्यमंत्री रहेंगे। बता दें कि मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को भारी जीत मिली थी। उस समय मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और डी. के. शिवकुमार के बीच कड़ा मुकाबला था।

आईएनएस आन्द्रोत भारतीय नौसेना में शामिल हुआ

उथले पानी में दुश्मन के सबमरीन अटैक रोकेगा; इसके निर्माण में उपयोग 80% सामान भारतीय

विशाखापट्टनम, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना सोमवार को अपने दूसरे एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) आईएनएस आन्द्रोत को फ्लीट में शामिल किया। यह समारोह विशाखापट्टनम नौसैनिक डॉकयार्ड में होगा। इसकी अध्यक्षता वाइस एडमिरल राजेश पेंढरकर, ईस्टर्न नेवल कमांड के चीफ करेंगे।

आईएनएस आन्द्रोत का निर्माण भारतीय शिपयार्ड कंपनी कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने किया है। इसमें निर्माण में 80% से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इस जहाज से नौसेना की पनडुब्बी हमला रोकने की क्षमता मजबूत होगी। सबसे ज्यादा फायदा तटीय इलाकों में होगा, क्योंकि इसे कम पानी में एक्शन लेने के लिए डिजाइन किया गया है। आन्द्रोत नाम लक्षद्वीप के सबसे बड़े द्वीप 'आन्द्रोत' से लिया गया है। यह द्वीप अपनी खूबसूरती और सांस्कृतिक महत्व के लिए भी जाना जाता है।

बीते कुछ समय में नौसेना ने कई एडवांस जहाज अपनी फ्लीट में शामिल किए हैं। इनमें अर्नाला, निस्तार, उदयगिरि, नीलगिरि शामिल हैं। ये सभी जहाज देश की 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना को दर्शाते हैं, जिनमें ज्यादातर चीजें, डिजाइन और तकनीक भारत में ही बनाई गई हैं।

एनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि नेवी में शामिल

INS हिमगिरी

हथियार: ब्रह्मोस मिसाइल, लॉन्ग रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल (LRSAM), बराक-8 मिसाइल, लाइटवेट टॉरपीडो, रॉकेट लांचर, 127mm की मेन गन, AK-630 रैपिड-फायर गन, एंटी सबमरीन मिसाइल

इंजन: डीजल और गैस का कंबाइंड इंडियन CODOG (फुल फ्यूल में 10,000 km रेंज)

टेक्नोलॉजी: इंटीग्रेटेड स्टील्थ डिजाइन, जो रडार पर कम दिखाई देता है

26 अगस्त को इंडियन नेवी को दो नए युद्धपोत आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि मिले थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कमीशनिंग सेरेमनी में कहा था कि नौसेना ने स्वदेशी एएफ-35 युद्धपोत कमीशन किया है। एक देश के पास उड़ने वाला एएफ-35 है। ये पूरी तरह से भारत में बना है। दोनों युद्धपोत इस तरह डिजाइन किए गए हैं कि ये दुश्मन के रडार, इंफ्रारेड और वॉयस सेंसर से बचे रहेंगे। इनकी तैनाती इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में होगी। दोनों युद्धपोत ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल और सतह से हवा में मार करने वाली बराक-8 मिसाइल से लैस हैं। इनमें 76एमएम नौसैनिक बंदूकें और पानी के अंदर चलने वाला टारपीडो विस्फोटक हथियार भी हैं।

'अम्फान से कुछ नहीं सीखा' बंगाल भाजपा के नेताओं ने सीएम ममता बनर्जी पर साधा निशाना

कोलकाता, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों में लगातार हो रही बारिश से भूस्खलन की घटनाओं ने तबाही मचा दी है। इस आपदा में 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग लापता हैं, कई सड़कें बंद हैं और कई घर बह गए हैं। इस आपदा के बीच राजनीति भी तेज हो गई है।

भाजपा का आरोप- ममता ने संकट के वक्त चुना जश्न

राज्य भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब उत्तर बंगाल के लोग भूस्खलन और बाढ़ की मार झेल रहे हैं, तब मुख्यमंत्री दुर्गा पूजा कार्निवल में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'यह उत्सव का समय नहीं है, मुख्यमंत्री को आज कार्निवल छोड़कर उत्तर बंगाल के लोगों के बीच होना चाहिए था। लेकिन अगर कोई इस सरकार से संवेदनशीलता की उम्मीद करता है, तो वह मूर्ख है।'

अम्फान की यादें ताजा

समित भट्टाचार्य ने याद दिलाया कि साल 2020 में आए अम्फान चक्रवात ने बंगाल में 1 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया था, लेकिन तब भी राज्य सरकार ने कोई ठोस सुधार नहीं किए। आज भी वही नाकामी दिख रही है। समिक भट्टाचार्य ने ममता सरकार को 'निकम्मी' करार देते हुए कहा कि यह सरकार अम्फान चक्रवात से भी कोई सबक नहीं ले पाई। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कोई प्रभावी आपदा प्रबंधन टीम नहीं है।

केंद्र की निगरानी में राहत कार्य

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि उत्तर बंगाल में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तैनात है और गृह मंत्री व प्रधानमंत्री लगातार हालात की जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'एनडीआरएफ राहत कार्य में लगी है, केंद्र सरकार हर पल स्थिति पर नजर रखे हुए है, लेकिन राज्य सरकार की संवेदनशीलता गायब है।'

दिलीप घोष का आरोप-सरकार की लापरवाही से बढ़ी तबाही

वहीं भाजपा नेता दिलीप घोष ने भी राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा, 'वर्षों से नालों और नदियों की सफाई नहीं हुई। टीएमसी नेताओं ने जमीनों पर कब्जा कर उन्हें बेच दिया। अब पूरा उत्तर बंगाल डूबा हुआ है। यहां लोग बह रहे हैं और उधर कार्निवल हो रहा है। मुख्यमंत्री तो सिर्फ फोटो खिंचवाने जाती हैं।' उन्होंने कहा कि जब भी नुकसान होता है, राज्य सरकार केंद्र से पैसे की मांग करती है और फिर आंदोलन शुरू कर देती है कि केंद्र ने मदद नहीं दी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ता राहत कार्य में लगे हैं, लेकिन राज्य सरकार कहीं नजर नहीं आ रही।

'शिवसेना यूबीटी-मनसे का गठबंधन दिल और दिमाग से'

राज ठाकरे के एमवीए में शामिल होने पर बोले राउत

मुंबई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई और मनसे प्रमुख राज ठाकरे की रविवार को मुलाकात हुई। दोनों नेताओं की इस मुलाकात को लेकर सोमवार को शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि उनकी बातचीत राजनीतिक थी और निकाय चुनावों से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन दिल और दिमाग से होगा।

मीडिया से बात करते हुए, संजय राउत ने कहा कि ठाकरे भाइयों के बीच व्यक्तिगत और राजनीतिक संबंध मजबूत हो गए हैं, और भले ही कोई उन्हें तोड़ने की बहुत कोशिश करे, लेकिन अब बातचीत बहुत आगे बढ़ गई है।

उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि 'यह गठबंधन 'दिल' और 'दिमाग' से बनेगा। यह कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं है। यह तन-मन-धन से बना गठबंधन है। मुंबई का मेयर असली भगवा रंग वाला एक मराठी होगा। वह दिल्ली के आगे झुकने वाला व्यक्ति नहीं होगा।' रविवार को राज ठाकरे, शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत के पोते के नामकरण समारोह में शामिल हुए। इसके बाद राज ठाकरे उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री गए, जहां राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की मुलाकात हुई।

5 जुलाई के बाद से दोनों नेताओं की यह पांचवीं मुलाकात रही। यह पूछे जाने पर कि क्या महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन का हिस्सा बनेगी? इस पर राउत ने कहा कि इस सवाल का जवाब केवल राज ठाकरे ही दे सकते हैं। उन्होंने कहा, 'एमवीए का गठन तीन प्रमुख दलों से मिलकर हुआ था। मनसे एक स्वतंत्र पार्टी है। शिवसेना (यूबीटी) और मनसे (नगरीय निकाय चुनावों के लिए) के बीच चर्चा है। उन्होंने बताया कि एमवीए का गठन राज्य विधानसभा के लिए किया गया था और पार्टी नगरीय निकाय चुनावों के लिए एक नया फॉर्मूला लेकर आएगी।

7.4 करोड़ लोग चुनेंगे नई सरकार

पांच साल में महिलाओं के मुकाबले तीन गुना बढ़े पुरुष मतदाता

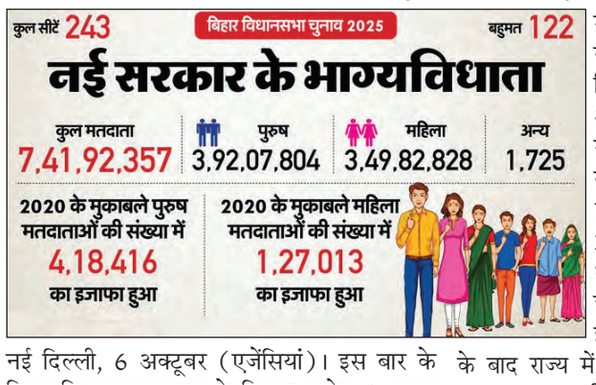

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस बार के बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 7 करोड़ 41 लाख मतदाता वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। यह आकड़े आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद जारी किए गए थे। एसआईआर के बाद राज्य में मतदाताओं की संख्या में करीब 41 लाख की कमी आई है। वहीं, 2020 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार पांच लाख से ज्यादा नए मतदाता वोट डालेंगे।

एसआईआर के बाद कितनी बदली मतदाता सूची?

आगमी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार में चुनाव आयोग के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर करवाया गया। इसमें नए सिरे से बिहार में मतदाताओं की गणना की गई। यह प्रक्रिया जून से शुरू हुई थी जिसकी अंतिम सूची 30 सितंबर को आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई। 30 सितंबर 2025 को आई इस सूची के अनुसार बिहार में कुल 7,41,92,357 मतदाता पंजीकृत है। 2020 में यह आकड़ा 7,36,47,660 था। यानी, 2020 के मुकाबले इस बार चुनाव में 5,44,697 मतदाताओं का इजाफा हुआ है। हालांकि, एसआईआर के बाद राज्य में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में 47,77,487 कमी आई है।

2025 के विधानसभा चुनाव में 3,92,07,804 पुरुष मतदाता वोट डालने के लिए पात्र हैं। 2020 में यह आंकड़ा 3,87,89,388 था। पिछले चुनाव के मुकाबले पुरुष मतदाताओं की संख्या में 4,18,416 का इजाफा हुआ है। महिला मातदाताओं की बात करें तो इस बार के चुनाव में कुल 3,49,82,828 महिला मतदाता वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। 2020 में इनकी संख्या 3,48,55,815 थी। पांच साल में महिला मतदाताओं की संख्या में 1,27,013 का इजाफा हुआ है। इसके अलावा इस चुनाव में 1,725 अन्य मतदाता भी वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं।

टीकों ने बचाई 1.7 करोड़ जिंदगियां, पर भरोसे की जंग अब भी जारी

> भारत में मिशन इंद्रधनुष की सफलता

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीकों ने दुनियाभर में करोड़ों जिंदगियां बचाई हैं लेकिन इस पर भरोसे की जंग अब भी जारी है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2019 से अब तक पूरी दुनिया में लगभग 1.70 करोड़ लोगों की मौत टीकाकरण अभियानों की वजह से टल गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जारी रिपोर्ट में कहा गया कि कोरोना टीकाकरण और मिशन इंद्रधनुष के जरिए भारत काफी मजबूत स्थिति में खड़ा है।

डब्ल्यूएचओ की टीका सलाहकार समिति (एसएजीई) की ओर से किए गए मूल्यांकन में बताया कि टीकाकरण से न सिर्फ बच्चों की मृत्यु दर घटी है, बल्कि महामारी के बाद स्वास्थ्य तंत्रों की मजबूती में भी बड़ी भूमिका निभाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने कोविड-19 के बाद अपने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम यूआईपी को तेजी से आगे बढ़ाया है। देश के अधिकांश राज्यों में टीकाकरण कवरेज अब पूर्व कोविड स्तर से भी ऊपर है। इसके अलावा मिशन इन्द्रधनुष जैसे अभियानों ने गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

डब्ल्यूएचओ की टीकाकरण निदेशक डॉ. केट ओ ब्रायन ने कहा कि टीकों के प्रति अविश्वास और गलत सूचना अब वैश्विक चिंता बन चुके हैं। भारत के कुछ इलाकों में धार्मिक और सामाजिक भ्रांतियों के कारण टीकाकरण दर में गिरावट देखी गई। उन्होंने कहा कि अधिकांश माता-पिता टीकों पर भरोसा करते हैं लेकिन सोशल मीडिया पर फैलती गलत जानकारी स्वास्थ्य अभियानों के लिए बाधा बनती जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, कई मध्यम आय वाले देशों को बजटीय कमी का सामना करना पड़ रहा है। भारत के कुछ राज्यों में भी स्वास्थ्य बजट का दबाव, कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन की कमी जैसी चुनौतियां मौजूद हैं।

मलेरिया और पोलियो पर नई सिफारिशें

रिपोर्ट में डब्ल्यूएचओ की समिति ने कहा है कि मलेरिया टीका की चार खुराक अधिक प्रभावी हैं। यह सिफारिश अफ्रीकी देशों में हुए अध्ययनों के आधार पर की गई है। हालांकि भारत जैसे मलेरिया-प्रभावित देशों के लिए भी प्रासंगिक है। इसके अलावा पोलियो उन्मूलन के लिए डब्ल्यूएचओ ने पोलियो का टीका और आंशिक खुराक दोनों का संयोजन जारी रखने की सलाह दी है। भारत, जो पहले ही पोलियो-मुक्त है, अब इन उपायों को निगरानी और रोकथाम की दिशा में लागू कर रहा है।

भारत की प्रगति वैश्विक मान्यता का प्रमाण

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि भारत में टीकाकरण को लेकर सरकार की नीति हर नागरिक तक पहुंच, हर परिवार को सुरक्षा पर केंद्रित है। मंत्रालय ने कहा है कि भारत का टीकाकरण नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े और मजबूत नेटवर्क में से एक है। मिशन इन्द्रधनुष, आरोग्य मंदिर और मोबाइल टीकाकरण टीमों के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी भी नागरिक तक पहुंच में कमी न रहे। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में भारत की प्रगति वैश्विक मान्यता का प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार आने वाले महीनों में टीका-भ्रम से निपटने के लिए एक नया अभियान शुरू करने की तैयारी कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 7 अक्टूबर- 2025

मासूमों की मौत के बाद एक्शन

बीते कुछ सालों में भारत ने दवाओं के निर्माण में जिस तरह से उन्नति की है वह दुनिया के लिए एक उदाहरण है। आज दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर अपनी बादशाहत बनाए हुए है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं। सबसे खास बात तो यह है कि सबसे ज्यादा जेनेरिक दवाएं अपने देश में ही बनती हैं। इन उपलब्धियों पर पानी तब फिर गया जब राजस्थान और मध्य प्रदेश में कांचीपुरम में बने कफ सिरप की वजह से दुधमुंहे बच्चे मौत का शिकार हो गए। जाहिर है कि इस फील्ड में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत तय की गई है, उसमें भारी कोताही बरती गई है। लगभग बीस बच्चों की मौत के बाद तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप के नमूने जब जांचे गए, तो उसमें 48.6% डाई एथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10% से अधिक होना खतरनाक हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों के लिए होता है। इसकी अधिक मात्रा की वजह से पीड़ित बच्चों की किडनी फेल हो गई। घटना सामने आने के बाद राज्य व केंद्र सरकारें तेजी से कार्रवाई कर रही हैं। घातक दवाएं वापस ली गई हैं, केस दर्ज हुआ है और नेशनल रेगुलेटर अथॉरिटी सीडीएससीओ ने कई राज्यों में जांच शुरू कर दी है। ऐसे में सवाल तो बनता है कि पिछली गलतियों से क्या सबक सीखा गया? भारत में बने कफ सिरप पहले भी सवालों के घेरे में आ चुके हैं। 2022 में गाम्बिया में कई बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने एक भारतीय कंपनी के कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके बाद भी कई और जगहों से इसी तरह की शिकायत आई। फिर भी उन चेतावनियों का असर अपने यहां के दवा उद्योग पर पड़ता दिखाई नहीं दिया। भारत के फार्मास्युटिकल मार्केट का आकार इतना बड़ा है कि इस पर हाथ डालना किसी भी सरकार व अधिकारी की सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता। इस दवा उद्योग का कामकाज लगभग 60 अरब डॉलर का है। इसका भी बड़ा हिस्सा छोटी कंपनियों के पास है। सीडीएससीओ ने इस साल अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ज्यादातर छोटी और मझोली कंपनियों की दवाएं जांच में तयशुदा मानक से कमतर पाई गईं। इस जांच में 68% एमएसएमई फेल हो गई थीं। इससे पहले, जब केंद्रीय एजेंसी ने 2023 में जांच की, तब भी 65 फीसद कंपनियों की दवाएं सब-स्टैंडर्ड मिली थीं। सरकार को तो इस बात की खुशी है कि इस साल देश का दवा निर्यात 30 अरब डॉलर को पार पहुंच जाएगा। वहीं, 2030 तक फार्मा मार्केट के 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। लेकिन, इसके साथ कैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं, उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। दवाओं की जांच और निगरानी अभी तक की सबसे कमजोर कड़ी है। रिसोर्स और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी किसी से छुपी नहीं है। केंद्रीय और राज्य की नियामक एजेंसियों को ज्यादा बेहतर तालमेल के साथ और ज्यादा तेजी से काम करने की जरूरत महसूस की जाती रही है, क्योंकि यह मामला केवल इकॉनमी या देश की छवि ही नहीं, अनमोल जिंदगियों से जुड़ा है। बहरहाल, बीस मासूमों की मौत से क्या सबक सीखा और इसका कितना असर होगा? यह तो भविष्य ही बताएगा।

तालिबान के विदेश मंत्री का भारत दौरा नए अध्याय के शुरुआत

अशोक भाटिया

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के तकरीबन 4 साल बाद, अब भारत और तालिबान के बीच औपचारिक संवाद का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी आगामी 9 अक्टूबर को पहली बार भारत का दौरा करने आ रहे हैं। यह दौरा केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि दक्षिण एशिया की जियो-पॉलिटिकल तस्वीर में एक बड़े बदलाव का बड़ा संकेत भी देता है। तालिबान और भारतीय अधिकारियों के बीच अब तक मुख्य रूप से दुबई और काबुल में बैठकें आयोजित की जा रही हैं। लेकिन यह पहली बार होगा जब तालिबान का शीर्ष नेतृत्व सीधे भारत आएगा। इस कदम के ज़रिये यह स्पष्ट रूप से संदेश जाता है कि अफगानिस्तान अब पाकिस्तान की छाया से बाहर निकलकर भारत के करीब आ रहा है।

15 अगस्त 2021 को जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था तो भारतीय अधिकारी काबुल स्थिति दूतावास बंदकर दिल्ली लौट आए थे। उस वक्त माना गया कि अफगानिस्तान का दरवाजा अब दिल्ली के लिए हमेशा के लिए बंद हो गया है। लेकिन आज करीब चार सालों के बाद तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत आ रहे हैं। ऐसा शायद ही किसी ने सोचा होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मुत्ताकी के दिल्ली दौरे को मंजूरी दे दी है और वो 16 अक्टूबर से पहले भारत आ सकते हैं तालिबान और भारतीय अधिकारियों के बीच अभी तक दुबई और काबुल में मुलाकात होती रही है और ये पहली बार होगा, जब तालिबान के शीर्ष नेतृत्व का कोई अधिकारी भारत आ रहा हो। इसीलिए आमिर खान मुत्ताकी का दिल्ली दौरा सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है।

इस साल की शुरुआत में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुत्ताकी से टेलीफोन पर बात की थी और इस साल जून में, भारत ने हैदराबाद स्थित अफगान वाणिज्य दूतावास का नियंत्रण तालिबान की तरफ से नियुक्त किए गये मोहम्मद रहमान को वाणिज्य दूतावास प्रतिनिधि के रूप में सौंप दिया था।

अफगानिस्तान में आने वाले हर आपदा के समय भारत प्रतिक्रिया देने वाला पहला देश रहा है। हालिया भूकंप के समय भी भारत ने तत्काल राहत सहायता भेजी थी। इसके अलावा अफगान नागरिकों और भारतीय नागरिकों के बीच का रिश्ता भी काफी मजबूत है और ये एक बड़ी वजह है, जिसने तालिबान को भारत के साथ रिश्ता मजबूत करने को मजबूर किया है। नई दिल्ली ने करीब 50,000 टन गेहूं, 330 टन दवाइयां और अन्य खाद्य एवं आश्रय सामग्री अफगान जनता तक पहुंचाई है, जबकि सितंबर के भूकंप के तुरंत बाद राहत सामग्री भेजना भी भारत की अफगानिस्तान को लेकर तत्परता को दर्शाता है। भारत जानता है, कि अफगानिस्तान उसके लिए कितना महत्वपूर्ण है, खासकर उस वक्त जब तालिबान और पाकिस्तान बार बार युद्ध के मुहाने पर खड़े हो रहे हैं। तालिबान और पाकिस्तान के बीच का रिश्ता चीन की मध्यस्थता के बावजूद निम्नतम स्तर पर है।

जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट और मिडिल ईस्ट के जर्नलिस्ट उमर वज़ीरी ने लिखा है कि पाकिस्तान के साथ तालिबान के रिश्ते खराब होने के पीछे कई वजहें हैं। दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान को अपना प्रॉक्सी माना और उन्हें आश्रय, हथियार और वित्तीय सहायता दी। लेकिन पाकिस्तान ने इसके साथ ही अफगानिस्तान को अपना पांचवां राज्य भी मानना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने अफगानों को अपना गुलाम मानना शुरू कर दिया और पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान की विदेश नीति इस्लामाबाद से तय हो। जिसे मानने से तालिबान ने साफ इनकार कर दिया। इसके बाद दिसंबर 2024 में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में भीषण हवाई हमला करते हुए दर्जनों अफगानों को मार डाला और पाकिस्तान में रहने वाले लाखों अफगानों को देश से बाहर कर दिया। तालिबान ने अफगान शरणार्थियों को बाहर निकाले की घटना को पाकिस्तान का विश्वासघात माना है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा, जिसे डूरंड लाइन कहा जाता है, उसपर भी पाकिस्तान और तालिबान के बीच विवाद है। तालिबान ने डूरंड लाइन पर पाकिस्तान की तरफ से लगाए गये बाड़ को उखाड़ फेंका है।

तालिबान, भारत को लेकर अफगानों के दिल में प्यार को महसूस कर रहा है। इसके अलावा तालिबान, पाकिस्तान की हरकतों से परेशान रहा है। तालिबान भी अफगानिस्तान में विकास चाहता है और वो चाहता है कि भारत, अफगानिस्तान में चलाए जा रहे अपने डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करे। इसीलिए तालिबान ने कई दफे भारत को अपना सहयोगी कहकर संबोधित किया है। तालिबान ने पहलगाम आतंकी हमले की ना सिर्फ आलोचना की थी, बल्कि भारत के 'जवाब देने के अधिकार' का भी समर्थन किया था। भारत ने अफगानिस्तान में 2000 के दशक से संसद भवन, सड़कें, बांध और स्कूल बनाने जैसे विकास कार्यों में योगदान दिया है। साथ ही, चाबहार पोर्ट के माध्यम से पाकिस्तान के बंदरगाह कनेक्शन को बायपास कर अफगानिस्तान को समुद्री मार्ग उपलब्ध कराना भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। भारत ने तालिबान के साथ औपचारिक मान्यता दिए बिना बातचीत कर संतुलन बनाए रखा है। उमर वज़ीरी ने कहा है कि तालिबान का भारत को लेकर सकारात्मक नजरिया न सिर्फ पाकिस्तान के लिए चेतावनी है, बल्कि दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में बहुत बड़े बदलाव का संकेत भी देता है। पाकिस्तान की नीतियों, अफगानिस्तान में हवाई हमले, अफगान शरणार्थियों को बेइज्जत कर बाहर निकालना, सीमा विवाद ने पाकिस्तान को लेकर तालिबान के विश्वास को खत्म कर दिया है। जबकि भारत की दीर्घकालिक मदद, व्यापारिक विकल्प और सम्मानजनक संवाद तालिबान को पाकिस्तान की पकड़ से आजाद कर रहे हैं। मुत्ताकी की नई दिल्ली यात्रा इस बदलाव का प्रतीक बन गई है, जिससे साफ संदेश जाता है कि अफगानिस्तान अब पाकिस्तान की छाया से बाहर निकल कर भारत की तरफ बढ़ रहा है।

वैसे भारत सरकार ने अभी तक अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी है, लेकिन वह दिन दूर नहीं राह गया जब तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी अगले सप्ताह भारत आएंगे।

चूंकि वे दुश्मन के दोस्त हैं, इसलिए ऐसी दोस्ती पर भारत को पुनर्विचार भी करना चाहिए। तालिबान ने चार साल पहले अगस्त 2021 में दूसरी बार अफगानिस्तान पर नियंत्रण किया था। जबकि तालिबान द्वारा पहली बार अफगानिस्तान में सरकार को उखाड़ फेंकने के समय भारत के अपदस्थ सरकार के साथ मजबूत संबंध थे और दूसरी बार भी, तालिबान पाकिस्तान के सक्रिय समर्थन से पैदा हुआ था और कश्मीर में आतंकवादियों के प्रति अपने सार्वजनिक भाईचारे के कारण शुरू से ही जिहादी संगठन के साथ मतभेद में रहा है। तालिबान को यह भी एहसास हो गया है कि वह अफगानिस्तान में पश्तूनों और अन्य संस्कृतियों का सफाया करके अपना खुद का निरंकुश शासन स्थापित करना चाहता है। इसलिए दूसरी बार सत्ता में आए, तालिबान शासक पाकिस्तान के पक्ष में बिल्कुल भी नहीं हैं । इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत कई वर्षों से अफगानिस्तान में कई क्षेत्रों जैसे बुनियादी ढांचे, दवा, खाद्य आपूर्ति आदि में शामिल और निवेश कर रहा है।यह सबसे मूल्यवान सॉफ्ट पावर है जो क्रिकेट से आती है।

बदलते समीकरणों के बीच बिहार की अनिश्चित सियासत

प्रिंस अभिषेक

बिहार की राजनीति हमेशा से देश की सबसे गतिशील, जटिल और अप्रत्याशित राजनीति रही है। यहाँ चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं बल्कि सामाजिक समीकरणों, जातीय संतुलन और राजनीतिक चालबाज़ियों का खेल भी होता है। त्योहारी माहौल में भी बिहार की जनता की चर्चा राजनीति से आगे नहीं बढ़ती, मानो राजनीति ही उनका सबसे बड़ा मनोरंजन हो। पिछले दो दशकों में बिहार की राजनीति का केंद्र बिंदु एक ही व्यक्ति रहे हैं नीतीश कुमार और इस दौर में एक कहावत ने जन्म लिया- "पावर वहीं झुकती है, जहाँ नीतीश झुकते हैं।"

दरअसल, बिहार की राजनीति का सबसे रोचक पहलू यही है कि नीतीश कुमार जब जिस खेमे में जाते हैं, वही सत्ता के करीब पहुँच जाता है। यही वजह है कि भाजपा, जो आमतौर पर अपने सहयोगियों को हाशिए पर डाल देती है, बिहार में नीतीश के आगे झुकने पर मजबूर होती रही है। यही स्थिति कभी लालू प्रसाद यादव की राष्ट्रीय जनता दल के साथ भी रही थी, जब वह नीतीश के नेतृत्व वाले जनता दल (यूनाइटेड) यानी जदयू के साथ गठबंधन में थे। बिहार में गठबंधनों की राजनीति हमेशा से सत्ता की कुंजी रही है, और इस कुंजी के सबसे चतुर खिलाड़ी हैं नीतीश कुमार।

नीतीश कुमार के राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उनके खिलाफ जो भी दल बोलता है, अंततः वही दल किसी न किसी समय उनके साथ हाथ मिला लेता है। 2017 में महागठबंधन से अलग होकर भाजपा के साथ गए नीतीश 2022 में फिर आरजेडी के साथ लौट आए। इसका कारण यही है कि बिहार में सत्ता प्राप्त करने का रास्ता नीतीश से होकर ही गुजरता है।

लेकिन वर्तमान में परिस्थितियाँ बदल रही हैं- जदयू के संगठनात्मक ढांचे में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है और नीतीश कुमार की लोकप्रियता अब उतनी अटूट नहीं रही जितनी पहले थी। नीतीश के राजनीतिक सफर की शुरुआत विकास और सुशासन के वादे से हुई थी। 2005 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने राज्य में कानून व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, शिक्षा और सड़क सुधार पर व्यापक काम किया। 2006 में शुरू किया गया "स्कूल चलो अभियान" और लड़कियों को साइकिल वितरण जैसी योजनाओं ने शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाया। 2005 में जहाँ केवल 1.8 लाख लड़कियाँ 10वीं की परीक्षा में शामिल हुई थीं, वहीं अब यह संख्या 15 लाख से अधिक हो चुकी है। उन्होंने महिलाओं को घर और पानी की सुविधा देने की भी कोशिश की, हालांकि यह योजना पूरी तरह सफल नहीं हो सकी। लेकिन इन पहलों ने उन्हें 'सुशासन बाबू' की पहचान दिलाई।

हालाँकि समय के साथ परिस्थितियाँ बदलीं। तीसरे और चौथे कार्यकाल में नीतीश कुमार के शासन पर विकास की गति धीमी पड़ी। पलायन, बेरोज़गारी और उद्योगों की कमी जैसी समस्याएँ फिर उभर आईं। अब नीतीश का प्रशासन अक्सर विकास की बजाय गठबंधन राजनीति में उलझा दिखता है। एक समय जिनके कामकाज को बिहार की जनता मिसाल के रूप में देखती थी, अब वही जनता उन्हें असमंजस और सत्ता-लोलुपता के प्रतीक के रूप में देखने लगी है।

इस बार नीतीश को कई मोर्चों से चुनौती मिल रही है। उनकी सेहत को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं और पार्टी के भीतर असंतोष भी बढ़ा है। जदयू का जनाधार धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है और आरजेडी या भाजपा में से किसी एक की सहायता के बिना उनके लिए सत्ता में बने रहना कठिन हो गया है। यही वजह है कि नीतीश सरकार ने हाल ही में महिलाओं को 10,000 की राशि सीधे खातों में ट्रांसफर की और अनेक रियायतें घोषित की, ताकि जनसमर्थन दोबारा हासिल किया जा सके। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन "दोलों" और रियायतों से जनता का रुझान वास्तव में बदलेगा? दूसरी ओर, तेजस्वी यादव का राजनीतिक प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा है।

पिछली विधानसभा चुनाव में महागठबंधन केवल 16,825 वोटों से हारा था, जो एक बेहद मामूली अंतर है। तेजस्वी की लोकप्रियता युवाओं और बेरोज़गारों के बीच काफ़ी बढ़ी है। उन्हें कांग्रेस और वामपंथी दलों का भी समर्थन प्राप्त है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान तेजस्वी को विपक्ष का चेहरा बनाने की कोशिश की गई, लेकिन पारिवारिक महत्वाकांक्षाएँ और सहयोगी दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति महागठबंधन के लिए चुनौती बन गई है। महागठबंधन की वर्तमान स्थिति थोड़ी जटिल है। सीट शेयरिंग को लेकर तकरार हमेशा की तरह जारी है, लेकिन अंततः सभी दल एक साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे, इसमें संदेह नहीं है।

वहीं, नए मतदाता आंकड़ों ने समीकरणों को और पेचीदा बना दिया है। हाल ही में चुनाव आयोग के आँकड़ों के अनुसार, 69 लाख पुराने मतदाता हटाए गए हैं और 21 लाख नए मतदाता जोड़े गए हैं। इसका मतलब है कि युवा और पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, जो किसी भी दल के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं।

इसी बीच, प्रशांत किशोर और उनकी जन सुराज पार्टी भी इस चुनावी परिदृश्य में नया आयाम जोड़ रही है। प्रशांत किशोर ने अपनी पहचान चुनावी रणनीतिकार के रूप में बनाई थी, लेकिन अब वे एक विकल्प के रूप में खुद को स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी पदयात्राएँ, जन संवाद और सीधे जनता से जुड़ने की शैली ने उन्हें एक अलग पहचान दी है। वे भाजपा, जदयू और आरजेडी- सभी पर तीखे प्रहार कर रहे हैं और अपने समर्थक वर्ग को बढ़ा रहे हैं। हालांकि यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगी कि वे सरकार बनाएँगे या "किंगमेकर" की भूमिका में रहेंगे।

भाजपा की स्थिति भी इस बार उतनी आसान नहीं है। संगठनात्मक रूप से यह सबसे मजबूत पार्टी है, परंतु बिहार में उसके पास कोई दमदार स्थानीय चेहरा नहीं है। पिछली बार भाजपा ने जदयू से दोगुनी सीटें जीतीं, फिर भी उसे मुख्यमंत्री पद नहीं मिला। इसने उसके कैडर में असंतोष पैदा किया। भाजपा के सहयोगी जैसे चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा उसे मजबूती तो देते हैं, लेकिन जातीय गणित और स्थानीय असंतुलन भाजपा के लिए भी चुनौती बना हुआ है। बिहार की राजनीति में अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि नीतीश कुमार किसके साथ जाते हैं- भाजपा या आरजेडी। उनका यह निर्णय ही तय करेगा कि राज्य में सत्ता की बागडोर किसके हाथ में होगी। हालांकि इस बार उनके पास पहले जैसी राजनीतिक पूँजी नहीं है।

देश की जनसंख्या प्रगति का पैमाना या अवरोध की अवधारणा

संजीव ठाकुर

भारत की जनसंख्या अब मात्र एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चुनौती और अवसर दोनों का प्रतीक बन चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत ने लगभग 142.86 करोड़ (1.4286 अरब) की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनने का गौरव प्राप्त किया। लेकिन यह उपलब्धि जितनी गौरवशाली है, उतनी ही चिंताजनक भी। जनसंख्या वृद्धि दर अभी लगभग 0.81 % है और कुल उर्वरता दर 2.0 पर स्थिर हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर (2.1) के करीब है। भारत की लगभग 68 % आबादी कार्यशील आयु वर्ग (15–64 वर्ष) में है, जो विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति का निर्माण करती है। यह स्थिति भारत के लिए "जनसंख्या लाभांश" का अवसर प्रस्तुत करती है, बशर्ते कि इसे शिक्षा, कौशल और रोजगार की दिशा दी जाए। यदि यह जनसंख्या शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बनी तो यही भारत को आर्थिक महाशक्ति बना सकती है, परंतु यदि यही जनसंख्या बेरोज़गारी, अशिक्षा और संसाधनों के अभाव में उलझी रही, तो यही राष्ट्र के लिए बोझ भी बन सकती है।

नंतभारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि प्रत्येक वर्ष लाखों युवक श्रमबाज़ार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं बन पाते। पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वेक्षण (PLFS) 2023-24 के अनुसार 15 वर्ष से ऊपर की आबादी में बेरोज़गारी दर 3.2 % रही, जबकि युवाओं (15–29 वर्ष) में यह बढ़कर 10.2 % तक जा पहुँची। कार्यशील आयु वर्ग में लगभग 64.33 करोड़ लोग हैं, परंतु संगठित क्षेत्र में उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा। उदाहरण के तौर पर किसी ग्रामीण क्षेत्र के दस हज़ार युवा जब शहरों की ओर रोज़गार की तलाश में जाते हैं, तो उनमें से मुश्किल से दो हज़ार को ही अस्थायी या कम वेतन वाली नौकरी मिल पाती है।

शेष बेरोज़गार या असंगठित क्षेत्र में अल्प आय पर कार्यरत रह जाते हैं। परिणामस्वरूप गरीबी, कुपोषण और सामाजिक तनाव की स्थिति बढ़ती है, जो राष्ट्र की विकास गति को धीमा करती है। भारत की विशाल जनसंख्या के कारण जल, भूमि, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर असंतुलित दबाव बढ़ता जा रहा है। बढ़ती आबादी के साथ इनका अति-दोहन जल संकट, भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है। महानगरों में रोजगार की तलाश में पलायन से झुग्गी-झोपड़ियाँ फैल रही हैं, यातायात और प्रदूषण का संकट बढ़ रहा है तथा जीवन स्तर गिरता जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है — प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीनहाउस गैसों का अत्यधिक उत्सर्जन अब चिंता का वैश्विक विषय बन चुका है। जब समाज का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रहता है, तो स्वाभाविक रूप से असंतोष, असुरक्षा और अपराध में वृद्धि होती है, जिससे सामाजिक समरसता कमजोर पड़ती है।

चीन ने इस समस्या के समाधान के लिए "वन चाइल्ड पॉलिसी" जैसी कठोर नीति अपनाई थी, जबकि भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप परिवार नियोजन, जागरूकता और स्वैच्छिक नियंत्रण की नीति को अपनाया। किंतु ग्रामीण और अशिक्षित क्षेत्रों में अब भी पर्याप्त जागरूकता का अभाव है। जनसंख्या नियंत्रण में शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा, सबसे प्रभावी माध्यम सिद्ध हो सकती है। एक शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को सही दिशा देती है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास अभियान, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाएँ युवाओं को आत्मनिर्भर और उत्पादक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ गाँव-गाँव तक पहुँचे तो रोजगार सृजन की प्रक्रिया तीव्र हो सकती है।

भारत में विकास को संतुलित बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और आधारभूत संरचना को मजबूत करना आवश्यक है, जिससे पलायन पर नियंत्रण हो सके और शहरी क्षेत्रों पर बढ़ता बोझ घटे। स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार कर मातृ-शिशु मृत्यु दर घटानी होगी। वर्ष 2024 में भारत की मातृ मृत्यु दर अब भी 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म है और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हज़ार के आसपास है। इन आंकड़ों में सुधार किए बिना "स्वस्थ भारत" का सपना अधूरा रहेगा।जनसंख्या की समस्या केवल संख्याओं की नहीं बल्कि गुणवत्ता की समस्या है। एक शिक्षित, स्वस्थ और रोजगारयुक्त जनसंख्या ही राष्ट्र के विकास की गति को तीव्र कर सकती है। इसलिए आवश्यक है कि जनसंख्या को केवल बोझ न समझा जाए, बल्कि अवसर के रूप में देखा जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जनसंख्या नियंत्रण की एकीकृत नीति ही इस अवसर को शक्ति में बदल सकती है। भारत की यह जनसंख्या वास्तव में एक दोधारी तलवार है — यदि इसे दिशा, दृष्टि और अवसर मिले तो यही भारत को विश्वशक्ति बना सकती है; और यदि यह अनियंत्रित रही तो यही देश की प्रगति की सबसे बड़ी बाधा सिद्ध हो सकती है। अब समय आ गया है कि हम "संख्या की भीड़" को "सक्षम शक्ति" में परिवर्तित करें।

त्याग, बलिदान और दूरदृष्टि के युगपुरुष–गुरु गोबिंद सिंह

आरके जैन

जब शौर्य, अध्यात्म और त्याग का अद्भुत संगम एक व्यक्तित्व में साकार होता है, तो वह न केवल नायक, अपितु युगपुरुष के रूप में इतिहास के पन्नों पर अमर हो जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनका जीवन धर्म की रक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि मानवता, न्याय और आत्मसम्मान का प्रबल संदेश देता है। 7 अक्टूबर 1708 को नांदेड़ में उनकी शहीदी तिथि, केवल एक घटना नहीं, बल्कि उनके अमर आदर्शों और चिंतन की सशक्त गूँज है, जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रेरणादायी है, जितनी तीन शताब्दियों पूर्व थी। उनकी पुण्यतिथि सिख समुदाय ही नहीं, अपितु समस्त विश्व के लिए एक पवित्र अवसर है, जो हमें उनके जीवन की उन गहन और प्रायः अनछुई गहराइयों को समझने का अवसर प्रदान करता है, जो सामान्य चर्चाओं में अक्सर ओझल रहती हैं।

गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म उस युग में हुआ, जब भारत मुग़ल शासन के अंधकार और धार्मिक उत्पीड़न के बोझ तले दबा था। सामाजिक असमानता और अन्याय ने समाज की नींव को खोखला कर दिया था। उनके पिता, गुरु तेग बहादुर जी, ने कश्मीरी पंडितों की रक्षा हेतु अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। मात्र नौ वर्ष की आयु में गुरु बनने वाले गोबिंद राय, जो बाद में गुरु गोबिंद सिंह के रूप में विख्यात हुए, ने इस पवित्र विरासत को न केवल संभाला, बल्कि इसे एक नई दिशा और ऊँचाई प्रदान की। उनकी असाधारण विशेषता थी युद्ध और शांति, तलवार और कलम, भक्ति और शक्ति का अनुपम समन्वय। उनकी रचनाएँ, जैसे दसम ग्रंथ में संकलित 'ज़फ़रनामा' और 'चंडी दी वार', केवल साहित्यिक कृतियाँ नहीं, बल्कि साहस, नैतिकता और आत्मिक जागृति का शंखनाद हैं। 'ज़फ़रनामा' (विजय पत्र) में औरंगज़ेब को लिखा उनका पत्र एक ऐतिहासिक दस्तावेज़ है, जो सत्य की निर्भीक अभिव्यक्ति और नैतिक दृढ़ता का प्रतीक है। कम लोग जानते हैं कि इस पत्र में उन्होंने न केवल मुग़ल सम्राट की क्रूरता का दर्पण दिखाया, बल्कि उसे धर्म, नैतिकता और मानवीय मूल्यों का पाठ भी पढ़ाया।

1699 की बैसाखी पर खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोबिंद सिंह जी का वह क्रांतिकारी कदम था, जिसने न केवल सिख इतिहास, बल्कि विश्व इतिहास को एक नई दिशा दी। यह केवल सैन्य संगठन नहीं था, अपितु एक सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक क्रांति थी, जिसने मानवता को शुद्धता, समानता और साहस का मार्ग दिखाया। 'खालसा' अर्थात शुद्ध, वह जो न केवल आत्मा, बल्कि विचार, कर्म और जीवन से पवित्र हो। पंज प्यारों का चयन—एक ब्राह्मण, एक क्षत्रिय और तीन शूद्र वर्ग से—जाति और वर्ग की दीवारों को ध्वस्त करने का सशक्त संदेश था। कम लोग जानते हैं कि गुरु ने खालसा पंथ में महिलाओं को भी समान दर्जा प्रदान किया। सिख महिलाओं को 'कौर' अर्थात राजकुमारी की उपाधि देकर उन्होंने नारी को सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त किया। उस युग में, जब नारी को हाशिए पर रखा जाता था, यह कदम क्रांतिकारी था और समानता का अमर संदेश देता है।

गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन केवल युद्ध और वीरता तक सीमित नहीं था; उनकी पर्यावरणीय और सामुदायिक चेतना भी उतनी ही प्रेरणादायी थी। आनंदपुर साहिब में उन्होंने न केवल सैन्य प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए, बल्कि एक ऐसे समुदाय का निर्माण किया, जहाँ शिक्षा, कला, धर्म और संस्कृति का अनुपम समन्वय था। उनकी रचनाएँ, जैसे दसम ग्रंथ की काव्य रचनाएँ, प्रकृति के सौंदर्य और मानवीय मूल्यों के बीच गहन संतुलन को दर्शाती हैं। ये रचनाएँ आज के पर्यावरणीय संकट के दौर में भी प्रासंगिक हैं, जो हमें प्रकृति और मानवता के सह-अस्तित्व की सीख देती हैं। उनकी शिक्षाएँ समाज को आत्मनिर्भर, संगठित और नैतिक बनाने का आह्वान करती थीं, जो युद्ध के मैदान से लेकर शांतिपूर्ण जीवन तक समान रूप से लागू होती थीं।

गुप्त साजिश का जाल

डॉ. सुरेश कुमार

कैलाश पर्वत के गुप्त कक्ष में इन दिनों ऐसी अफरातफरी मची है कि पौराणिक महायुद्ध भी कम लगते हैं, शिवजी अपने ध्यान में बैठे-बैठे हर पल विश्राम ले रहे हैं और नंदी का हाल तो देखने लायक है, उनका 'महा-यंत्र' नामक उपकरण बार-बार ठप हो रहा है, कारण है मैदानी इलाकों से आने वाला सूचना प्रवाह, विशेषकर दक्षिणी प्रांत से जहां न्याय विभाग का डेटा पहले से ही उनके लिए मुसीबत था, अब वहां की गुप्तचर एजेंसियों की फाइलों ने तो पूरे तंत्र को हिला दिया है, नंदी जी अपने सहयोगियों पर गरज रहे थे, यह क्या अराजकता है? हमारा पवित्र लेखा कहता है कि इस जीव की अवधि समाप्त हो गई है, लेकिन मैदानी डेटा कहता है 'व्यक्ति हमारी गोपनीय हिरासत में है', तो हम जीव लेने चले या समझौता करें?, मामला इतना जटिल है कि कैलाश की विधि टीम ने विद्रोह की धमकी दे दी, कहते हैं कि मैदानी नियम समझना उनकी क्षमता से परे है, यह 'आप आगे-मैं आगे' का ऐसा चक्र है जिसमें जीव मध्य में अटका रहता है, कैलाशदूत कहते हैं 'गुप्तचर भाई, मुक्त करो तो हम ले जाएं', और गुप्तचर कहते हैं 'पहले इनके विरुद्ध साक्ष्य इकट्ठे हों, फिर जहां ले जाना हो ले जाना', इसी रहस्यमयी उलझन में एक नई दस्तावेज शिवजी की चौकी पर गिरा, आवरण पर काली स्याही से अंकित 'केस 101: माया देवी - अत्यंत रहस्यपूर्ण लेकिन डरावना', शिवजी ने दस्तावेज खोला और प्रथम आरोप पत्र पढ़कर उनका चित्त अस्थिर हो गया, उन्होंने नेत्र बंद कर नंदी से पूछा नंदी, यह देवी कौन है? और इन पर ये इल्जाम क्या हैं? 'ज्ञान प्रसार की गुप्त योजना', 'परंपरागत अर्थव्यवस्था के विरुद्ध षड्यंत्र', 'नई सोच से जनता को बहकाना'... हम तो युगों से हत्या, छल, लालच जैसे प्रकरण संभालते आए हैं, यह 'बुद्धिमान बनो, धनवान नहीं' वाला अपराध कब से विधि में शामिल हुआ?, नंदी ने लंबी सांस ली, जो आधी व्यथा और आधी असहायता से परिपूर्ण थी, महादेव, यही तो विपदा है, यह प्रकरण हमारे कार्यक्षेत्र से बाहर प्रतीत होता है, मैदानी तंत्र अब उन कार्यों के लिए व्यक्तियों को बंधक बना रहा है जिन्हें हम पुण्य मानते थे, उन्होंने उसे कैद कर लिया है महादेव, हमारा एक दूत उसे लाने गया था लेकिन द्वार पर अवरुद्ध कर दिया गया, कह रहे थे 'अभी जासूसी चल रही है, बाधा मत डालो', शिवजी ने अपने सबसे कुशल दूत 'कैलाश-एजेंट' को बुलाया, जो दूरस्थ लोकों से जीव लाने में विशेषज्ञ था और उसकी भाषा संकर थी, उसने अभिवादन किया और बोला महादेव, परिस्थिति पूरी तरह उलझी हुई है, मैं गया था देवी जी को लाने, लेकिन वहां का तंत्र तो अलग ही रहस्य बुन रहा है, मैंने गुप्तचर से कहा 'भाई, इनकी अवधि पूरी हो गई, मुझे अपना कर्तव्य करने दो', तो वह हंसकर बोला 'अवधि नहीं, कैद हुई है, और कर्तव्य हम निभा रहे हैं, इन्होंने प्रांत की आर्थिक स्थिरता को जोखिम में डाला है', मैंने पूछा 'कैसे?', तो बताया कि ये महोदया किसानों को सिखा रही हैं कि लाभ से ज्यादा स्थिरता महत्वपूर्ण है, महादेव, कल्पना कीजिए अगर सब स्थिर हो गए तो बाजार और कंपनियों का क्या होगा? अर्थतंत्र पर कितना प्रभाव पड़ेगा! यह तो आर्थिक छाया युद्ध है न महादेव!, कैलाश-एजेंट ने विवरण में जोड़ा कि देवी पर आरोप है कि उसने करोड़ों किसानों की 'बड़ी फसल' की आकांक्षा को क्षीण किया, जो देश की वृद्धि के लिए बड़ा संकट है, नंदी ने अपनी पटल पर स्पर्श करते हुए शिवजी को सूचित किया महादेव, मामला सिर्फ आर्थिक सुधार का नहीं, छिपा राजनीतिक भी है, ये देवी पिछले समय से समुद्री तट पर अंधेरे में 'सत्याग्रह' पर बैठी थी, हालांकि समाचार माध्यम इसे 'समुद्री छुट्टी' बता रहे थे, उसकी मांग थी कि तट को संविधान की आठवीं धारा में जोड़ा जाए, सरल में यह एक 'संरक्षण कोड' है जो स्थानीयों को अपनी भूमि और जलवायु बचाने के लिए विशेष शक्तियां देता, लेकिन मुख्य नियंत्रक इसे 'अनिश्चित' रखे हुए है, कहते हैं 'तंत्र पर दबाव अधिक है, बाद में विचार करेंगे', इसी पर देवी ने कहा जब तक नहीं होता मैं जल नहीं ग्रहण करूंगी, और उसने अठारह दिन तक उपवास कर अपनी दृढ़ता को रहस्यमयी हथियार बनाया।

तिलोत्तमा का जन्म कैसे हुआ ?

स्वर्ग की अप्सराओं में तिलोत्तमा का नाम उनके अद्वितीय और अवर्णनीय सौंदर्य के लिए सबसे ऊपर लिया जाता है। उनका नाम ही उनके अद्भुत रूप की कहानी कहता है। शास्त्रों के अनुसार, ब्रह्माजी ने संसार के प्रत्येक कोने से 'तिल-तिल भर' सुंदरता को इकट्ठा कर उनकी रचना की थी, यही कारण है कि उनका नाम तिलोत्तमा पड़ा। कुछ कथाओं में तो यह भी कहा गया है कि उनका जन्म स्वयं ब्रह्माजी के हवन कुंड से हुआ था। तिलोत्तमा का जन्म एक विशेष लक्ष्य को पूरा करने के लिए हुआ था, जिसकी कथा दो अहंकारी असुर भाइयों से जुड़ी है।

दो असुर भाइयों का वध

हिरण्यकश्यप के वंश में निकुंभ नामक एक शक्तिशाली असुर था, जिसके दो पुत्र थे सुन्द और उपसुन्द। इन दोनों भाइयों में अगाध प्रेम था और उन्होंने विश्वविजय की इच्छा से विंध्याचल पर्वत पर घोर तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी प्रकट हुए। जब दोनों भाइयों ने अमरता का वरदान मांगा, तो ब्रह्माजी ने मना कर दिया। तब उन दोनों ने चतुराई से वरदान मांगा कि उन्हें त्रिलोक में कोई न मार सके, सिवाय एक-दूसरे के। उन्हें अपने आपसी प्रेम पर इतना भरोसा था कि उन्हें लगा कि वे कभी आपस में नहीं लड़ेंगे।

वरदान पाते ही सुन्द और उपसुन्द ने तीनों लोकों में अत्याचार करना शुरू कर दिया, जिससे पूरी सृष्टि त्रस्त हो गई। देवताओं और मनुष्यों को उनके अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए, ब्रह्मा जी ने विश्वकर्मा जी से एक ऐसी सुंदरी की रचना करने को कहा जो इन दोनों भाइयों के अहंकार और वरदान को समाप्त कर सके।

विश्वकर्मा जी ने तीनों लोकों की थोड़ी-थोड़ी सुंदरता लेकर तिलोत्तमा का निर्माण किया। जब तिलोत्तमा दोनों असुर भाइयों के सामने प्रकट हुईं, तो उनके अलौकिक सौंदर्य को देखते ही वे दोनों उस पर मोहित हो गए। उनका पुराना भाईचारा और प्रेम नष्ट हो गया, और वे तिलोत्तमा को पाने के लिए आपस में ही लड़ने लगे। अंततः, एक-दूसरे के हाथों मारे गए, और इस प्रकार तिलोत्तमा ने अपने जन्म का उद्देश्य पूरा किया।

शाप और दूसरा जन्म

देवताओं का कार्य पूरा करने वाली तिलोत्तमा को अपने रूप पर कुछ अभिमान हो गया था। इस सुंदरता के अभिमान के कारण ही उन्हें महर्षि अष्टावक्र और दुर्वासा ऋषि जैसे क्रोधित संतों से शाप भी मिला। दुर्वासा ऋषि के शाप के कारण, यही तिलोत्तमा बाद में असुर बाणासुर की पुत्री उषा के रूप में धरती पर जन्मी। उषा ने भगवान कृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न से प्रेम किया और बाद में उनसे विवाह किया। इसके अलावा, तिलोत्तमा का उल्लेख सूर्य से भी जुड़ा है। पुराणों के अनुसार, वह माघ मास में अन्य सौर गणों के साथ सूर्य के रथ की मालकिन के रूप में भी रहती हैं।

संक्षेप में, तिलोत्तमा का जीवन सौंदर्य की शक्ति का प्रतीक है, जिसने एक ओर संसार को दुष्ट असुरों से मुक्ति दिलाई, वहीं दूसरी ओर स्वयं अपने रूप के अभिमान के कारण शाप भी पाया।

क्या आप सच में सीखना चाहते हैं तो पहले ये एक बात समझ लें...

श्वेतकेतु ऋषि आरुणि का पुत्र था। आरुणि ने उसे घर में ही प्रारंभिक शिक्षा और संस्कार दिए। कुछ बड़ा होने पर उन्होंने श्वेतकेतु से कहा, ''कुल की परम्परा के अनुरूप गुरुकुल में रहकर साधना और धर्मशास्त्रों का अध्ययन करना।

गुरुकुल ही तुम्हारा उपनयन संस्कार होगा। गुरु की सेवा और सान्निध्य से ही तुम विभिन्न उपनिषदों और वेदों में पारंगत हो सकोगे।''

श्वेतकेतु पिता का आदेश मानकर गुरुकुल में जाकर गुरु की सेवा में लग गया। चौबीस वर्ष की आयु पूरी होने पर वह घर लौटा। उसे यह झूठा अभिमान हो गया कि वेदों का उससे बड़ा कोई दूसरा व्याख्याता नहीं है और वह शास्त्रार्थ में सभी को पराजित कर सकता है। वह अपने को पिता से भी बड़ा विद्वान मानने लगा। पिता ने पुत्र के अभिमानी और उद्दंडी स्वभाव को सहज ही भांप लिया। वे जान गए कि इसका अमर्यादित स्वभाव और अहंकार इसके पतन का कारण बनेगा।

एक दिन पिता आरुणि ने एकांत पाकर पुत्र से धर्मशास्त्र व आत्मा संबंधी कुछ प्रश्न पूछे लेकिन वह किसी का भी उपयुक्त उत्तर नहीं दे पाया।

आरुणि ने कहा, ''पुत्र तुम्हारे गुरु महान पंडित व साधक हैं। लगता है अहंकारग्रस्त होने के कारण तुम उनसे कुछ प्राप्त नहीं कर पाए। गुरु से कुछ पाने के लिए विनयशील होना आवश्यक है।

अनजान और मासूम बनकर ही गुरु से कुछ सीखा जा सकता है।''

यह सुन कर श्वेतकेतु का अहंकार भी चूर-चूर हो गया। पिता आरुणि ने उसे शास्त्रों का दृष्टांत देकर अमरत्व का सार बताया।

रसोई के ये दो बर्तन कर सकते हैं आपका सबसे बड़ा नुकसान

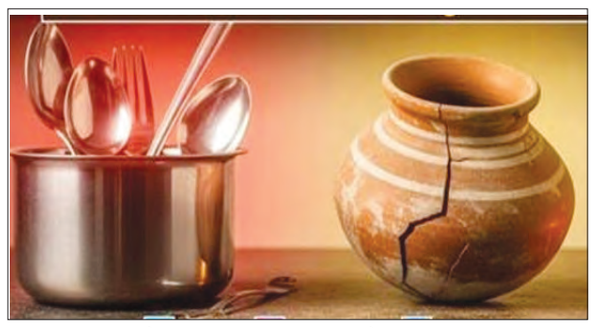

वास्तु शास्त्र और ज्योतिष के अनुसार, घर की रसोई बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह अन्नपूर्णा और देवी लक्ष्मी का वास स्थान मानी जाती है। रसोई में रखी गई कुछ चीजें और उन्हें रखने का तरीका हमारे जीवन पर गहरा असर डालता है। खासकर दो ऐसे बर्तन हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि अगर उनके उपयोग और रखरखाव में सावधानी न बरती जाए तो राहु का दुष्प्रभाव बढ़ सकता है, जिसके कारण घर की बरकत रुक जाती है और मां लक्ष्मी दरवाजे से ही लौट जाती हैं।

ज्योतिष और वास्तु के अनुसार, रसोई के दो बर्तन जिन्हें राहु ग्रह का प्रतिनिधि माना जाता है, वे हैं तवा और कढ़ाई। इन दोनों बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर दिन रोटी और अन्य खाद्य सामग्री पकाने के लिए होता है। ऐसा माना जाता है कि इन बर्तनों की साफ-सफाई और इन्हें रखने के तरीके का सीधा संबंध राहु के शुभ-अशुभ प्रभावों से होता है।

भूलकर भी न करें ये गलतियां

यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में सुख-शांति बनी रहे और आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े, तो तवा और कढ़ाई से जुड़ी इन गलतियों को करने से बचें:

तवा और कढ़ाई को उल्टा न रखें यह सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। तवा और कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए। मान्यता है कि इन्हें उल्टा रखने से घर में राहु दोष बढ़ता है और नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसा करने से आर्थिक तंगी और परिवार के सदस्यों में मानसिक अशांति बढ़ सकती है।

रात को झूठे या गंदे न छोड़ें

रात का खाना पकाने के बाद तवा और कढ़ाई को हमेशा अच्छी तरह से साफ करके रखना चाहिए। कभी भी इन बर्तनों को रात भर गंदा या जूठा नहीं छोड़ना चाहिए। ऐसा करने से राहु का बुरा प्रभाव बढ़ता है, जिससे धन हानि और रोग होने की आशंका रहती है। खाना बनाने के बाद, तवे को हल्का गरम करके उस पर थोड़ा नमक छिड़कने से राहु-केतु का दुष्प्रभाव कम होता है।

इस्तेमाल के बाद गैस पर न छोड़ें भोजन पकाने का काम पूरा होने के बाद, तवा और कढ़ाई को गैस स्टोव के ऊपर नहीं छोड़ना चाहिए। काम खत्म होने के बाद इन्हें गैस से उतारकर सही जगह पर रखना चाहिए। गैस पर खाली बर्तन छोड़ना भी अशुभ माना जाता है।टूटे या चटके बर्तन का उपयोग न करें।

जन्म कुंडली के केंद्र में जब हो बृहस्पति ग्रह कैसे बनता है जीवन की ढाल

ज्योतिष शास्त्र में हर ग्रह का अपना महत्व बताया गया है, लेकिन जब बात आती है देवगुरु बृहस्पति की, तो यह ग्रह बाकी सभी ग्रहों के प्रभावों पर भारी पड़ जाता है।

खासकर जब बृहस्पति जन्म कुंडली के केंद्र में बैठा हो, तब यह जातक के जीवन में ढाल बनकर काम करता है। पुराने समय से लेकर आज तक ज्योतिष के कई ग्रंथ इस बात की पुष्टि करते हैं कि केंद्र में स्थित गुरु बृहस्पति जातक के जीवन से बुरे प्रभावों को खत्म कर देता है।

केंद्र स्थान और उनका महत्व

जन्म कुंडली में चार भावों को केंद्र कहा गया है – पहला (लग्न), चौथा, सातवां और दसवां। इन भावों को जीवन का स्तंभ माना जाता है। यह चारों स्थान जीवन की दिशा और पहचान तय करते हैं। जब इन भावों पर कोई शुभ ग्रह बैठता है, तो जातक को मजबूत जीवनदृष्टि और सफलता मिलती है, लेकिन अगर इन स्थानों पर अशुभ ग्रह हों, तो जीवन में कठिनायां बढ़ सकती हैं।

अब सवाल यह है कि जब इन चार भावों में से किसी एक में गुरु बृहस्पति बैठता है तो क्या असर होता है? ज्योतिष के अनुसार, इस स्थिति में बृहस्पति जातक के जीवन की ढाल बनकर सभी अशुभ ग्रहों को कमजोर कर देता है।

गुरु बृहस्पति की शक्ति

गुरु बृहस्पति को ज्ञान, धर्म, नीति और सद्बुद्धि का प्रतीक माना गया है। यह ग्रह जिस भाव में बैठता है, उस भाव को पवित्र और मजबूत बना देता है। जब यह केंद्र में हो, तो जातक को सही-गलत की पहचान, निर्णय लेने की क्षमता और धार्मिक दृष्टिकोण मिलता है। इसका सीधा असर यह होता है कि व्यक्ति मुश्किल समय में भी गलत रास्ता नहीं चुनता और जीवन में उन्नति की ओर बढ़ता है।

दोष क्यों हो जाते हैं निष्फल?

कहा जाता है कि केंद्र में बैठा गुरु किसी भी कुयोग को खत्म कर देता है। इसका कारण है –

1. ज्ञान और धर्म से जुड़ाव: यह व्यक्ति को भ्रम और मोह से बचाता है।

2. गुरु की दृष्टि: इसकी दृष्टि जिन भावों पर पड़ती है, उन्हें शुद्ध और शक्तिशाली बना देती

3. नैतिक शक्ति: जातक को सच और न्याय के रास्ते पर चलने की ताकत मिलती है।

लेकिन हर स्थिति समान नहीं होती

हालांकि यह भी सच है कि केवल एक ग्रह से पूरी कुंडली का परिणाम तय नहीं किया जा सकता, अगर बृहस्पति नीच राशि में हो, शत्रु भाव में हो, या फिर शनि, राहु, केतु और मंगल जैसे ग्रहों से पीड़ित हो, तो इसकी शक्ति कम हो सकती है। ऐसे में केंद्र में होने के बावजूद इसका प्रभाव उतना प्रबल नहीं रहेगा। इसलिए वास्तविक फल जानने के लिए पूरी कुंडली का अध्ययन जरूरी होता है।

करवाचौथ व्रत में पूजा की थाली में जरूर रखें ये भोग और सामान, वरना पूजा रहेगी अधूरी

करवाचौथ व्रत का इंतजार एक सुहागिन महिला सालभर करती हैं। इस दिन दिनभर व्रत का पालन करने के बाद, शाम को विधि-विधान से चांद की पूजा करती हैं। इससे पहले पूजा की थाली और व्रत कथा भी जाती है। साथ ही पूजा की थाली भी तैयार की जाती है।

इस व्रत में पूजा की थाली का विशेष महत्व होता है, क्योंकि यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं सूर्योदय से पहले सरगी लेकर व्रत शुरू करती हैं, और रात को चंद्र दर्शन के बाद व्रत खोलती हैं। पूजा थाली में रखे जाने वाले सामान और भोग की अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यता होती है।

करवाचौथ पूजा थाली में क्या-क्या होना चाहिए?

करवाचौथ की पूजा थाली को सुंदरता और श्रद्धा से सजाया जाता है। इसमें निम्नलिखित वस्तुएं शामिल होती हैं।

पूजा सामग्री:

करवा (मिट्टी या तांबे का) – इसमें जल भरकर पूजा की जाती है।

दीपक (मिट्टी या आटे का) – पूजा के समय जलाया जाता है।

छलनी – चंद्र दर्शन और पति का चेहरा देखने के लिए।

कलश – जल से भरा हुआ, पूजा में उपयोग होता है।

कुमकुम, रोली, चंदन, हल्दी – तिलक और पूजा के लिए।

अक्षत (चावल) – पूजा में शुभता के प्रतीक।

पान के पत्ते और सुपारी – पूजन में आवश्यक।

मौली (कलावा) – रक्षा सूत्र के रूप में बांधा जाता है।

फूल – देवी पूजन के लिए।

श्रृंगार का सामान – जैसे चूड़ी, बिंदी, सिंदूर, कंघी आदि।

करवा माता और गणेश जी की तस्वीर या मूर्ति – पूजा के लिए।

भोग में क्या रखा जाता है?

करवाचौथ की पूजा में भोग का विशेष महत्व होता है। यह भोग देवी को अर्पित किया जाता है और फिर व्रती महिला द्वारा ग्रहण किया जाता है।

भोग की सामग्री:

मीठे पुए – आटे, गुड़ और सौंफ से बने होते हैं।

कढ़ी-पकौड़ी – बेसन की पकौड़ी और दही की कढ़ी।

चावल – सादा या जीरा राइस।

फर्रे – चावल के आटे से बने पकवान।

मिठाई – जैसे लड्डू, खीर, हलवा या बर्फी।

फल – जैसे केला, सेब, अनार आदि।

पंचामृत – दूध, दही, शहद, घी और शक्कर का मिश्रण।

भोग को पूजा के बाद चंद्रमा को अर्पित किया जाता है, और फिर व्रती महिला व्रत खोलती है।

पूजा विधि में थाली का उपयोग कैसे होता है?

पूजा के समय थाली को चौकी पर सजाया जाता है।

दीपक जलाकर देवी और करवा माता की पूजा की जाती है।

छलनी से चंद्रमा और पति का चेहरा देखकर अर्घ्य दिया जाता है।

भोग अर्पित कर व्रत खोला जाता है

करवाचौथ की पूजा थाली न केवल धार्मिक अनुष्ठान का एक हिस्सा होती है, बल्कि यह सौभाग्य, प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक भी होती है।

करवा चौथ पर पहनें ये 5 शुभ रंग : क्यों माने जाते हैं प्यार, समृद्धि और सौभाग्य

करवा चौथ का त्योहार हर विवाहित महिला के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस व्रत का सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक महत्व भी बहुत गहरा होता है। इस दिन का हर रंग, हर आभूषण और हर साज-सज्जा का एक अपना मतलब होता है। कहा जाता है कि अगर आप सही रंग के कपड़े पहनें तो त्योहार की एनर्जी और पॉज़िटिविटी कई गुना बढ़ जाती है। करवा चौथ पर पहने गए रंग सिर्फ खूबसूरती नहीं बढ़ाते, बल्कि ये रिश्ते की मजबूती, प्रेम और सौभाग्य के प्रतीक भी माने जाते हैं। चलिए जानते हैं ऐसे 5 रंग जो करवा चौथ के दिन पहनना शुभ माना जाता है और जिनका हर एक शेड अपने आप में खास संदेश देता है।

लाल – प्यार और समृद्धि का रंग

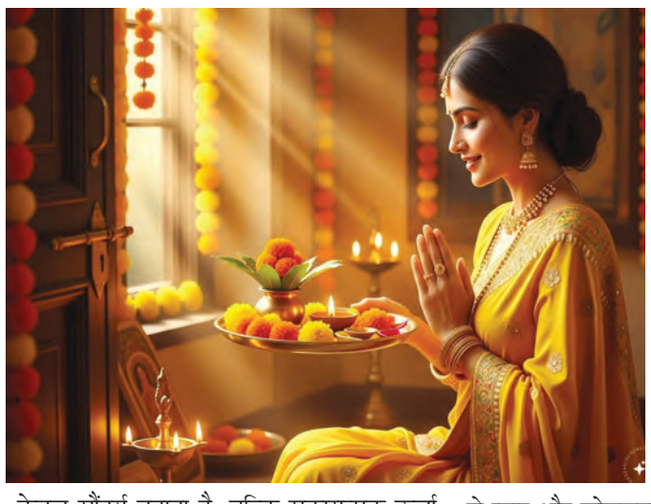

लाल रंग करवा चौथ का सबसे पारंपरिक और शुभ रंग माना जाता है। यह रंग प्रेम, उत्साह और वैवाहिक बंधन की गहराई का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में लाल रंग को शादी और सुहाग से जोड़ा गया है। लाल चुनरी, साड़ी या लहंगा पहनना इस दिन को और भी पवित्र बना देता है। यह रंग न

केवल सौंदर्य बढ़ाता है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। माना जाता है कि लाल पहनने से वैवाहिक जीवन में नई ऊर्जा और खुशहाली आती है।

मरून – परंपरा और एलिगेंस का रंग

मरून यानी गहरा लाल, जो थोड़ी परिपक्वता और रॉयल लुक देता है। यह रंग उन महिलाओं के लिए परफेक्ट है जो एलिगेंट और ग्रेसफुल दिखना चाहती हैं। मरून रंग परंपरा और गहराई का प्रतीक है, जो रिश्तों में स्थिरता और आत्मविश्वास को दर्शाता है। अगर आप गोल्ड या सिल्वर ज्वेलरी के साथ मरून साड़ी या अनारकली पहनें, तो यह क्लासिक और ट्रेडिशनल दोनों अहसास दिलाएगा।

गुलाबी – रोमांस और नारीत्व का प्रतीक

गुलाबी यानी पिंक रंग हमेशा से प्यार और कोमलता का प्रतीक रहा है। यह रंग किसी भी उम्र की महिला पर खिलता है और पूरे माहौल को हल्का, खुशगवार बना देता है। करवा चौथ जैसे त्योहार पर अगर आप हल्के पिंक या रोज़ पिंक कलर का आउटफिट पहनती हैं तो यह आपको मॉडर्न और ट्रेडिशनल दोनों लुक देगा। पिंक रंग रिश्तों में मिठास और सौम्यता का एहसास बढ़ाता है।

पीला – खुशियों और पॉज़िटिविटी का रंग

पीला रंग हमेशा से खुशहाली, ऊर्जा और नई शुरुआत का प्रतीक माना गया है। यह रंग त्योहारों की रौनक बढ़ा देता है और सुबह के समय किए जाने वाले पूजा-पाठ के लिए बेहद शुभ होता है। करवा चौथ की सवेरे की पूजा या सोलह श्रृंगार की शुरुआत आप पीले कपड़ों में करें, तो दिन की शुरुआत ही पॉज़िटिविटी से भर जाएगी। यह रंग आपको अंदर से खुश और आत्मविश्वासी महसूस कराता है।

हरा – सौभाग्य और नई शुरुआत का प्रतीक

हरा रंग करवा चौथ पर शुभता और सौभाग्य का प्रतीक है। यह रंग न सिर्फ प्रकृति और ताजगी का एहसास दिलाता है, बल्कि शादीशुदा जीवन में स्थिरता और शांति का प्रतीक भी है। हरे रंग की चूड़ियां और साड़ी भारतीय परंपरा में सुहागिन स्त्रियों की पहचान मानी जाती हैं। अगर आप ग्रीन कलर का सूट या साड़ी पहनें तो यह न केवल खूबसूरत लगेगा, बल्कि आपके रिश्ते में नई ऊर्जा भी भर देगा।

यशराज की फिल्म में साथ नजर आएंगे शारवरी-अहान!

अली अब्बास जफर निर्देशित फिल्म में दिखेगी जोड़ी

शारवरी वाघ और अहान पांडे ने निर्देशक अली अब्बास जफर की नई एक्शन-रोमांस फिल्म साइन कर ली है। अभिनेत्री शारवरी ने कथित तौर पर फिल्ममेकर अली अब्बास जफर की आने वाली इस अनाम एक्शन-रोमांस फिल्म में अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी नजर आएगी।

साथ नजर आएंगे अहान और शरवरी

अहान पांडे ने अपनी फिल्म 'सैय्यारा' से बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया। वहीं शरवरी भी 100 करोड़ की हिट फिल्म 'मुंजा' का हिस्सा रहीं। दोनों ने साबित कर दिया कि अच्छा अभिनय ही लोगों को थिएटर तक खींच सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'सैयारा' एक्टर अहान पांडे और 'मुंजा' एक्ट्रेस शरवरी वाघ यशराज फिल्म्स की आगामी एक्शन रोमांस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे। इस फिल्म के जरिए जफर टाइगर जिंदा है के 9 साल बाद YRF बैनर के साथ वापसी

कर रहे हैं।

अली अब्बास करेंगे फिल्म का निर्देशन

यह एक एक्शन-रोमांस फिल्म होगी। यह फिल्म अभी बिना टाइटल है। यह आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म साथ में होगी। पहले वे 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी फिल्में बना चुके हैं। सोशल मीडिया पर फैंस इस खबर से बेहद खुश हैं और शरवरी और अहान को एक साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। तो वहीं कई फैंस शरवरी और अहान की जोड़ी को लेकर फायर इमोजी पोस्ट कर रहे हैं।

ऑडिशन के लिए स्कैम वेबसाइटों का शिकार हो चुकीं अनीत, कई प्रोडक्शन हाउस में मांगा था काम

नई नवेली अभिनेत्री अनीत पड्डा 'सैयारा' की सफलता के बाद काफी चर्चाओं में हैं। हालांकि, अभी तक अनीत के अगले प्रोजेक्ट को लेकर अभी कुछ फाइनल नहीं है, लेकिन फैंस उन्हें अब जल्द ही किसी और फिल्म में देखना चाहते हैं। अब अनीत ने उस वक्त को भी याद किया जब वो काम की तलाश में थीं और ऑडिशन के लिए 'स्कैम' वेबसाइटों पर तक पहुंच गई थीं।

एक्ट्रेस ने अपने संघर्ष के दिनों को किया याद

कॉस्मोपॉलिटन इंडिया से बातचीत के दौरान अनीत ने याद किया जब उन्होंने अभिनय के ऑडिशन के लिए ऑनलाइन खोज शुरू की थी। ऐसा करने के लिए वो 'स्कैम' वेबसाइटों पर पहुंच गई। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान कुछ अच्छा काम पाने की कोशिश में विभिन्न प्रोडक्शन हाउस को 50 से 70 कोल्ड मेल भेजे। एक्ट्रेस ने बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लगभग हर प्रोडक्शन हाउस के पास एक ऑडिशन टेप, एक बायोडाटा और स्नैपचैट फिल्टर तस्वीरें होती हैं। ऐसा करने के बाद मुझे जल्द ही यह एहसास हो गया कि कास्टिंग एजेंसियां अभिनेताओं की ओर से काम के अवसरों पर बातचीत करती हैं।

दर्शकों ने समझी 'सैयारा' की असली फीलिंग

अनीत ने आगे 'सैयारा' की सफलता और इसका हिस्सा बनने के सफर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने सिर्फ बिजनेस के लिहाज से ही अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। एक फिल्म बनाने के लिए एक पूरे समुदाय की जरूरत होती है, चाहे वह क्रू हो, या हम कलाकार, निर्देशन सेट पर सभी ने कड़ी मेहनत की। शायद बस यही वजह थी कि दर्शक फिल्म की असली भावना को समझ पाए।

अनीत के अगले प्रोजेक्ट का है इंतजार

वर्कफ्रंट की बात करें तो फिलहाल अनीत पड्डा के किसी फिल्म का हिस्सा होने की आधिकारिक खबरें नहीं आई हैं। हालांकि, बीच में ऐसी खबरें आई थीं कि अनीत ने मैडॉक फिल्म्स की 'शक्ति शालिनी' में कियारा आडवाणी की जगह ली है। हालांकि, बाद में निर्माताओं ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इन अटकलों पर विराम लगा दिया। इसके अलावा कोर्ट रूम ड्रामा 'न्याय' में भी अनीत के होने की बाद कही जा रही है। लेकिन अभी इसके बारे में भी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

'टॉक्सिक' में काम करने पर उत्साहित हैं अक्षय ओबेरॉय, यश को बताया 'वन मैन इंडस्ट्री'

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आए हैं। यह फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। अब अक्षय ने फिल्म 'टॉक्सिक' में साउथ सुपरस्टार यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। साथ ही

उन्होंने नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर्स के साथ काम करने का अपना अनुभव भी साझा किया।

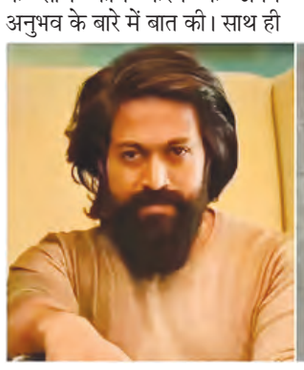

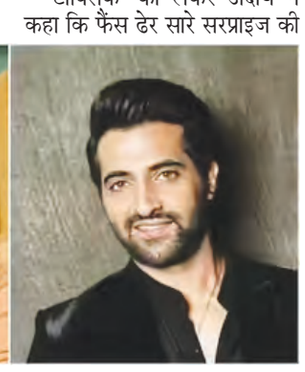

खास हैं निर्देशक गीतू मोहनदास

अक्षय ओबेरॉय ने फिल्म 'टॉक्सिक' का हिस्सा होन पर खुशी जताई। साथ ही काम करने के अपने अनुभवों को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी फिल्म में काम करने का मौका मिलने के अलावा मुझे निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। मुझे उनकी पिछली फिल्में भी बहुत पसंद आई हैं। मुझे लगता है कि वह मेरी पसंदीदा निर्देशकों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने अब तक काम किया है।

एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता के साथ काम करना पहले से ही एक यादगार अनुभव था। अक्षय ने बताया कि 'टॉक्सिक' की सबसे बड़ी उपलब्धि यश के साथ काम करने का मौका था। पूरी दुनिया यश की प्रशंसक है। उनके साथ काम करके, मैंने इतना कुछ सीखा कि मुझे एहसास हुआ कि मुझमें क्या कमी थी।

साउथ में और भी काम करना चाहते हैं अक्षय

'टॉक्सिक' को लेकर अक्षय ने कहा कि फैंस ढेर सारे सरप्राइज की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस फिल्म के बारे में जितना कम कहूं, उतना ही अच्छा है। फिल्म में ढेर सारे सरप्राइज हैं। मुझे अपने किरदार में बहुत मजा आया और मुझे एक्शन करना बहुत पसंद है। आगे साउथ में और भी काम करने पर एक्टर ने कहा कि अगर मुझे मौका मिलेगा तो मैं जरूर करूंगा। मैं मलयालम, तेलुगु या तमिल फिल्म में काम करना पसंद करूंगा। मुझे साउथ में काम करने का अनुभव बहुत अच्छा लगा और मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे वहां से और भी काम मिलेगा। नई भाषा में काम करने की चुनौती के बारे में अक्षय ने कहा कि मुझे भाषाओं और लहजों में रुचि है और मुझे उनसे आनंद मिलता है। बेशक यह एक चुनौती है, लेकिन मुझे इसमें बहुत मजा आता है। भाषाएं और लहजे सीखना मेरे लिए स्वाभाविक है। इसलिए मुझे काम में मजा आया।

जैकी श्रॉफ ने 'भूत अंकल' के 19 साल पूरे होने का मनाया जश्न

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने सोमवार 6 अक्तूबर, 2025 को दिवंगत स्टार विनोद खन्ना की 79वीं जयंती पर उन्हें याद किया। इसके साथ ही जैकी श्रॉफ ने 2006 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'भूत अंकल' के 19 साल पूरे होने का जश्न भी मनाया।

जैकी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर विनोद खन्ना की फोटो कॉलेज शेयर की। विनोद की इस पोस्ट के साथ जैकी ने कैप्शन में लिखा, 'हमेशा हमारे दिलों में #vinod-khanna।'

विनोद खन्ना के बारे में

हिंदी सिनेमा के बड़े सितारे विनोद खन्ना ने 1968 में अपना करियर शुरू किया। शुरुआत में वे छोटी भूमिकाओं और विलेन के रोल में नजर आए। फिल्मों जैसे 'मेरे अपने', 'मेरा गांव मेरा देश' और 'अचानक' में उन्होंने ऐसे किरदार निभाए। 1970 के दशक में 'हाथ की सफाई', 'अमर अकबर एंथनी', 'मुकद्दर का सिकंदर' और 'कुर्बानी' जैसी हिट फिल्मों से वे सुपरस्टार बने। पांच साल के ब्रेक के बाद 1987 में 'इंसाफ' से वापसी की। बाद में 'वांटेड' और 'दबंग' सीरीज में पिता के रोल के लिए तारीफ मिली। 27 अप्रैल 2017 में उनका निधन हो गया।

'भूत अंकल' को लेकर पोस्ट

जैकी ने आज एक और इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की। जैकी ने 'भूत अंकल' फिल्म का एक वीडियो क्लिप शेयर किया। यह फिल्म मुकेश सहगल ने बनाई थी। इसमें देव के. कांतवाल भी मुख्य भूमिका में नजर आए। कहानी एक छोटे लड़के की है, जिसकी जिंदगी तब बदल जाती है जब उसे एक मरे हुए समुद्री डाकू के भूत से दोस्ती हो जाती है। भूत अपनी जादुई ताकतों से लड़के की मदद करता है और शहर को एक बुरे आदमी से बचाता है।

जैकी का वर्कफ्रंट

जैकी अगली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में दिखेंगे। अहमद खान की इस फिल्म में जैकी के अलावा अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, रवीना टंडन, दिशा पटानी, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडिस, श्रेयस, तुषार कपूर, आफताब शिवदासनी, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, मीका सिंह, मुकेश तिवारी, जाकिर हुसैन, यशपाल शर्मा और सयाजी शिंदे भी हैं।

बॉबी देओल को सिनेमा में पूरे हुए 30 साल, फिल्म 'बरसात' से शुरू किया था करियर

बॉबी देओल को हिंदी सिनेमा में आज सोमवार 6 अक्तूबर, 2025 को पूरे 30 साल हो गए हैं। इस खुशी में बॉबी ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी फिल्म 'एनिमल', 'बरसात','गुप्त', 'सोल्जर', 'हमराज' के अलावा अपनी सीरीज 'आश्रम' और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के कई शानदार वीडियो और तस्वीरों का कोलाज शेयर किया।

बॉबी देओल ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी कई फिल्मों और सीरीज का एक शानदार कोलाज शेयर किया, जिसकी शुरुआत उन्होंने फिल्म 'एनिमल' में अपने लुक से की। इस शानदार कोलाज के साथ बॉबी ने कैप्शन में लिखा, 'स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर 30 वर्षों की अनेक भावनाएं... आपके प्यार ने सभी को सार्थक बना दिया। वह आग अभी भी जल रही है और मैं अभी शुरुआत कर रहा हूं।'

बॉबी को सेलेब्स ने दी शुभकामनाएं

बॉबी देओल को सिनेमा में पूरे 30 साल

होने पर कई सेलेब्स और फैंस ने भी बधाई दी है। प्रतीक स्मिता पाटिल ने फायर के साथ किंग क्राउन का इमोजी शेयर किया है। वहीं एक्टर सिकंदर खेन ने लिखा, 'बॉबी को ढेर सारी बधाइयां', निर्देशक नीरज शर्मा ने लिखा, 'मेरे हीरो भाई को ढेर सारा प्यार', एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने लिखा, 'बधाई हो लॉर्ड बॉबी। यह तो बस शुरुआत है। आपको ढेर सारा प्यार।' वहीं बॉबी के कई फैंस ने भी उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने पर ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं।

बॉबी का करियर

बॉबी देओल को सिनेमा में काम करते हुए पूरे 30 साल हो गए हैं। उन्होंने साल 1995 में फिल्म 'बरसात' से अपने करियर की शुरुआत की थी। 'बरसात' के बाद बॉबी ने 'गुप्त', 'सोल्जर', 'बादल', 'बिच्छू', 'अजनबी' और 'हमराज' जैसी कई सफल फिल्मों और हालिया रिलीज सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में मुख्य भूमिकाएं निभाईं। बहरहाल, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब बॉबी फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगे।

कौन हैं दीपक चाहर की बहन मालती?

सलमान खान के शो 'बिग बॉस 19' में हुई है जिनकी एंट्री

रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। अब इस शो में एक और सदस्य जुड़ गया है। मालती चाहर वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के रूप में शो में शामिल हुई हैं। उनकी एंट्री की चर्चा काफी दिनों से थी, मगर अब वे फाइनली शो का हिस्सा बन गई हैं। मालती, क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन हैं। वे अभिनेत्री, लेखिका और निर्देशक हैं।

खबरों में हैं मालती

मालती चाहर को लेकर उनके बिग बॉस 19 शो में एंट्री से पहले से ही काफी चर्चा चल रही थी। फैंस उनकी जिंदगी और करियर के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। अब जब वे बिग बॉस के 19वें सीजन का हिस्सा बन चुकी हैं और घर में कदम रख दिए हैं, तो जानिए उनके बारे में कुछ अहम बातें। लोग उन्हें दीपक चाहर की बहन के रूप में जान रहे हैं, मगर मालती की अपनी पहचान है।

परिवार का खेल से है नाता

मालती न केवल एक अभिनेत्री हैं, बल्कि एक मॉडल, कंटेंट क्रिएटर और फिल्म निर्माता भी हैं। वह भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन हैं। उनके परिवार का क्रिकेट से भी गहरा नाता है। उनके चचेरे भाई राहुल चाहर भी भारत के लिए खेलते हैं। मालती का जन्म 15 नवंबर, 1990 को आगरा, उत्तर प्रदेश में हुआ था और वह एक खेल-प्रेमी परिवार में पली-बढ़ीं।

सौंदर्य प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा

मालती को पहली बार पहचान तब मिली जब उन्होंने सौंदर्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। मालती फेमिना मिस इंडिया 2014 की फाइनलिस्ट थीं और उन्होंने फेमिना मिस इंडिया दिल्ली 2014 में मिस फोटोजेनिक का खिताब भी जीता। इसने मनोरंजन उद्योग में उनके करियर के लिए दरवाजे खोल दिए।

इन फिल्मों में किया काम

बाद में मालती ने अभिनय की ओर रुख किया और 2018 में अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित बॉलीवुड फिल्म 'जीनियस' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। साल 2022 में, उन्होंने अरविंद पांडे द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा 'इश्क पश्मीना' में अभिनय किया। अभिनय के अलावा, मालती ने फिल्म निर्माण में भी रुचि दिखाई है। उन्होंने लघु फिल्मों का निर्देशन और निर्माण किया है।

सोशल मीडिया पर अच्छी फॉलोइंग

मालती चाहर सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। यहां वह अक्सर अपने पेशेवर जीवन और निजी पलों के बारे में पोस्ट करती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनके 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। देखना दिलचस्प होगा कि बिग बॉस 19 में वे दर्शकों का मनोरंजन किस तरह कर पाती हैं और शो में अपनी जगह कैसी बनाती हैं।

रश्मिका से सगाई की खबर के बीच विजय की रिंग ने बढ़ाई फैंस में हलचल

अगले साल फरवरी में विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना शादी करेंगे, इस बात को एक्टर की टीम ने कुछ दिन पहले कंफर्म किया था। एक हालिया वायरल वीडियो विजय सगाई की अंगूठी पहने भी नजर आए। इस बात से फैंस काफी खुश हैं। पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश) में स्थिति श्री सत्य साई बाबा महासमाधि दर्शन के लिए विजय पहुंचे थे।

गुलदस्ता लेते वक्त नजर आई अंगूठी

श्री सत्य साई बाबा महासमाधि दर्शन के दौरान ही विजय देवरकोंडा का एक वीडियो वायरल हुआ। जहां वह संस्था के एक व्यक्ति से गुलदस्ता ले रहे हैं। इसी दौरान उनकी रिंग नजर आती है। रिंग विजय ने उसी हाथ में पहनी, जिसमें सगाई की अंगूठी पहनी जाती है।

फैंस ने दी विजय देवरकोंडा को बधाई

कई फैंस का ध्यान विजय की अंगूठी पर गया। फैंस ने विजय की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया और उन्हें बधाई भी दी है। सगाई की खबर के बाद से विजय और रश्मिका साथ नजर नहीं आए हैं। जबकि सगाई से पहले कई बार दोनों को साथ देखा गया।

विजय और रश्मिका मंदाना का करियर फ्रंट

विजय देवरकोंडा के करियर फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उनकी एक फिल्म 'किंगडम' रिलीज हुई। वहीं जल्द ही रश्मिका मंदाना की एक साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' रिलीज होगी। इसके अलावा वह आयुष्मान खुराना के साथ बॉलीवुड फिल्म 'थामा' में भी नजर आएंगी।

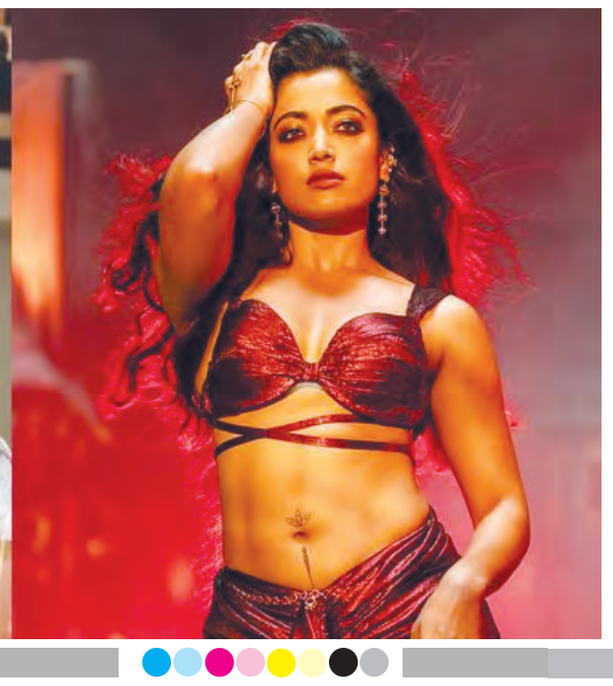

शुगर नहीं रहता है कंट्रोल तो अंधेपन का हो सकता है खतरा

ब्लड शुगर का सामान्य से अधिक बने रहना सेहत के लिए कई मामलों में गंभीर हो सकता है। हाई शुगर लेवल के कारण टाइप-2 डायबिटीज की समस्या होती है, जिसे वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती क्रोनिक बीमारी के रूप में जाना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यदि आप अपने शुगर को ठीक तरीके से कंट्रोल नहीं रखते हैं तो इसका कई अंगों पर नकारात्मक असर हो सकता है। यही कारण है कि डायबिटीज के शिकार लोगों में हृदय रोग, किडनी की बीमारी, पैरों में घाव होने और आंखों की समस्याओं का खतरा ज्यादा देखा जाता रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, डायबिटीज रोगियों में आंखों की बीमारी, कम दिखाई देने जैसी समस्याओं का जोखिम अन्य लोगों की तुलना में अधिक होता है। समय के साथ, मधुमेह की बीमारी आंखों की तंत्रिकाओं, रेटिना को नुकसान पहुंचाने लगती है। इससे अंधेपन का भी खतरा हो सकता है।

डायबिटीज में आंखों की समस्याएं

डायबिटीज ऐसी बीमारी है जिसमें आपके रक्त में ग्लूकोज या शुगर का स्तर बहुत अधिक हो जाता है। हमारे शरीर की कोशिकाओं को ऊर्जा के लिए ग्लूकोज की आवश्यकता होती है। इंसुलिन नामक हार्मोन ग्लूकोज को आपकी कोशिकाओं में जाने में मदद करता है। टाइप-2 डायबिटीज की स्थिति में आपका शरीर इंसुलिन का निर्माण या उपयोग ठीक से नहीं करता है। पर्याप्त इंसुलिन के बिना खून में ग्लूकोज का स्तर बढ़ने लगता है। ये स्थिति आंखों की रक्त वाहिकाओं और लेंस को नुकसान पहुंचाने वाली मानी जाती है। डायबिटीज में आंखों की रक्त वाहिकाओं को होने वाले नुकसान को डायबिटिक रेटिनोपैथी के नाम से जाना जाता है।

गर्भावस्था के दौरान बरतें विशेष सावधानी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गर्भावस्था के दौरान मधुमेह की समस्या (गर्भावस्था मधुमेह) या गर्भवती होने से पहले मधुमेह होने पर डायबिटिक रेटिनोपैथी का खतरा और भी बढ़ जाता है। यदि आप गर्भवती हैं और डायबिटीज की भी समस्या है तो गर्भावस्था के दौरान नेत्र चिकित्सक से मिलकर अपने जोखिमों की जांच जरूर करा लें।

गर्भावस्था के दौरान शुगर को कंट्रोल रखना और भी आवश्यक हो जाता है क्योंकि हाई शुगर के कारण कई अन्य तरह की जटिलताओं का जोखिम बढ़ सकता है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी में क्या दिक्कतें होती हैं?

डायबिटिक रेटिनोपैथी वयस्कों में अंधेपन का प्रमुख कारण है। यह रेटिना में मौजूद रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करती है। इसके कारण रक्त वाहिकाओं में सूजन या आंख में तरल पदार्थ का रिसाव हो सकता है।

शुरुआती चरणों में, मधुमेह के कारण होने वाली आंखों की समस्याओं में आमतौर पर कोई लक्षण नहीं होते हैं। इसलिए नियमित रूप से आंखों की जांच कराना बहुत जरूरी है, भले ही आपको लगे कि आंखें स्वस्थ हैं। डायबिटीज रोगियों को कुछ लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है।

आंखों में धब्बे या गहरे रंग की लहरदार रेखाएं दिखना।

देखते समय ऐसे लगना जैसे कुछ काली छाया हो।

कम दिखाई देना।

आंखों में दर्द या लालिमा की दिक्कत बनी रहना।

कैसे करें इन समस्याओं से बचाव?

मधुमेह में आंखों को होने वाले नुकसान से बचे रहने के लिए अपने ब्लड शुगर को अच्छे तरीके से नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है। इसके अलावा नियमित रूप से आंखों की जांच जरूर कराते रहें। ब्लड शुगर के अलावा ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल का बढ़े रहना भी आंखों के लिए हानिकारक है।

डायबिटीज के शिकार लोगों को आहार को लेकर भी विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। स्वस्थ और पौष्टिक आहार, विटामिन ए-सी, एंटीऑक्सीडेंट वाली चीजें आंखों की समस्याओं के कम करने और शुगर को कंट्रोल रखने में भी मददगार हो सकती है।

इन लक्षणों का मतलब आप बहुत ज्यादा पी रहे हैं कॉफी, क्या हो सकते हैं इसके नुकसान

कैफीन एक उत्तेजक पदार्थ है जो तुरंत सतर्कता, ऊर्जा और एकाग्रता को बढ़ाने में मदद करती है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि संयमित मात्रा में कॉफी का सेवन किया जाए तो इससे लिवर की बीमारियों जैसे फैटी लिवर का खतरा कम किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर कुछ अध्ययन बताते हैं कि ज्यादा कैफीन प्रजनन, गर्भावस्था, ग्लूकोज कंट्रोल जैसी कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकती है। कैफीन वाली चीजों के अधिक सेवन के कारण मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं जैसे एंग्जाइटी-डिप्रेशन का खतरा भी बढ़ सकता है।

कॉफी पीने के फायदे और नुकसान

शोध में पाया गया है कि कैफीन का अगर संयमित मात्रा में सेवन किया जाए तो इससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा लिवर और मस्तिष्क के लिए भी इसे लाभकारी पाया गया है। पर कुछ अध्ययन बताते हैं कि अगर

आप ज्यादा कॉफी पीते हैं तो इससे टाइप-2 डायबिटीज और गर्भावस्था से संबंधित कई तरह की दिक्कतों के बढ़ने का खतरा हो सकता है। कुछ अध्ययनों में ज्यादा कैफीन को प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला भी पाया गया है।

चिंता-तनाव की बढ़ सकती है समस्या

कैफीन को सतर्कता बढ़ाने के लिए जाना जाता है। यह एडेनोसिन के प्रभाव को कम कर देती है। एडेनोसिन मस्तिष्क में मौजूद एक रसायन है जो आपको थका हुआ महसूस कराता है। जब आप बहुत ज्यादा कॉफी पीने लगते हैं तो मस्तिष्क की अति सक्रियता के कारण आपको चिंता और घबराहट जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन के विशेषज्ञों ने कहा, जिन लोगों को इस तरह की दिक्कत रहती है उन्हें कैफीन का सेवन कम करना चाहिए।

नींद न आने की समस्या

कैफीन वाली चीजें आपको जागते रहने में मदद करती हैं। हालांकि बहुत अधिक मात्रा में कैफीन का सेवन करने के कारण आपको अच्छी नींद पाने में भी मुश्किल हो सकती है। अध्ययनों में पाया गया है कि कैफीन की अधिकता के कारण कई लोगों को अनिद्रा की समस्या होने लगती है। यदि आप भी नींद पूरी न होने की दिक्कत से परेशान रहते हैं तो कैफीन या कॉफी का सेवन कम कर दें।

उच्च रक्तचाप का हो सकता है खतरा

कैफीन को वैसे तो हृदय स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक नहीं पाया गया है हालांकि अधिक मात्रा में कॉफी पीने से तंत्रिका तंत्र पर इसके उत्तेजक प्रभाव के कारण रक्तचाप बढ़ने का खतरा हो सकता है। उच्च रक्तचाप दिल का दौरा और स्ट्रोक के लिए एक जोखिम कारक माना जाता है। ये हृदय और मस्तिष्क दोनों के लिए खतरनाक है। इसलिए यदि आपका भी ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा रहता है तो कॉफी का सेवन कम कर देना चाहिए।

गाजर के साथ ये चीजें भी हैं आंखों की रोशनी के लिए 'रामबाण'

हर साल अक्टूबर महीने के दूसरे गुरुवार को 'वर्ल्ड साइट डे' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य आंखों के स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना है। अक्सर जब हम आंखों की रोशनी बढ़ाने की बात करते हैं, तो सबसे पहले हमारे दिमाग में गाजर का नाम आता है। यह बात सही रहे हैं गाजर हमारे आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन इसके अलावा भी कई चीजें हैं जिसका सेवन करने से हमारी आंखों की रोशनी अच्छी होती है।

हमारे आसपास कई ऐसे सुपरफूड्स मौजूद हैं, जिनमें विटामिन और मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है, जो आंखों की रोशनी को बनाए रखने और उन्हें स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह जानना बहुत जरूरी है कि हमारी आंखों को सिर्फ विटामिन-ए ही नहीं, बल्कि विटामिन-सी, विटामिन-ई, जिंक और ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे कई पोषक तत्वों की भी जरूरत होती है।

सही पोषण की कमी से आंखों में सूखापन, रेटिना को नुकसान और यहां तक कि उम्र से संबंधित मैक्युलर डिजनरेशन जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए आइए इस लेख में गाजर के अलावा चार ऐसी चीजों के बारे में

जानते हैं, जो आपकी आंखों के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल और मेथी जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों में ल्यूटिन और जेक्सैंथिन जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। ये दोनों पोषक तत्व आंखों के रेटिना में मौजूद होते हैं और उन्हें हानिकारक नीली रोशनी (ब्लू लाइट) से बचाते हैं, जो डिजिटल स्क्रीन से निकलती है। इनका नियमित सेवन मोतियाबिंद और उम्र से संबंधित मैक्युलर डिजनरेशन जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करता है।

अंडे

अंडे प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत तो हैं ही, लेकिन आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। अंडे

की जर्दी में ल्यूटिन, जेक्सैंथिन और जिंक की अच्छी मात्रा होती है। जिंक आंखों के रेटिना के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है और यह विटामिन-ए को लिवर से रेटिना तक पहुंचाने में मदद करता है, जिससे रात में देखने की क्षमता बेहतर होती है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड

सैल्मन, टूना और मैकेरल जैसी फैट वाली मछलियां ओमेगा-3 फैटी एसिड का सबसे अच्छा स्रोत हैं, अगर आप शाकाहारी हैं तो आप अखरोट, चिया सीड्स या अलसी के बीच का सेवन भी कर सकते हैं।। ओमेगा-3 फैटी एसिड रेटिना के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और यह आंखों के सूखेपन की समस्या को भी कम करने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से रेटिना को पोषण मिलता है और आंखों की रोशनी बनी रहती है।

खट्टे फल और मेवे

संतरे, नींबू और अंगूर जैसे खट्टे फल विटामिन-सी से भरपूर होते हैं, जो आंखों की रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करता है। मेवे, जैसे बादाम और अखरोट, विटामिन-ई और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं। ये दोनों ही पोषक तत्व आंखों को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं और उन्हें स्वस्थ रखते हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस में खोखली हो जाती हैं हड्डियां

ठोकर लगने से भी हो सकता है फ्रैक्चर

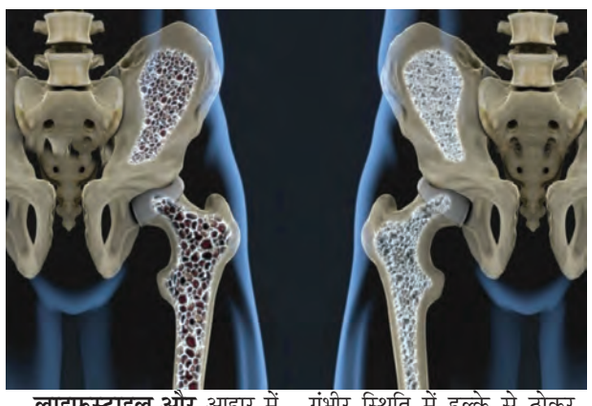

लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ता जा रहा है। हड्डियों पर भी इसका नकारात्मक असर होता है, जिसके परिणामस्वरूप आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी दिक्कतें काफी आम हो गई हैं। हड्डियों में होने वाली किसी भी तरह की समस्या क्वालिटी ऑफ लाइफ को प्रभावित करने वाली हो सकती है क्योंकि इसमें चलना-दौड़ना और दिनचर्या के सामान्य कार्य करना भी कठिन हो जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या कई मामलों में ज्यादा चुनौतीपूर्ण मानी जाती है।

ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी आपकी हड्डियों को बहुत कमजोर कर देती है। आपकी हड्डियां सामान्य से कहीं ज्यादा पतली और कम घनत्व वाली हो जाती हैं, जिसके कारण इनके टूटने का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। इस बीमारी की गंभीर स्थिति में हल्के से ठोकर, खांसने-छींकने के कारण भी फ्रैक्चर होने का खतरा हो सकता है।

हड्डियों के स्वास्थ्य के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने तथा ऑस्टियोपोरोसिस के निदान और उपचार के बारे में लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस मनाया जाता है।

ऑस्टियोपोरोसिस के बारे में जानिए

ऑस्टियोपोरोसिस आपकी हड्डियों को काफी कमजोर और भंगुर बना देती है। समय के साथ ये इतनी कमजोर हो जाती हैं कि गिरने या यहां तक कि झुकने या खांसने जैसे हल्के तनाव से भी इनके टूटने का खतरा रहता है। कूल्हे, कलाई या रीढ़ की हड्डी में ऑस्टियोपोरोसिस के कारण फ्रैक्चर के सबसे ज्यादा मामले देखे जाते हैं। असल में हमारी हड्डियां ऐसे ऊतकों से बनी होती हैं जो लगातार टूटती और बनती रहती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या में हड्डियों की कोशिकाओं में क्षति तो होती है लेकिन नए सिरे से इसका निर्माण नहीं हो पाता है। इससे समय के साथ हड्डियों काफी खोखली और कमजोर हो जाती हैं।

क्यों होती है ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या?

उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों में कमजोरी और इसके फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। 50 की उम्र के बाद आपमें ऑस्टियोपोरोसिस होने का जोखिम भी बढ़ जाता है। जिन लोगों में हड्डियां खुद को फिर से विकसित करने और सुधारने की अपनी क्षमता खो देती हैं उनमें इस रोग के मामले सबसे ज्यादा देखे जाते रहे हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस किसी को भी हो सकता है। कुछ लोगों में इसका खतरा अधिक होता है।

50 वर्ष से अधिक आयु के लोग।

जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को ऑस्टियोपोरोसिस रहा है उनमें भी ये समस्या हो सकती है।

महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस होने की आशंका पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक होती है।

ऑस्टियोपोरोसिस हो जाए तो क्या करें?

जिन लोगों को ऑस्टियोपोरोसिस की दिक्कत होती हैं उन्हें फ्रैक्चर से बचे रहने के लिए विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। उपचार के दौरान मुख्य लक्ष्य हड्डियों के नुकसान को धीमा करना और हड्डियों के मौजूद ऊतकों को मजबूत बनाना होता है। इसके लिए डॉक्टर आपको कुछ दवाएं दे सकते हैं। विटामिन्स और मिनरल्स के सप्लीमेंट हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं।

डॉक्टर की सलाह पर कुछ प्रकार के व्यायाम को भी दिनचर्या में शामिल करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए क्या करें?

हड्डियों की दिक्कतों के लिए कैल्शियम की कमी को प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस के विकास में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आहार में कैल्शियम की कमी हड्डियों के घनत्व को कम करने, हड्डियों को जल्दी क्षति पहुंचाने और फ्रैक्चर के जोखिमों को बढ़ाने वाली मानी जाती है। आहार में कैल्शियम और विटामिन डी वाली चीजों को शामिल करना, नियमित व्यायाम की आदत बनाना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल (शारीरिक निष्क्रियता) वाले लोगों में इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है, इसलिए जरूरी है कि रोजाना कम से कम 30 मिनट के व्यायाम की आदत बनाएं।

आपकी आदतें 'साइलेंटली' आपकी किडनी को कर रही हैं खराब

हमारे शरीर में किडनी की भूमिका एक फिल्टर की तरह होती है, जो रक्त से हानिकारक तत्वों और अतिरिक्त तरल पदार्थों को हटाकर शरीर को स्वस्थ रखती है। मगर हमारी रोजमर्रा की कुछ ऐसी आदतें हैं जो धीरे-धीरे हमारी किडनी को नुकसान पहुंचा रही हैं। खराब जीवनशैली और कुछ गलत आदतें किडनी की बीमारी का कारण बन सकती हैं, जिसे अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, क्योंकि इसके लक्षण शुरुआती चरण में दिखाई नहीं देते हैं।

इन आदतों में सबसे प्रमुख हैं कम पानी पीना, दर्द निवारक दवाओं का अत्यधिक सेवन करना, अनियंत्रित ब्लड शुगर और हाई ब्लड प्रेशर। इन समस्याओं के कारण किडनी की कार्यक्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है, और जब तक इसका पता चलता है, तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है।

आंकड़ों के अनुसार, भारत में क्रोनिक किडनी डिजीज के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे किडनी फेलियर का खतरा बढ़ रहा है। इसलिए अपनी आदतों में सुधार लाना और किडनी के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना बहुत जरूरी है, ताकि इस गंभीर समस्या से बचा जा सके।

कम पानी पीना

शरीर को सही तरीके से काम

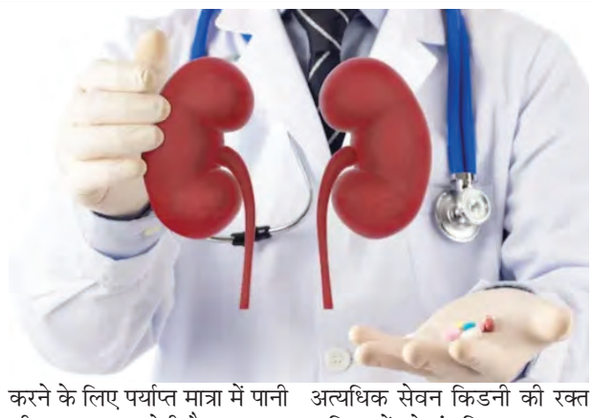

करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। जब आप कम पानी पीते हैं, तो शरीर में विषाक्त पदार्थ और अपशिष्ट जमा होने लगते हैं, जिससे किडनी पर दबाव बढ़ता है। पर्याप्त पानी पीने से किडनी इन विषाक्त पदार्थों को आसानी से बाहर निकाल पाती है। कम पानी पीने से किडनी में पथरी (किडनी स्टोन) का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए हर दिन 8-10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए।

दर्द निवारक दवाओं का अधिक सेवन

अक्सर लोग हल्के-फुल्के दर्द या बुखार होने पर बिना डॉक्टर की सलाह के दर्द निवारक दवाएं (पेनकिलर्स) ले लेते हैं। इन दवाओं में मौजूद तत्व, खासकर NSAIDs (नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इन्फ्लेमेटरी ड्रग्स), किडनी के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इनका लंबे समय तक या अत्यधिक सेवन किडनी की रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर सकता है, जिससे रक्त प्रवाह कम हो जाता है और किडनी को नुकसान पहुँचता है। इन दवाओं का सेवन केवल डॉक्टर की सलाह पर ही

करें।

हाई ब्लड प्रेशर और अनियंत्रित ब्लड शुगर

हाई ब्लड प्रेशर और अनियंत्रित ब्लड शुगर (मधुमेह) किडनी की बीमारियों के दो सबसे बड़े कारण हैं। हाई ब्लड प्रेशर किडनी की छोटी रक्त वाहिकाओं को क्षतिग्रस्त कर देता है, जिससे उसकी कार्यक्षमता कम हो जाती है। इसी तरह अनियंत्रित ब्लड शुगर भी इन वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है, जिसे डायबिटिक नेफ्रोपैथी कहते हैं। इन दोनों स्थितियों को सही जीवनशैली से नियंत्रित करना बहुत जरूरी है।

अत्यधिक नमक और प्रोसेस्ड फूड

नमक में सोडियम होता है, जिसकी अधिक मात्रा शरीर में पानी जमा कर देती है और ब्लड प्रेशर को बढ़ाती है, जो सीधे तौर पर किडनी पर दबाव डालता है। प्रोसेस्ड फूड में भी सोडियम, फास्फोरस और पोटेशियम की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जो किडनी के लिए हानिकारक हैं। स्वस्थ रहने के लिए, अपने भोजन में नमक की मात्रा कम करें और ताजे फल, सब्जियां, और घर का बना खाना खाएं। इन आदतों में सुधार लाकर आप अपनी किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं।

शहद-अदरक वाले कफ सिरप कितने सुरक्षित, क्या इनका कर सकते हैं इस्तेमाल?

मध्य प्रदेश-राजस्थान में कफ सिरप पीने और इसके कारण हुई किडनी फेलियर से बच्चों की मौत के मामलों को लेकर हर तरफ चर्चा देखी जा रही है। मेडिकल रिपोर्टस में कहा जा रहा है कि इन सिरप में कुछ ऐसे कंपोनेंट्स जैसे डायथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल की मौजूदगी थी, जिन्हें इंसानी सेहत के लिए कई प्रकार से खतरनाक बताया जाता रहा है। कई राज्यों में इस मामले के सामने आने के बाद 'कोलड्रिफ सिरप' को बैन तक कर दिया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सलाह दी है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और जुकाम की दवाएं न दी जाएं।

अब सवाल ये है कि जब बच्चों के लिए कफ सिरप्स इतने नुकसानदायक हो सकते हैं तो अब से बच्चों को सर्दी-जुकाम हो तो उन्हें क्या दवाएं दी जानी चाहिए? क्या बाजार में मिलने वाले आयुर्वेदिक कफ सिरप का इस्तेमाल किया जा सकता है? क्या आयुर्वेदिक कफ सिरप अच्छा विकल्प हो सकते हैं?

घरेलू उपायों से सर्दी-खांसी में आराम

आमतौर पर बचपन से ही दादी-नानी, सर्दी-जुकाम होने पर मुलेठी, शहद, तुलसी जैसे घरेलू उपायों की सलाह देती थीं। बाजार में इन्हीं उत्पादों की लेबलिंग के साथ कई कफ सिरप आसानी से उपलब्ध होते हैं। चूंकि ये घरेलू उपाय सर्दी-खांसी होने पर आराम देते रहे हैं, तो स्वाभाविक है कि इनकी लेबलिंग के साथ बिकने वाले सिरप को भी लोग उतना ही विश्वसनीय मान लेते हैं।

क्या इस तरह के आयुर्वेदिक कफ सिरप का इस्तेमाल सुरक्षित हैं? क्या अब से बच्चों और बड़ों के लिए इनका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। आइए इस बारे में विशेषज्ञ से समझते हैं।

बच्चों के लिए दवाओं का इस्तेमाल

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि 6 माह से कम उम्र के बच्चों को कोई भी कफ सिरप दिया ही नहीं जाना चाहिए। यहां तक कि डॉक्टर्स सर्दी-खांसी के लिए सबसे ज्यादा प्रयोग में लाए जाने वाले घरेलू उपाय शहद को भी 6 माह से कम उम्र के बच्चों को न देने की सलाह देते हैं।

2 साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी-जुकाम होने पर डॉक्टरी सलाह पर लक्षणों से राहत देने वाली दवाएं दी जानी चाहिए पर कफ सिरप नहीं। 5 साल से अधिक उम्र के बच्चों को डॉक्टर की सलाह पर उचित डोज में कुछ सिरप दिए जा सकते हैं।

जहां तक आयुर्वेदिक कफ सिरप, जिसमें तुलसी, शहद, अदरक के गुण होने के दावे और इसके लेबलिंग के साथ बेचा जाता है, डॉक्टर्स इन दवाओं के भी आम इस्तेमाल के पक्ष में नहीं हैं।

कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक है टैरिफ: इस अर्थशास्त्री ने दी चेतावनी

कहा- भारत पर सबसे अधिक असर

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाया गया टैरिफ कोरोना महामारी से भी ज्यादा खतरनाक है। यह बात एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री एरिक बर्गलोफ ने कही।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के टैरिफ ने कोविड महामारी या वैश्विक वित्तीय संकट से भी ज्यादा अनिश्चितता पैदा की है। उनका यह भी मानना है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं हमेशा बनी रहेंगी।

भारत पर टैरिफ का ज्यादा असर

एरिक बर्गलोफ ने बताया कि टैरिफ से दुनिया भर में बहुत अनिश्चितता पैदा होती है। हर देश में इसका असर दिखता है। दुर्भाग्य से, भारत उन देशों में से एक है जिस पर इसका सबसे ज्यादा असर हुआ है। यह नीतिगत अनिश्चितता पहले कभी नहीं देखी गई। यह कोविड महामारी और वैश्विक वित्तीय संकट के समय से भी ज्यादा बड़ी है।

उन्होंने कहा कि इससे निवेश और व्यापार पर बहुत ज्यादा लागत आएगी। आर्थिक विकास पर भी इसका बहुत बड़ा असर पड़ेगा। कुछ अनिश्चितता अब कम हो रही है, जो अच्छी बात है। लेकिन अभी भी हमें बहुत आगे जाना है।

यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि अमेरिका और चीन के संबंध कैसे रहेंगे। बर्गलोफ ने कहा कि एक बात साफ है कि दुनिया भर में टैरिफ का स्तर बहुत ज्यादा हो जाएगा।

चीन की तैयारी थी पूरी

एरिक बर्गलोफ ने बताया कि अमेरिकी टैरिफ से निपटने के लिए चीनी सरकार बहुत अच्छी तरह से तैयार थी।

वे इसकी उम्मीद कर रहे थे। बर्गलोफ ने बताया कि चीन के पास कुछ क्षेत्रों में बहुत ज्यादा ताकत है। इस ताकत ने बातचीत को संतुलित करने में मदद की है।

ट्रंप ने किया है 'ब्लंडर', अब सारा काम भारत की झोली में गिरेगा, क्या उलटी पड़ेगी फीस वाली चाल?

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को झटके पर झटका दे रहे हैं। भारतीय सामानों पर टैरिफ को 50% तक बढ़ाने के बाद उन्होंने हाल में एच-1बी वीजा फीस में बेतहाशा बढ़ोतरी की। इसके लिए, फीस बढ़ाकर 1,00,000 डॉलर (करीब 88 लाख रुपये) कर दी गई। इसका सबसे ज्यादा फायदा भारतीय उठाते रहे हैं। ट्रंप की मंशा है कि अमेरिका में काम कर रही कंपनियां वहीं के लोगों को नौकरी दें। बाहर से सिर्फ बहुत एक्सपर्ट लोगों को ही बुलाया जाए। हालांकि, कई जानकार मानते हैं कि ट्रंप का यह फैसला उलटा पड़ेगा।

आरिन कैपिटल के चेयरमैन मोहनदास पई भी उन्हीं में शामिल हैं। उन्हें लगता है कि ट्रंप ने ऐसा करके ब्लंडर किया है। यह चाल लंबी अवधि में ट्रंप पर उलटी पड़ेगी। इससे क्रिटिकल वर्क भारत की झोली में गिरेगा। मोहनदास पई ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में कहा कि भारतीय टेक कर्मचारियों को 'सस्ता श्रम' कहना गलत है। उन्होंने बताया कि भारतीय कंपनियां एच-1बी वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों को पहले से ही बहुत ज्यादा सैलरी देती हैं। पई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा फीस को 1,00,000 डॉलर तक बढ़ाने के फैसले की आलोचना की। लेकिन, यह भी कहा कि इसका तुरंत कोई बड़ा असर नहीं होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की बातें अमेरिका से महत्वपूर्ण काम को भारत या अन्य देशों में धकेल सकती हैं। इसके कारण भारतीय कर्मचारियों के खिलाफ 'दुश्मनी भरा माहौल' पैदा हो सकता है। पई ने ट्रंप के एच-1बी फीस बढ़ाने के फैसले पर विस्तार से बात की। उन्होंने साफ किया कि यह बढ़ी हुई फीस अगले साल के लिए है। यह अभी लागू नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि एच-1बी आवेदन के लिए लॉटरी अगले साल अप्रैल तक हो सकती है। इसका मतलब है कि अगले 12 महीनों तक इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। पई ने कहा, 'मैं तथ्य बताता हूं। राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या किया है? उन्होंने एच-1बी आवेदन पर देय शुल्क को 100,000 डॉलर तक बढ़ा दिया है। यह अगले साल के लिए लागू होगा। इस साल के लिए नहीं।'उन्होंने यह भी बताया कि पहले से ही लाखों एच-1बी वीजा धारक अमेरिका में हैं। इन पर इस नए नियम का कोई असर नहीं होगा। अमेरिका में लगभग 3,00,000 एच-1बी धारक हैं। इनमें से 2,35,000 भारतीय हैं। यह कुल संख्या का 70% है। ये लोग पुराने नियमों के तहत ही अपना वीजा रिन्यू करा सकते हैं। यह वीजा तीन साल के लिए होता है। इसे नौ या बारह साल तक बढ़ाया जा सकता है। उनके लिए लागत में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।पई ने समझाया, 'अब 3,00,000 या उससे ज्यादा मौजूदा एच-1बी धारकों का एक स्टॉक है और 2,35,000 भारतीय हैं - 70%। तो वे पुराने मानदंडों के तहत जारी रहेंगे। वे हर तीन साल में नौ साल या 12 साल तक नवीनीकरण कर सकते हैं या ग्रीन कार्ड फाइल कर सकते हैं। उनके लिए लागत में कोई बढ़ोतरी नहीं है। लागत में बढ़ोतरी केवल अगले साल के लिए है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 583 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 582.95 अंक या 0.72 प्रतिशत उछलकर 81,790.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 639.25 अंक या 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,846.42 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 183.40 अंक या 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,077.65 पर आ गया। निवेशकों की लिवाली के चलते सोमवार को निफ्टी तीन सत्रों में 466 अंक या 1.89 प्रतिशत बढ़कर 25,000 के स्तर पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, इटरनल, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फिनसर्व प्रमुख लाभ में रहे। वहीं टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और टाइटन पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले वित्तीय सेवाओं और आईटी क्षेत्रों में बढ़त के चलते घरेलू शेयर बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ सत्र का अंत किया। बड़े बैंकों द्वारा घोषित मजबूत तिमाही अपडेट और आकर्षक मूल्यांकन से बैंकिंग सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन किया।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक लगभग 5 प्रतिशत उछल गया, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। यूरोप के शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 65.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.78 प्रतिशत बढ़कर 65.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,583.37 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

24 घंटे में 1.78 लाख करोड़ रुपये स्वाहा बिटकॉइन क्रिप्टो में आई बड़ी गिरावट

रेकॉर्ड लेवल से उतरी कीमत

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में सोमवार को बड़ी गिरावट आई। इससे पहले संडे को बिटकॉइन अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। रविवार को एक बिटकॉइन की कीमत 125245 डॉलर तक चली गई थी। वहीं 24 घंटे के भीतर ही इसमें बड़ी गिरावट आई। यह 2 फीसदी से ज्यादा गिरकर 122573 डॉलर पर आ गई थी। पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन के मार्केट कैप में 1.78 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। यानी निवेशकों के 24 घंटे में 1.78 लाख करोड़ रुपये डूब गए। हालांकि बाद में बिटकॉइन ने कुछ रिकवरी भी की। सोमवार दोपहर 1 बजे बिटकॉइन करीब 123740 डॉलर थी। पिछले 24 घंटे में इसमें 0.76% की गिरावट आई है। अमेरिकी सरकार के शटडाउन के बावजूद ईटीएफ में लगातार निवेश आ रहा था, जिसकी वजह से बिटकॉइन ने रविवार को रेकॉर्ड हाई बनाया था।

लेकिन बाद में इसमें गिरावट आई।

बाकी क्रिप्टो का क्या हाल?

भारतीय समय के अनुसार सुबह 10:22 बजे, बिटकॉइन पिछले 24 घंटों में 1.30% नीचे था और 1,23,796 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। हालांकि पूरे हफ्ते में इसमें लगभग 10.65% की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम भी 1.14% फिसलकर 4,529 पर आ गई। एक्सआरपी, बीएनबी, सोलाना, ट्रॉन, डॉगकॉइन, हाइपरलिक्विड और कार्डानो जैसे अन्य प्रमुख टोकन में भी इसी अवधि में 3% तक की गिरावट देखी गई।

क्यों बढ़ रही बिटकॉइन की मांग?

यूनोकॉइन के को-फाउंडर और सीईओ सात्विक विश्वनाथ ने बताया कि बिटकॉइन की मांग कई कारणों से बढ़ रही है। इसमें बड़े संस्थानों की दिलचस्पी, स्पॉट ईटीएफ में आने वाला पैसा और वैश्विक अनिश्चितता के बीच इसे सुरक्षित निवेश मानना शामिल है। उन्होंने कहा, हालांकि मजबूत अमेरिकी डॉलर या नियामक सख्ती जैसे बड़े आर्थिक जोखिमों से इसमें तेज गिरावट आ सकती है। कुल मिलाकर बिटकॉइन अभी भी तेजी में है, लेकिन इसमें उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

अक्टूबर में तेजी

एक्सपर्ट के अनुसार क्रिप्टोकरेंसी बाजार इस 'अपटूबर' (अक्टूबर महीने में तेजी का रुझान) में पूरी तरह से जोश में है। 4.5 अरब डॉलर से अधिक के मजबूत ईटीएफ निवेश और नए सिरे से संस्थागत मांग (जिसमें 302 मिलियन डॉलर का संचय शामिल है) इस तेजी को बढ़ावा दे रहे हैं। यह दर्शाता है कि बड़े निवेशक और संस्थान भी अब क्रिप्टोकरेंसी में अपनी दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

काम कर रहा डोनाल्ड ट्रंप का दबाव!

रूस से घट गया कच्चे तेल का आयात, कौन उठा रहा है फायदा?

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगा रखा है। लेकिन रूस अब भी भारत का सबसे बड़ा ऑयल सप्लायर बना हुआ है। हालांकि सितंबर में भारत की कुल ऑयल इंपोर्ट में रूस की हिस्सेदारी 33.9% रह गई है जो अप्रैल में 40% थी।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से ट्रेड डील के लिए बातचीत हो रही है। लेकिन अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से तेल की खरीदारी बंद करे। भारत दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा बड़ा इंपोर्टर है। हिंदू बिजनेसलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में भारत के रूस से रोजाना 16 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात किया। हालांकि यह साल के पहले नौ महीने के औसत से करीब 1,60,000 बैरल कम है। इराक इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। भारत ने सितंबर में इराक से रोजाना 8.81 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात किया जो भारत के कुल इंपोर्ट का करीब 18.7 फीसदी है। इसके बाद सऊदी अरब (12.8%), यूएई (12.6%), नाइजीरिया (4.9%), अमेरिका (4.3%) और अंगोला (2.7%) का नंबर है। जानकारों का कहना है कि अमेरिका की तरफ से बढ़ रहे दबाव के बीच भारत अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई कर रहा है। मिडिल ईस्ट, लैटिन अमेरिका और यूएस से तेल की खरीद बढ़ाई जा रही है।

यूक्रेन युद्ध से पहले भारतीय आयात में रूस की हिस्सेदारी बहुत कम थी। लेकिन उसके बाद पश्चिमी देशों ने रूस से तेल की खरीद बंद कर दी और उसने भारत तथा चीन को सस्ते में तेल बेचना शुरू किया। इससे रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बन गया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

गृह स्थिति	
सूर्य	कन्या
चंद्र	मीन
मंगल	तुला
बुध	तुला
गुरु	मिथुन
शुक्र	सिंह
शनि	मीन
राहु	कुंभ
केतु	सिंह

लग्नारंभ समय	
कन्या	04-48 बजे
तुला	06-53 बजे
वृश्चिक	09-03 बजे
धनु	11-17 बजे
मकर	13-24 बजे
कुंभ	15-14 बजे
मीन	16-52 बजे
मेष	18-27 बजे
वृष	20-13 बजे
मिथुन	22-13 बजे
कर्क	00-20 बजे
सिंह	02-37 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-10
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त 17-59
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड़ खाकर घर से निकले
मास - आश्विन शुक्ल मंगलवार 07 October
तिथि - पूर्णिमा 09-17 तक उपरान्त कार्तिक (प्रतिपदा क्षय)
नक्षत्र - रेवती 01-28 रात्रि तक उपरान्त अश्विनी
योग - ध्रुव 09-31 तक उप व्याघात
करण - बव 09-17 तक उप बालव
व्रत पूर्णिमा पुण्य: पंचक
त्योहार श्री वाल्मीकि जयन्ती

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभवित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-01 से 16-30 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	06-10 - 07-37	अशुभ
उत्पात	07-37 - 09-06	अशुभ
चंचल	09-06 - 10-35	शुभ
लाभ	10-35 - 12-04	शुभ
अमृत	12-04 - 13-33	शुभ
काल	13-33 - 15-01	अशुभ
शुभ	15-01 - 16-30	शुभ
रोग	16-30 - 17-59	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	17-59 - 19-30	अशुभ
लाभ	19-30 - 21-01	शुभ
उत्पात	21-01 - 22-33	अशुभ
शुभ	22-33 - 00-04	शुभ
अमृत	00-04 - 01-35	शुभ
चंचल	01-35 - 03-06	शुभ
रोग	03-06 - 04-37	अशुभ
काल	04-37 - 06-10	अशुभ

आरबीआई के नीतिगत फैसले से एनबीएफसी को मिली मजबूती, मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अक्टूबर के नीतिगत उपाय भारत की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए बड़ी राहत है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई का फैसला एनबीएफसी और इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग सेक्टर के प्रति आरबीआई के सहायक रुख को दर्शाता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आरबीआई ने फाइनेंस रेगुलेशंस में बैंक और उसकी समूह इकाइयों द्वारा किए जाने वाले व्यवसायों में ओवरलैप पर प्रस्तावित प्रतिबंध को हटा दिया है। ये रेगुलेशंस जल्द ही जारी होने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि हम मानते हैं कि यह हमारे कवरेज में आने वाले बैंक प्रमोटेड एनबीएफसी के लिए सकारात्मक संकेत है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई ने ऑपरेशनल और उच्च गुणवत्ता वाले इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए एनबीएफसी द्वारा जोखिम भार कम करने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग की लागत घटाने और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) और आरईसी जैसी इंफ्रास्ट्रक्चर-फोकस्ड एनबीएफसीएस को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएफसी और आरईसी अच्छी तरह से पूंजीकृत और आत्मनिर्भर व्यवसाय हैं, इसलिए इस कदम से संरचनात्मक रूप से सकारात्मक असर होगा, लेकिन तत्काल वित्तीय लाभ सीमित रह सकता है। इसके साथ ही, आरबीआई की ये पहल मुख्य सेक्टर्स जैसे हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर को क्रेडिट फ्लो सुनिश्चित करते हुए संतुलित नियामक दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

ये कदम एनबीएफसी क्षेत्र में निवेशकों के विश्वास को मजबूत करने और बैंक-प्रमोटेड संस्था-यों के लिए रणनीतिक लचीलापन बढ़ाने में मदद करेंगे। वहीं, 1 अक्टूबर को मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। इसके साथ, स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) दर 5.25 प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी और बैंक रेट 5.75 प्रतिशत पर स्थिर हैं।

निर्यात को मजबूत कर रहा देश का रक्षा उत्पादन

वैश्विक बाजार में बढ़ रही भारत की हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के घरेलू रक्षा क्षेत्र में विकास का प्रमुख चालक अब निर्यात बन गया है। सरकार आने वाले वर्षों में देश की वैश्विक मौजूदगी को काफी बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रही है।

रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 236 अरब रुपये तक पहुंचा

रिपोर्ट के अनुसार, भारत का रक्षा निर्यात वित्तीय वर्ष 2014 में 6.8 अरब रुपये से बढ़कर एफवाई25 में 236 अरब रुपये तक पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय का लक्ष्य इसे एफवाई27 तक 350 अरब रुपये और एफवाई29 तक 500 अरब रुपये तक ले जाना है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि न केवल घरेलू उद्योग को मजबूती देती है, बल्कि भारत की वैश्विक रक्षा बाजार में हिस्सेदारी को भी बढ़ा रही है।

100 से ज्यादा देश भारत निर्मित प्रणालियों का आयात कर रहे

रिपोर्ट में कहा गया है कि 100 से ज्यादा देश पहले से ही छोटे हथियारों और युद्ध सामग्री से लेकर उन्नत उप-प्रणालियों तक, भारत में निर्मित प्रणालियों और कलपुर्जों का आयात कर रहे हैं। कुल उत्पादन मूल्य में केवल 35 प्रतिशत हिस्सेदारी होने के बावजूद, निजी कंपनियां कुल निर्यात में 65 प्रतिशत का योगदान दे रही हैं।

वैश्विक हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए देश को क्या करने की जरूरत?

अनुमानित 100 अरब डॉलर के वैश्विक हथियार बाजार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए, भारतीय रक्षा कंपनियों को सिर्फ पुर्जों से आगे बढ़कर संपूर्ण प्रणालियां और प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने होंगे। मित्र देशों ने ब्रह्मोस मिसाइल, पिनाका तोपखाना प्रणाली और आकाश वायु रक्षा प्रणालियों जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म में पहले ही रुचि दिखाई है। रिपोर्ट में निर्यात के लिए तैयार प्रमुख उत्पादों की पहचान की गई है, जिनमें स्वदेशी एवियोनिक्स से लैस तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान, प्रचंड हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर, नौसैनिक फ्रिगेट और कॉर्वेट, और आकाश-एनजी व क्यूआरएसएएम जैसी मिसाइल रक्षा प्रणालियां शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय कंपनियां एयरोस्पेस निर्माण में इस्तेमाल होने वाली उच्च-मूल्य वाली सामग्रियों, जैसे टाइटेनियम और सुपर अलॉयज, के क्षेत्र में भी अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं।

ईडी ने 40 करोड़ की 34 संपत्तियां जब्त की

पूर्व कमिश्नर दिनेश कुमार पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप

बेंगलूरु, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईडी ने एमयूडीए (मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण) घोटाले के सिलसिले में 34 अचल संपत्तियों को जब्त किया है। इनमें एमयूडीए के विभिन्न साइट्स भी शामिल हैं। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य लगभग 40.08 करोड़ रुपये आंका गया है। बेंगलूरु जोनल ऑफिस ने यह कार्रवाई 4 अक्टूबर को भारतीय दंड संहिता की प्रवर्तन एजेंसी के तहत लागू धन लॉन्ड्रिंग 2002 के प्रावधानों के तहत की। ईडी ने यह जांच लोकायुक्त पुलिस, मैसूर द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी। प्राथमिकी में एमयूडीए द्वारा साइट्स के बड़े पैमाने पर गैरकानूनी आवंटन और घोटाले का मामला सामने आया था।

जांच में यह भी सामने आया कि पूर्व एमयूडीए कमिश्नर जीटी दिनेश कुमार ने अवैध रूप से प्राप्त लाभ को विभिन्न माध्यमों से रूट और लेयर किया। दिनेश कुमार को पिछले महीने मनी लॉन्ड्रिंग और साइटों के गैरकानूनी आवंटन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने एक बयान में कहा कि अपराध की ऐसी आय का इस्तेमाल जीटी दिनेश कुमार के रिश्तेदारों और सहयोगियों के नाम पर अचल संपत्तियां खरीदने के लिए किया गया। आगे की जांच में जीटी दिनेश कुमार द्वारा 31 एमयूडीए साइटों के अवैध आवंटन का भी पता चला। मामले में ईडी द्वारा 18 अक्टूबर, 2024 और 28 अक्टूबर, 2024 को तलाशी ली गई। तलाशी से पता चला कि साइटों को 14 मार्च, 2023 के पत्र, 27 अक्टूबर, 2023 के सरकारी आदेश, 2015 में संशोधित कर्नाटक शहरी विकास प्राधिकरण (अधिग्रहित भूमि के मुआवजे के बदले साइटों का आवंटन) नियम, 2009 और कर्नाटक शहरी विकास प्राधिकरण (भूमि के स्वैच्छिक समर्पण के लिए प्रोत्साहन योजना) नियम, 1991 के घोर उल्लंघन में आवंटित किया गया था।

10 ग्राम सोना 1.19 लाख पार, 2295 महंगा हुआ

इस साल दाम 43,000 बढ़े; चांदी की कीमत 1.49 लाख प्रति किलो हुई

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 6 अक्टूबर को एक बार फिर ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,295 रुपए बढ़कर 1,19,249 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले ये 1,16,954 रुपए पर था। वहीं, चांदी की कीमत भी 3,223 रुपए महंगी होकर 1,48,833 रुपए पर पहुंच गई। कल (रविवार को) ये 1,45,610 रुपए पर थी।

इस साल सोना 43,000 और चांदी 63,000 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 43,087 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,19,249 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 62,816 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,45,120 रुपए प्रति किलो हो गई है।

1.55 लाख रुपए तक जा सकता है सोना

गोल्डमैन सैक्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपए में यह लगभग 1,55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। ब्रोकरेज फर्म पीएल कैपिटल के डायरेक्टर संदीप रायचुरा ने कहा कि सोना 1,44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपको भावनात्मक गहराई का अपने करियर पर प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, इसलिए अपने लक्ष्यों पर सटीकता से ध्यान केंद्रित करें। आपके लिए भाग्यशाली निर्णय आने की उम्मीद करें। हालाँकि, सावधान रहें, क्योंकि अप्रत्याशित दुर्घटनाएँ या असहिष्णुता हो सकती है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आपका आत्मविश्वास और उत्साह आपके काम और पढ़ाई में एक मज़बूत गति प्रदान करते हैं, जिससे आपको साहसिक पहल करने में मदद मिलती है। मानसिक कुशाग्रता आपको अवसरों का लाभ उठाने की शक्ति देती है, लेकिन अनावश्यक बहस या अत्यधिक आलोचनात्मक रवैये से बचें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आप खुद को साहसी और भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करते हैं, जिससे यह आपके करियर में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाने का एक बेहतरीन समय है। जमीन पर बने रहने के लिए व्यावहारिक, तथ्य-आधारित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। व्यक्तिगत संबंधों को काम या पढ़ाई में बाधा बनने से रोकें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आप अपने निर्णयों में आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं, हालाँकि एक भावुक मनोदशा आपकी प्रतिक्रियाओं को प्रभावित कर सकती है। आत्म-दया सतह पर आ सकती है, लेकिन बोल्ड भावनात्मक ऊर्जा आपको आगे बढ़ाती है। आप प्रियजनों के साथ निकटता की लालसा करेंगे, क्योंकि स्नेह आसानी से बहता है।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप पा सकते हैं कि चुपचाप और स्वतंत्र रूप से काम करने से सबसे अच्छे परिणाम मिलते हैं। ज़िम्मेदारी की एक मज़बूत भावना आपको केंद्रित रखती है, जबकि भावनात्मक गहराई आपके प्रयासों को अर्थ देती है। सहानुभूति आपकी बातचीत का मार्गदर्शन करती है, और विनम्र बने रहने से आपको चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलती है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,)
आप अपने करियर में साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं। मौलिक सोच प्रगति में सहायक होती है, खासकर जब योजनाओं को सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है। आप आंतरिक तनाव महसूस कर सकते हैं, इसलिए आराम करना न भूलें। योजना और स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाए रखने से आपकी निरंतर उन्नति सुनिश्चित होती है।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आप आत्मविश्वास और जोश से भरे हुए हैं, जिससे यह आपके करियर या पढ़ाई में आगे बढ़ने का एक बेहतरीन समय है। भावनात्मक रूप से जुड़ने की आपकी क्षमता टीमवर्क को बढ़ाती है, जबकि तीव्र मानसिक ध्यान आपको जटिल कार्यों से निपटने में मदद करता है। इस गति का उपयोग विस्तार-उन्मुख रहने और स्पष्टता और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए करें।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आपका कार्य जीवन ऊर्जावान है, जो आपको विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक शक्ति प्रदान करता है। आपकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता चमकती है। हालाँकि, ठोस परिस्थितियों से निपटने के लिए विनम्रता महत्वपूर्ण है। प्रबंधन में सावधान रहें, खासकर नाजुक स्वास्थ्य मामलों में। जमीन से जुड़े रहें और चमकते रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शराब घोटाला: भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य कोर्ट में पेश

अफसरों ने 13 दिन पूछताछ की, 3 महीने में जांच पूरी करने मिले हैं निर्देश

रायपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईओडब्ल्यू ने आज रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया है। ईओडब्ल्यू ने कोर्ट के निर्देश पर 24 सितंबर को रिमांड पर लिया था। जो 6 अक्टूबर को पूरी हो गई है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारियों का दावा है कि, चैतन्य बघेल से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां मिली है। आने वाले दिनों में शराब घोटाला मामले में जांच का दायरा बढ़ेगा। जिससे कुछ और लोगों पर भी कार्रवाई हो सकती है। बता दें कि, चैतन्य बघेल को ईडी ने 18 जुलाई 2025 को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था, तब से चैतन्य जेल में हैं।

बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को 3 महीने और ईओडब्ल्यू को दो महीने के भीतर जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। चैतन्य बघेल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने पर सरकार की ओर

से पेश वकील ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया था कि 3 महीने में जांच पूरी कर ली जाएगी।

शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले से प्राप्त कुल राशि में से 16.70 करोड़ रुपए चैतन्य के हिस्से में आए। इस अवैध धन को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में निवेश कर कानूनी रूप देने का प्रयास किया गया।

ईडी ने बताया कि चैतन्य बघेल ने ब्लैक मनी को सफेद दिखाने के लिए फर्जी निवेश रिकॉर्ड प्रस्तुत किए। इसके अलावा, उन्होंने सिंडिकेट के सहयोग से करीब 1000 करोड़ रुपए की धनराशि की हेराफेरी में भाग लिया। ईडी की जांच में सामने आया है कि चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में शराब घोटाले की धनराशि निवेश की गई थी। प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट्स के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने आवश्यक रिकॉर्ड जब्त किया था।

प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन के अनुसार, इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ रुपए था, जबकि रिकॉर्ड में केवल 7.14 करोड़ रुपए दर्शाए गए। जब्त डिजिटल उपकरणों से यह भी पता चला कि बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ रुपए कैश भुगतान किया, जिसे रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया गया।

फर्जी फ्लैट खरीदी के माध्यम से धनराशि की हेराफेरी

ईडी की जांच में पता चला कि त्रिलोक सिंह ढिल्लो ने 19 फ्लैट खरीदने के लिए 5 करोड़ रुपए बघेल डेवलपर्स को ट्रांसफर किए। इन फ्लैट्स को ढिल्लन ने अपने कर्मचारियों के नाम पर खरीदा, लेकिन भुगतान उन्होंने स्वयं किया।

जांच में ढिल्लन के कर्मचारियों से पूछताछ के दौरान पता चला कि फ्लैट्स उनके नाम पर खरीदे गए थे, लेकिन भुगतान ढिल्लो ने किया। यह पूरा लेन-देन 19 अक्टूबर 2020 को ही किया गया था। ईडी का कहना है कि यह लेन-देन पूर्व-योजना के तहत किया गया था, ताकि ब्लैक मनी को कानूनी रूप से चैतन्य बघेल तक पहुंचाया जा सके।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- हिन्दुओं को गुलामी की आदत

धर्मांतरण पर कहा- इच्छा से करें तो दिक्कत नहीं, छत्तीसगढ़ में गौ-अभयारण्य बनाने की मांग

रायपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा चल रही है। वो दो दिन अपना दिव्य दरबार भी लगाएंगे। रविवार को प्रेसवार्ता में पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हिन्दुओं को गुलामी की आदत लग चुकी है। बार-बार जगाना पड़ता है।

इसके साथ ही, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि वे जल्द ही छत्तीसगढ़ में पदयात्रा करेंगे। जशपुर में कथा करने की भी इच्छा भी जताई। उन्होंने बताया कि वे 17 नवंबर को दिल्ली से वृंदावन के लिए रवाना होंगे। इसके अलावा साथ ही 8 देशों की यात्रा के अपने अनुभव भी साझा किए।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि मान्यता तभी मिलती है जब विषय का अध्ययन विदेश में किया गया हो। इसलिए, वे जल्द ही कैमब्रिज जाकर अलौकिक शक्तियों पर अध्ययन करेंगे। इसके बाद, वे विदेशों में दरबार लगाएंगे।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने छत्तीसगढ़ सरकार से इस दौरान

गायों की सुरक्षा के लिए गौ अभयारण्य बनाने की मांग भी की। धर्मांतरण पर कहा कि कोई अपनी इच्छा से करे तो कोई बात नहीं, इसमें हम कुछ नहीं कर सकते, लेकिन लालच देकर, जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कराने वालों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

आई लव मोहम्मद से दिक्कत नहीं, आई लव महादेव से भी नहीं होनी चाहिए

आई लव मोहम्मद के विवाद पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि, हमें इससे कोई दिक्कत नहीं, लेकिन ये सब जिन वजहों से किया जा रहा, उससे दिक्कत है। जो लोग ये कर रहे हैं, उनका ट्रीटमेंट भी सही से किया जा रहा है। जो लोग इसे सही कह रहे उन्हें आगे फिर आई लव महादेव से भी दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

8 अक्टूबर तक रायपुर में रहेंगे धीरेंद्र शास्त्री

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 8 अक्टूबर तक रायपुर में रहेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। गुढ़ियारी के परिसर को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है। इस कार्यक्रम में किसी भी तरह का विवाद ना हो, इसलिए पुलिस के अलावा 5 हजार बाउंसर्स भी तैनात रहेंगे।

'दिवंगत पुरुषोत्तम अग्रवाल स्मृति फाउंडेशन' के मीडिया कोऑर्डिनेटर सौरभ कुमार ने बताया कि, आयोजन के दौरान लाखों श्रद्धालु आएंगे। श्रद्धालुओं को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने में बुजुर्गों और दिव्यांगों को परेशानी ना हो, इसलिए 4 से 8 अक्टूबर तक निःशुल्क 200 ई-रिक्शा चलाया जाएगा।

इन रिक्शों से कहीं से भी कथा स्थल तक आना-जाना कर सकते हैं। भक्तों के लिए रोजाना रात 9 और सुबह 10 बजे भोजन (भंडारा) की व्यवस्था निःशुल्क की गई है। वहीं 8 हजार से ज्यादा लोग सेवा देंगे।

कथा सुनने के लिए पहुंचने वाली श्रद्धालुओं के लिए समिति ने पॉर्किंग की व्यवस्था की है। साइंस कॉलेज मैदान, कोटा मैदान, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित मैदान में कार-बाइक श्रद्धालु खड़ी कर सकेंगे।

कथा सुनने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कौशल्या देवी साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, वीणा सिंह, मंत्रिमंडल के सहयोगी, रायपुर के चारों विधायक सहित निगम, मंडल के सदस्य, नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर सहित अन्य गणमान्य नागरिक जन शामिल होंगे।

बच्चों के विवाद में बड़े भिड़े, ईंट-पत्थर से हमला

पुरानी रंजिश को लेकर बढ़ा विवाद, कई लोग घायल, पुलिस ने शांत कराया मामला

गिरिडीह, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। गिरिडीह शहर के हुट्टी बाजार में रविवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मामूली विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। बच्चों के बीच हुए झगड़े में अचानक से बड़े आपस में भिड़ गए। इसके बाद देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच ईंट-पत्थर चलने लगे।

इस घटना में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, झगड़ा कुछ ही मिनटों में इतना बढ़ गया कि पूरे इलाके में तनाव फैल गया।

घटना की सूचना मिलते ही इलाके में तनाव और बढ़ गया, क्योंकि दोनों पक्षों के समर्थक बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए थे। स्थिति को बिगड़ते देख प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। डीएसपी

नीरज कुमार सिंह, नगर थाना प्रभारी ज्ञान रंजन, पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार और मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने तत्काल हालात को नियंत्रित किया और लोगों को शांत कराया। देर रात तक इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती रही, ताकि कोई भी अप्रिय घटना न हो।

पुलिस जांच में यह बात सामने आई कि हुट्टी बाजार के ही दो मोहल्ले के लोगों के बीच पहले से ही विवाद चल रहा था। रविवार शाम बच्चों के बीच हुई झड़प ने इस पुरानी रंजिश को और भड़का दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बड़े भी आपस में भिड़ गए और हालात हिंसक झड़प में बदल गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि विवाद की जड़ पुराना आपसी मनमुटाव है, जो लंबे समय से चल रहा था। बच्चों की नोकझोंक ने बस इस आग में घी का काम किया।

सड़क हादसा, युवक की मौत

मुआवजे और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर सड़क जाम, समझाने में जुटी पुलिस

चाईबासा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के कराइकेला बाजार में बीती रात एक सड़क दुर्घटना हुई। इस हादसे में झारखंड नायक नामक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के विरोध में स्थानीय ग्रामीणों ने आज रांची-चाईबासा मेन रोड (NH 75E) को कराइकेला थाना के पास जाम कर दिया।

ग्रामीण मृतक के परिवार के लिए मुआवजे और दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन प्रशासन इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। सड़क जाम के कारण रांची-चाईबासा मेन रोड पर वाहनों का आना-जाना पूरी तरह से ठप हो गया है।

15 दिन जल्दी आया मानसून, 10 दिन लेट से जाएगा

बिलासपुर में तेज बारिश, 26 जिलों में बिजली गिरने, आंधी चलने का अलर्ट

रायपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इस बार मानसून 15 दिन पहले पहुंचा और अब 10 दिन देरी से जाने की संभावना जताई जा रही है। 10 अक्टूबर तक प्रदेश से लौट सकता है। बिलासपुर में आज दोपहर तेज बारिश हुई। वहीं मौसम विभाग ने 26 जिलों में गरज-चमक, आंधी और बिजली गिरने को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है।

रायपुर में रविवार को रातभर हल्की बूंदाबांदी होती रही, जबकि सोमवार सुबह कई इलाकों में तेज बारिश भी दर्ज की गई। हालांकि कांकेर, नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है।

इस बीच बिलासपुर के चचेई डैम में पिकनिक मनाने गए आकाश पटेल नामक युवक के डूबने की घटना सामने आई है। युवक का 12 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य

के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई है, जिनमें सुकमा में सर्वाधिक 49.3 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, आज से बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक, 30 सितंबर तक हुई बारिश को मानसून की बारिश माना जाता है, जबकि इसके बाद की बारिश को 'पोस्ट मानसून' यानी मानसून के बाद की बारिश माना जाता है।

फिलहाल देश के कई हिस्सों से मानसून की वापसी शुरू हो चुकी है। छत्तीसगढ़ में आमतौर पर 5 अक्टूबर के आसपास सरगुजा की तरफ से मानसून लौटना शुरू होता है, लेकिन इस बार वापसी में देरी हो सकती है।

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस बार प्रदेश में मानसून करीब 15 अक्टूबर के बाद लौटेगा, यानी सामान्य से करीब 10 दिन देरी से।

बेमेतरा में सबसे कम बरसा पानी

प्रदेश में अब तक 1167.4 मिमी औसत बारिश हुई है। बेमेतरा जिले में अब तक 524.5 मिमी पानी बरसा है, जो सामान्य से 50% कम है। अन्य जिलों जैसे बस्तर, राजनांदगांव, रायगढ़ में वर्षा सामान्य के आसपास हुई है। जबकि बलरामपुर में 1520.9 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 52% ज्यादा है। ये आंकड़े 30 सितंबर तक के हैं।

बादलों में मौजूद पानी की बूंदें और बर्फ के कण हवा से रगड़ खाते हैं, जिससे उनमें बिजली जैसा चार्ज पैदा होता है। कुछ बादलों में पॉजिटिव और कुछ में नेगेटिव चार्ज जमा हो जाता है। जब ये विपरीत चार्ज वाले बादल आपस में टकराते हैं तो बिजली बनती है।

1 थप्पड़ के बदले डबल मर्डर

सफारी से कुचलकर मार-डाला, बदला लेने जमीन बेचकर खरीदी गाड़ी, हत्या कर रोता रहा

महासमुंद, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। शनिवार की रात थी, तारीख 4 अक्टूबर, समय लगभग 8 बजे। महासमुंद नेशनल हाईवे-353 पर हल्की चहल-पहल थी। इतने में तेज रफ्तार टाटा सफारी दिखी, जो स्कूटी सवार 2 दोस्तों को टक्कर मारी, फिर बार-बार गाड़ी चढ़ाकर कुचल डाला। एक की मौके पर और दूसरे की रास्ते में जान चली गई।

मरने वालों की पहचान बेलसोंडा निवासी जितेंद्र चंद्राकर (46) और अशोक साहू (50) के रूप में की गई। जितेंद्र, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर के पति थे। सफारी से कुचलने वाला जितेंद्र का पुराना दुश्मन अमन अग्रवाल निकला, जिसने 5 साल पहले मारे गए थप्पड़ का बदला डबल मर्डर से लिया।

अमन अग्रवाल ने थाने में पुलिस को बताया कि थप्पड़ की गूंज उसके कानों में 5 साल से सुनाई दे रही थी। दिल में बदले की आग जल रही थी। जितेंद्र का पीछा करता था। रूटीन जानता था। कब-कहां जाते हैं। वह एक खामोश शिकारी की तरह मौका तलाश रहा था, जो 4 अक्टूबर की रात मिला।

मास्टरमाइंड अमन अग्रवाल दोनों लोगों को सफारी से कुचलने के बाद थाने में रोता रहा। पुलिस के सामने कह रहा था कि निर्दोष अशोक साहू की हत्या गलती से हो गई। उसे अशोक की मौत पर अफसोस है। वह सिर्फ जितेंद्र को मारना चाहता था। इस रिपोर्ट में विस्तार से पढ़िए, क्या थी 5 साल पुरानी लड़ाई, जिसके लिए 2 हत्याएं हो गईं?

दरअसल, 4 अक्टूबर की रात जब जितेंद्र अपने दोस्त अशोक साहू के साथ स्कूटी से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान अमन अग्रवाल अपनी टाटा सफारी (CG 04 QH 5836) में पहले से खरोरा मेडिकल कॉलेज के पास उनकी राह देख रहा था। जैसे ही जितेंद्र की स्कूटी साराडीह मोड़ के पास दिखी। अमन की टाटा सफारी भी रफ्तार पकड़ ली। इस दौरान अमन ने साराडीह मोड़ के पास अंधेरे का फायदा उठाया। साजिश के तहत अमन ने जितेंद्र की स्कूटी को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी तेज थी कि जितेंद्र और अशोक स्कूटी से फेंका गए। दोनों दूर जाकर सड़क पर गिर पड़े। सड़क पर लहूलुहान देखकर अमन का गुस्सा कम नहीं हुआ। अमन ने जानबूझकर अपनी कार से पहले जितेंद्र और उसके बाद अशोक को कुचल डाला। अमन ने मरते दम तक जितेंद्र पर कार चढ़ाई। अशोक पर भी गाड़ी चढ़ाई। जितेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अशोक बेहोश पड़ा था। इस दौरान अमन को लगा कि दोनों मर गए हैं, वह मौके से भाग निकला। एक्सीडेंट स्पॉट पर कुछ समय बाद चीख-पुकार मच गई। वारदात के तुरंत बाद आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। सड़क किनारे खून से सने दोनों दोस्त, चकनाचूर स्कूटी और चीखें सुनकर हर कोई सन्न था। स्थानीय लोगों ने फौरन पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। गंभीर हालत में अशोक को रायपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया। बेरहमी से कुचले गए निशानों को देखकर लग रहा था कि किसी ने जानबूझकर कुचला है।

40 लाख के ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

सरायकेला, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां पुलिस ने आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 40 लाख रुपए मूल्य के ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह जिले में ब्राउन शुगर के खिलाफ पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों तस्करों को पकड़ा और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इनके पास 207.91 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया गया। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान कुख्यात शाहबाज खान, मोहम्मद समौर उर्फ मोहम्मद आमान और रफीकुल इस्लाम के रूप में हुई है।

राहुल-गांधी को मारने की धमकी

रायपुर-पुलिस ने नहीं लिखी एफआईआर, थाने के अंदर 5 घंटे कांग्रेसियों का हंगामा

रायपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल में पूर्व एबीवीपी नेता पिंटू महादेव ने टीवी पर बहस के दौरान राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी दी। इसे लेकर रायपुर के सिविल लाइन थाने में कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने महादेव के खिलाफ एफआईआर करने की मांग की। लेकिन एक्शन नहीं लेने पर कांग्रेस ने 5 घंटे तक हंगामा किया।वहीं सिविल लाइन सीएसपी रमाकांत साहू ने कहा कि, पूरे मामले की जांच के बाद ही करवाई हो पाएगी। जिस पर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि, जब तक मामला दर्ज नहीं हो जाता है वह थाने में ही बैठे रहेंगे। हालांकि, बाद कांग्रेसी लौट गए। पूर्व कांग्रेस विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि, भाजपा ने कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दी है। जब भाजपा नेताओं के खिलाफ कोई टिप्पणी की जाती है, तो तुरंत एफआईआर दर्ज कर ली जाती है। लेकिन राहुल गांधी को जान से मारने की बात कही गई। सीने में गोली मारने की बात कही गई। इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। यह संविधान और कानून का उल्लंघन है। दरअसल, 26 सितंबर को केरल में एक न्यूज चैनल पर लद्दाख हिंसा पर लाइव बहस चल रही थी। इस दौरान भाजपा की तरफ से बोलने आए पूर्व एबीवीपी नेता पिंटू महादेव ने कहा था कि, राहुल गांधी को सीने में गोली मार दी जाएगी। जिसके बाद से देशभर में कांग्रेस इसे मुद्दा बना रही है।

इस बयान के बाद कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई और मामला विधानसभा तक पहुंच गया। केरल विधानसभा में भी इस विषय पर हंगामा हुआ। कांग्रेस की अगुवाई वाली यूडीएफ ने राज्य सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। आरोप लगाया कि सरकार इस मामले में ढील बरत रही है।

केरल पुलिस ने पिंटू महादेवन के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। केपीसीसी के सचिव श्रीकुमार सी सी की शिकायत पर पेरामंगलम पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। वहीं, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। जिसमें कहा कि अगर महादेवन के खिलाफ तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो यह माना जाएगा कि सरकार की मिलीभगत है। राहुल गांधी की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने उन पर सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप लगाया है। सीआरपीएफ ने पिछले दिनों कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर कहा कि राहुल गांधी पिछले 9 महीने में बिना सूचना दिए 6 बार विदेश गए।

झारखंड में मौसम का मिजाज बदला

रांची, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम विभाग ने ताजा अपडेट जारी किया है। पिछले 24 घंटों में जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस जबकि राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में राज्य के अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की संभावना है। इससे दिन में लोगों को थोड़ी गर्मी और उमस का एहसास होगा। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास ही बना रहेगा।

मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में खराब मौसम की चेतावनी जारी की है। आज उत्तर-पश्चिमी झारखंड को छोड़कर बाकी हिस्सों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है।

6 अक्टूबर को यह चेतावनी उत्तरी जिलों में केंद्रित रहेगी, जबकि 7 अक्टूबर को उत्तरी और मध्य-पूर्वी हिस्सों में भी ऐसे मौसम की स्थिति बनी रहने का अनुमान है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और खुले मैदान या बिजली के खंभों के पास जाने से बचें।

राज्य में अगले सप्ताह भी हल्की से मध्यम वर्षा जारी रहने की संभावना है। 7 से 11 अक्टूबर के बीच कहीं-कहीं रुक-रुक कर बारिश होने का अनुमान है। बीते 24 घंटों में रांची, डाल्टनगंज, बोकारो समेत कई स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आ रही टर्फ लाइन और 4.5 किलोमीटर तक सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण राज्य के मौसम को प्रभावित कर रही है। 01 अक्टूबर से 05 अक्टूबर तक झारखंड में औसत 20.3 मिलीमीटर के मुकाबले 62.8 मिलीमीटर बारिश हुई है, यानी सामान्य से 209% अधिक बारिश दर्ज की गई। राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में 09 अक्टूबर तक मौसम सामान्यतः बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना के साथ खुशनुमा रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 29-31 डिग्री और न्यूनतम 21-22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

बेटे की हत्या करने वाला पिता गिरफ्तार

पत्नी से अनबन पर कुल्हाड़ी से बेटे का गला काटा, करमाई घाटी के जंगल से पकड़ा गया

पलामू, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू जिले के पांकी थाना अंतर्गत रतनपुर गांव में रविवार को सूरज कुमार (18) की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस को सूचना मिलने पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस के गांव पहुंचने पर पता चला कि सूरज की हत्या पिता अमित कुमार ठाकुर ने ही गला काटकर की और घर से फरार हो गया। मृतक के दादा सुदर्शन ठाकुर के बयान के आधार पर पांकी थाने में पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। छापामारी दल ने पिता अमित कुमार ठाकुर को रतनपुर टोला के करमाई घाटी के जंगल से गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान पिता ने बताया कि उसका पत्नी से पिछले एक साल से अनबन चल रहा है और बातचीत बंद है। हालांकि उसका बेटा सूरज कुमार अपनी मां के संपर्क में रहता था और अपने नाना-नानी के घर आता-जाता था। अमित ने कई बार बेटे को ऐसा करने से मना किया, लेकिन वह नहीं माना। इसी बात को लेकर शनिवार रात गुस्से में घर में रखी कुल्हाड़ी से बेटे के गर्दन पर 10 से 15 बार वार कर उसकी हत्या कर दी।

टोरी कोयला साइडिंग में गोलीबारी नाइट गार्ड को लगी गोली

राहुल दुबे गैंग ने ली जिम्मेदारी, लेवी को लेकर घटना को दिया अंजाम

लातेहार, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। लातेहार के चंदवा थाना क्षेत्र के टोरी कोयला साइडिंग में रविवार रात गोलीबारी हुई। इस घटना में नाइट गार्ड गोपाल प्रसाद (55) घायल हो गए। राहुल दुबे गैंग ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। संभावना जताई जा रही है कि लेवी के लिए घटना को अंजाम दिया गया है। जानकारी के अनुसार, गोपाल प्रसाद अपनी ड्यूटी पर तैनात थे, तभी अज्ञात अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। उन्हें एक गोली लगी, जिससे वे घायल हो गए। अपराधियों ने दो बम भी फेंका, जो फटा नहीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, छह से अधिक राउंड फायरिंग की गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल गोपाल प्रसाद को चंदवा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखे बरामद किए हैं। चंदवा थाना प्रभारी रणधीर सिंह ने गोलीबारी की पुष्टि की है। पुलिस फिलहाल पूरे इलाके में सघन छापेमारी कर रही है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। इस बीच, राहुल दुबे गैंग ने सोशल मीडिया पर एक पर्चा जारी कर घटना की जिम्मेदारी ली है। गैंग ने लिखा है कि यह हमला रंजीत गुप्ता और सुमित चटर्जी को चेतावनी देने के लिए किया गया है। गैंग ने आरोप लगाया है कि रंजीत गुप्ता के साइडिंग में पहले भी गोलीबारी कर चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसकी बात को नजरअंदाज किया गया। गैंग ने आगे धमकी दी है कि यदि इस बार भी उनकी बात नहीं मानी गई, तो अगली बार ऑफिस, घर और गाड़ी पर बम फेंका जाएगा। गौरतलब है कि इसी गैंग ने 10 जुलाई को भी इसी साइडिंग में लेवी को लेकर एक हाइवा में आगजनी की घटना को अंजाम दिया था।

ईरान करेंसी से चार जीरो हटाएगा, 10000 अब 1 रियाल होगा

महंगाई की वजह से कदम उठाया, अभी 1 डॉलर =11 लाख 50 हजार रियाल

तेहरान, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान अपनी करेंसी रियाल से 4 जीरो हटाने जा रहा है। आसान तरीके से समझे तो जल्द ही 10,000 रियाल की कीमत सिर्फ 1 रियाल होगी। इसे ईरानी संसद की मंजूरी मिल गई है। यह कदम बढ़ती महंगाई की वजह से उठाया गया है।

फिलहाल, इंटरनेशनल मार्केट में 1 डॉलर के वैल्यू 11.50 लाख रियाल पहुंच चुकी है। ये प्रस्ताव को कई साल से तैयार किया जा रहा था।

ईरानी संसद की आर्थिक समिति के प्रमुख शम्सोल्दीन हुसैन ने सरकारी टीवी को बताया कि ये बदलाव 2 साल बाद लागू होगा। बदलाव के बाद भी पुरानी रियाल करेंसी को तीन साल तक इस्तेमाल किया जा सकेगा।

यह कदम मुख्य रूप से मुद्रा के अवमूल्यन (devaluation) और उच्च मुद्रास्फीति (inflation) से निपटने के लिए उठाया गया है।

उच्च मुद्रास्फीति (महंगाई): ईरान में पिछले कई वर्षों से मुद्रास्फीति 30-40% से ऊपर बनी हुई है। मई 2025 में यह 38.7% थी।

खरीदारी में बड़े नंबर का इस्तेमाल: रियाल की कीमत इतनी गिर चुकी है कि 1 अमेरिकी डॉलर के लिए लगभग 1,150,000 रियाल लगते हैं। इससे बिल, बैंक स्टेटमेंट और दैनिक खरीदारी में बड़े-बड़े नंबर्स (जैसे लाखों-करोड़ों) का इस्तेमाल होता है, जो जटिल है।

नोट छपाई की लागत कम करना: बड़े नोट छापने और हैंडल करने में ज्यादा खर्च होता है।

छोटे नंबर्स से प्रिंटिंग और लॉजिस्टिक्स सस्ती हो जाएगी।

करेंसी मजबूत करना: यह कदम मुद्रा की कीमत बढ़ाने की कोशिश है। जिससे, दूसरे देशों की करेंसी के मुकाबले रियाल की हालात सुधरेगी। हालांकि, इसका सीधा असर ट्रेड पर पड़ सकता है।

रियाल में बदलाव से असर

लेन-देन को आसान बनाना: चार जीरो हटने से रियाल की इकाइयां छोटी हो जाएंगी।

उदाहरण के लिए, अगर अभी कुछ खरीदने के लिए 10,00,000 रियाल चाहिए, तो सुधार के बाद वही चीज 100 रियाल में मिलेगी।

महंगाई पर कोई सीधा असर नहीं: यह सुधार केवल मुद्रा की इकाइयों को बदलता है, न कि उसका वास्तविक मूल्य।

अगर महंगाई को नियंत्रित नहीं किया गया, तो रियाल का मूल्य कम होता रहेगा।

बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट में सुविधा: कंप्यूटर और मोबाइल ऐप में बड़ी संख्या के कारण होने वाली जटिलताएं कम होंगी।

मनोवैज्ञानिक प्रभाव: छोटी संख्याओं से लोगों को मुद्रा का मूल्य समझने में सुविधा होगी, जिससे उनकी खरीदारी और वित्तीय योजना में आसानी हो सकती है। हालांकि ये केवल साइकोलॉजिकल असर है।

ईरान का दुनिया के साथ व्यापार और संबंध तनावपूर्ण

1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ही ईरान की अर्थव्यवस्था को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। महंगाई दर लगातार बढ़ रही है इसका मुख्य कारण रहा है आयात (इंपोर्ट) का ज्यादा होना और निर्यात (एक्सपोर्ट) का कम होना।

अमेरिकी एफ-16 नहीं चीन का जेएफ-17 सबसे बड़ा लूजर

भारत ने निकाली पाकिस्तान के 'जंक फाइटर' की हवा

वॉशिंगटन, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने खुलासा किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने न सिर्फ अमेरिकी एफ-16, बल्कि जेएफ-17 सहित 9-10 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया था। यह पाकिस्तानी ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट सी-130 और कुछ एईडब्ल्यू एण्ड सी विमानों के अलावा है, जिसे भारतीय वायुसेना ने तबाह किया था। दिलचस्प बात यह है कि जहां 2019 में बालाकोट हवाई हमले के समय अमेरिका ने मिग-21 बाइसन से पाकिस्तानी एफ-16 को मार गिराने के भारत के दावे को तुरंत खारिज कर दिया था, इस बार अमेरिका ने ऐसा कोई खंडन नहीं किया है।

7 मई 2025 को शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था, जिसमें 26 भारतीय लोगों की जान चली गई थी। इस ऑपरेशन के जरिए भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी कैंपों को निशाना बनाया। इस दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के हवाई ढांचे को पूरी तरह से तहस नहस कर दिया था।

चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल का ऐलान

मैरी ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को मिला पुरस्कार

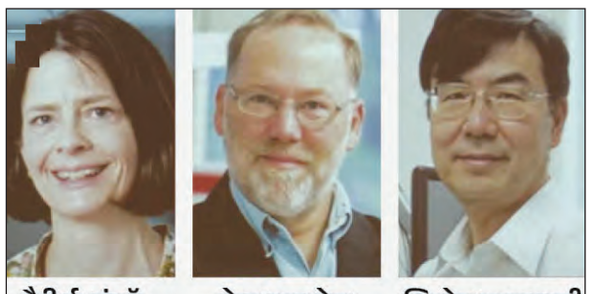

मैरी ई. ब्रंकॉ (इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी, सिएटल, अमेरिका)

फ्रेड रामसडेल (सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स, सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका)

शिमोन साकागुची (ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान)

स्टॉकहोम, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्ष 2025 के चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को फिजियोलॉजी या मेडिसिन के नोबेल पुरस्कार विजेताओं को नाम का ऐलान किया है। इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को चिकित्सा क्षेत्र का नेबोल पुरस्कार मिला है। परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता (पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस) से संबंधित खोजों के लिए तीनों को नोबेल का मिला है।

चिकित्सा के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है। यह सम्मान 1901 से 2024 के बीच 115 बार 229 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किया जा चुका है। पिछले साल का पुरस्कार अमेरिकी नागरिक विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को सूक्ष्म 'आरएनए' (राइबोन्यूक्लिक एसिड) की खोज के लिए दिया गया था। मंगलवार को भौतिकी, बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के नोबेल पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की जाएगी। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार और अर्थशास्त्र में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार की घोषणा 13 अक्टूबर को होगी। इसके बाद 10 दिसंबर को पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा।

नोबेल पुरस्कार विजेता को एक स्वर्ण पदक, एक डिप्लोमा और नोबेल फाउंडेशन की ओर से वित्तपोषित एक नकद पुरस्कार मिलता है, जो नोबेल निधि का प्रबंधन करता है। इस वर्ष का पुरस्कार 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर ($1.2 मिलियन) का है। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को रातोंरात प्रसिद्धि मिलने का मौका भी देता है।

नोबेल की वसीयत

नोबेल पुरस्कार, स्वीडिश इंजीनियर और उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत द्वारा स्थापित सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों का एक समूह है, जिन्हें डायनामाइट की खोज के लिए जाना जाता है। अपनी 1895 की वसीयत में नोबेल ने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा उन वार्षिक पुरस्कारों के लिए छोड़ दिया था।

पहला नोबेल पुरस्कार 1901 में भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और शांति के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया।

इसके बाद 1968 में स्वीडन के केंद्रीय बैंक स्वेरिग्स रिक्सबैंक ने अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में आर्थिक विज्ञान पुरस्कार की स्थापना की और इसकी श्रेणियों को बढ़ाकर छह कर दिया।

अमेरिका के शिकागो में नेशनल गार्ड्स से भिड़े प्रदर्शनकारी

अवैध प्रवासियों के खिलाफ ट्रम्प के ऑपरेशन का विरोध, 1000 से ज्यादा गिरफ्तार

वॉशिंगटन, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को इलिनॉय राज्य के शिकागो में बढ़ते अपराध और प्रदर्शनों को देखते हुए 300 नेशनल गार्ड्स तैनात किए। इसके बाद इन गार्ड्स और प्रदर्शनकारियों में झड़प हो गई।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अबिगेल जैक्सन ने कहा- ट्रम्प शहरों में गड़बड़ी को रोकना चाहते हैं। ये सैनिक हमारे अधिकारियों और सामान की रक्षा करेंगे। अब तक 1000 से ज्यादा प्रदर्शनकारी गिरफ्तार किए गए हैं।

यह कार्रवाई होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट (डीएचएस) के ऑपरेशन मिडवे ब्लिट्ज के तहत की जा रही है। इसे सितंबर 2025 में शुरू किया गया था। इसके तहत अपराधियों और अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार किया जा रहा है।

यह ऑपरेशन केटी अब्राहम नाम की एक लड़की की मौत के बाद शुरू किया गया। एक अवैध अप्रवासी ने पिछले महीने नशे हालात में तेज रफ्तार कार से केटी को कुचल दिया था।

शिकागो में कई जगह प्रदर्शनकारियों और नेशनल गार्ड्स के बीच झड़प भी हुई, जिसमें पेपर स्प्रे और रबर की गोलियां इस्तेमाल की गईं। डीएचएस प्रमुख क्रिस्टी नोएम ने कहा कि वे स्पेशल फोर्स भेज रही हैं।

शिकागो के ब्राइटन पार्क इलाके में शनिवार सुबह एक हथियारबंद अमेरिकी महिला ने अपनी कार से इमिग्रेशन डिपार्टमेंट (आईसीई) की गाड़ियों पर हमला करने की कोशिश की।

डीएचएस के मुताबिक, इसके बाद एजेंट्स ने सुरक्षा में गोली चलाई, जिससे महिला घायल हो गई। वह खुद अस्पताल पहुंची और दोपहर तक छुट्टी मिल गई। कोई एजेंट गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

इलिनॉय के गवर्नर जेबी प्रिट्जकर ने कहा कि ट्रम्प ने मुझे धमकी दी कि अगर मैं सैनिक नहीं भेजूंगा, तो वे खुद भेज देंगे। यह गलत है। प्रिट्जकर ने बताया कि लोकल पुलिस पहले से ही सब संभाल रही है, फिर भी ट्रम्प सैनिक भेज रहे हैं।

प्रिट्जकर ने कहा कि वे इस फैसले को अदालत में चुनौती देंगे, क्योंकि यह पॉसी कोमिटेटस एक्ट (जो सैनिकों का घरेलू कानून व्यवस्था में इस्तेमाल रोकता है) का उल्लंघन है। इलिनॉय के अटॉर्नी जनरल क्वामे राउल ने भी मुकदमा करने की बात कही है।

दूसरी तरफ एक अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में 200 नेशनल गार्ड्स की तैनाती के फैसले पर रोक लगा दी है। जज ने कहा कि ट्रम्प का दावा कि पोर्टलैंड युद्धग्रस्त है और वहां हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं, सही नहीं है। ये प्रदर्शन छोटे-मोटे, शांतिपूर्ण प्रदर्शन हैं। पोर्टलैंड पुलिस इसे संभाल रही है।

सड़क दुर्घटना में चार भारतीय नागरिकों की मौत

ट्रक ने कार को मारी टक्कर

रोम, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। इटली के दक्षिणी हिस्से के मटेरा शहर में हुई एक सड़क हादसे में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है। इस घटना की जानकारी रोम स्थित भारतीय दूतावास ने दी है। बता दें कि इससे पहले इटली में नागपुर के एक कारोबारी और उनकी पत्नी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हादसा शनिवार को स्कान्जानो जोनिको इलाके में हुआ, जब 10 लोगों को ले जा रही एक सात-सीटर कार ट्रक से टकरा गई। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान कुमार मनोज (34), सिंह सुरजीत (33), सिंह हरविंदर (31) और सिंह जसकरण (20) के रूप में हुई है।

सीरिया में 14 साल बाद चुनाव, अल-शरा की जीत तय

अमेरिका ने 12 साल तक ग्लोबल आतंकी घोषित रखा, अब राष्ट्रपति बनेंगे

दमिश्क, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीरिया में लगभग 14 साल बाद संसदीय चुनाव हुए हैं। एक ऐसा देश जो बशर अल-असद की तानाशाही और 13 साल लंबे गृहयुद्ध से तबाह हुआ। रविवार सुबह दमिश्क में मतदान शुरू हुआ तो इसे असद युग के अंत के बाद 'नए दौर की शुरुआत' बताया गया।

पिछले साल दिसंबर में तख्तापलट किए जाने के बाद अहमद अल-शरा ने अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर सत्ता संभाली थी। इसके बाद उन्होंने अमेरिका और पश्चिमी देशों से संबंध बेहतर किए।

अल-शरा को अमेरिका ने मई 2013 में स्पेशल डेसिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट (SDGT) घोषित किया था। 12 साल बाद अमेरिका ने जुलाई 2025 को उनका नाम आतंकियों की सूची से बाहर किया। अपने आप में यह एक अनोखा मामला है।

अल-शरा ने पिछले साल अंतरिम राष्ट्रपति का पद संभलाने के बाद वादा किया था कि यह चुनाव 'लोकतांत्रिक बदलाव' की दिशा में पहला कदम होगा, मगर हकीकत में जनता को वोट देने का अधिकार ही नहीं मिला।

210 सदस्यीय संसद में दो-तिहाई यानी 140 सीटों पर मतदान 7 हजार चयनित चुनावी कॉलेज सदस्यों ने किया, जिन्हें सरकार द्वारा नियुक्त जिला समितियों ने चुना था। शेष 70 सीटें खुद शरा की नियुक्ति से भरी जाएंगी।

आम जनता और राजनीतिक दल दोनों ही चुनाव प्रक्रिया से बाहर हैं। सबसे बड़ा विवाद 'जनता की अनुपस्थिति' का है। आलोचकों के मुताबिक यह चुनाव शरा सरकार की वैधता मजबूत करने की कवायद है, न कि जनता की इच्छा का प्रतीक।

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का कहना है, सीरिया की यह पहली 'आजादी के बाद की संसद' लोकतंत्र की दिशा में कदम भले हो, लेकिन जनता की भागीदारी के बिना यह महज सत्ता परिवर्तन का औपचारिक चेहरा बनकर रह गया है। इस चुनाव में अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की जीत तय है।

सीरिया की नई संसद में 210 सदस्य हैं। इनमें से 140 सीटों पर 7,000 इलेक्टोरल कॉलेज सदस्य मतदान कर रहे हैं। ये सदस्य सरकार द्वारा नियुक्त किए गए हैं। बाकी बचे सदस्य अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा सीधे नियुक्त करेंगे।

राष्ट्रपति शरा के नियुक्त 70 सीटों के जरिए महिलाओं, अल्पसंख्यकों और सहयोगी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई है। आलोचकों के मुताबिक यही सीटें सरकार की स्थायी बहुमत सुनिश्चित करेंगी।

मतदान 5 अक्टूबर को हुआ। प्रारंभिक नतीजे 6 अक्टूबर को जबकि अंतिम परिणाम 7 अक्टूबर को अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी करेंगे। सरकार का कहना है कि गृहयुद्ध और विस्थापन के कारण जनगणना और मतदाता सूची तैयार करना असंभव है।

ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के बीच ऐतिहासिक रक्षा संधि

मेलबर्न, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के नेताओं ने सोमवार को ऐतिहासिक रक्षा संधि पर हस्ताक्षर कर दिए। इस रक्षा संधि के जरिए दोनों देश प्रशांत महासागर में चीन के दबदबे को चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। चीन का भी मानना है कि यह संधि उसे अनुचित रूप से निशाना बनाती है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने इस समझौते को एक पारस्परिक रक्षा संधि बताया जो उनके रक्षा बलों और सैन्य कर्मियों के बीच एकीकरण करेगी।

यह ऑस्ट्रेलिया और उसके सबसे करीबी पड़ोसी और पूर्व उपनिवेश पापुआ न्यू गिनी के बीच इस तरह की पहली संधि है। इस रक्षा संधि के अलावा ऑस्ट्रेलिया का, अमेरिका और न्यूजीलैंड के साथ भी गठबंधन स्तरीय सुरक्षा समझौता है, जो साल 1951 में हुआ था। ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी की संसद से मंजूरी मिलने के बाद इस संधि पर दोनों देशों के नेताओं ने हस्ताक्षर किए। संधि पर हस्ताक्षर के बाद मीडिया से बात करते हुए ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने कहा कि 'ऑस्ट्रेलिया के लिए यह बहुत सम्मान की बात है कि उसका निकटतम पड़ोसी उसका नया सहयोगी बन गया है।' अल्बानीज ने आगे कहा, 'दोनों देश इस बात पर भी सहमत हुए हैं कि हम ऐसी कोई भी गतिविधि नहीं करेंगे या कोई भी समझौता नहीं करेंगे जिससे इस संधि के कार्यान्वयन में बाधा आए।'

अमेरिका को बड़ा झटका

इस यूरोपीय देश ने एफ-35 जेट को ठुकराया, तुर्की के केएएएन पर गड़ाई नजर

बार्सिलोना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध के बीच एक यूरोपीय देश ने अमेरिका को बड़ा झटका दिया है। स्पेन ने कथित तौर पर अमेरिका से एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने की योजना को रद्द कर दिया है। स्पेन का यह निर्णय यूरोप में अमेरिका के सैन्य विमानन प्रभुत्व के लिए एक दुर्लभ सार्वजनिक झटका है। यह देश अब तुर्की के स्वदेशी रूप से विकसित केएएएन विमान में गहरी रुचि दिखा रहा है। माना जा रहा है कि स्पेन ने अमेरिकी F-35 न खरीदने का निर्णय बढ़ती लागत, सॉफ्टवेयर की खामियों और परिचालन संबंधी चिंताओं के कारण लिया है। F-35 जेट अपनी खराब ऑपरेशनल उपलब्धता को लेकर लंबे समय से आलोचना का कारण बनता रहा है। स्पेनिश मीडिया एल इकोनॉमिस्टा की रिपोर्ट के अनुसार, स्पेन तुर्की निर्मित केएएएन लड़ाकू विमान को खरीदने की संभावनाओं को तलाश रहा है। केएएएन लड़ाकू विमान को तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (टीयूएसएएस) ने डिजाइन किया है। यह तुर्की का पहला पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है।

फरवरी 2024 में अपनी पहली उड़ान पूरी करने वाले तुर्की के इस स्वदेशी विमान ने अपने स्टील्थ डिजाइन, उन्नत एवियोनिक्स और हवा से हवा और हवा से ज़मीन पर मार करने वाली दोहरी लड़ाकू क्षमताओं के लिए पहले ही अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित कर लिया है। स्पेन ने अमेरिकी एफ-35 सौदे को ऐसे समय रद्द किया है जब कनाडा, स्विट्जरलैंड और पुर्तगाल सहित कई देश भी अमेरिकी लड़ाकू विमान कार्यक्रम के साथ अपने संबंधों पर पुनर्विचार कर रहे हैं। ये सब देश एफ-35 की बढ़ती लागत, बार-बार सॉफ्टवेयर में खराबी, और विमान के संवेदनशील सोर्स कोड पर अमेरिका के कड़े नियंत्रण से परेशान है। कई यूरोपीय सरकारों ने अमेरिका पर एक प्रकार की डिजिटल निर्भरता पैदा करने का आरोप लगाया है, क्योंकि एफ-35 का मेंटीनेंस, अपग्रेडेशन और महत्वपूर्ण संचालन अमेरिकी सिस्टमों से जुड़ा हुआ है।

ग्वादर में चीन मौजूद, पासनी में ट्रंप को पोर्ट का ऑफर

मुनीर के दो नाव की सवारी के पीछे बड़ा खेल, भारत का डर भी वजह

इस्लामाबाद, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को एक प्रस्ताव दिया है। पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिका बलूचिस्तान प्रांत के पासनी बंदरगाह पर टर्मिनल बनाने और संचालित करने के लिए 1.2 अरब डॉलर का निवेश करे। पाकिस्तान ने अमेरिका से पासनी को अपने पश्चिमी प्रांतों से जोड़ने वाली रेलवे लाइन बनाने और उसका संचालन करने का भी ऑफर दिया है। इसके बाद से ये पूछा जा रहा है कि मुनीर की पेशकश के पीछे उनकी सोच क्या है।

फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के दुर्गम मारन तट पर स्थित पासनी चीन संचालित ग्वादर बंदरगाह से 140 किलोमीटर पूर्व में और ईरान की चाबहार बंदरगाह से 300 किलोमीटर पूर्व में है। चाबहार में भारत एक टर्मिनल संचालित करता है।

चीन को ग्वादर देने के बाद पाकिस्तान इसी क्षेत्र में अमेरिका का भी एक पोर्ट चाहता है। चीन और अमेरिका, दोनों को पाकिस्तान साधने की कोशिश में लगा है। दोनों शक्तियों को लुभाना पाकिस्तान के लिए नया नहीं है। पाकिस्तान कई दशक से दो नाव की सवारी कर रहा है।

1960 के दशक की शुरुआत से ही पाकिस्तान हथियारों और भू-राजनीतिक रियायतों के लिए चीन-अमेरिका के साथ सौदे करता रहा है। जनरल अयूब खान ने 1963 में शक्सगाम घाटी का 5,180 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र चीन को सौंप दिया था।

1971 में जनरल याह्या खान ने अमेरिका-चीन के बीच सुलह कराई थी। वहीं 2000 के दशक में जनरल परवेज मुशर्रफ ने अमेरिका को सौंपे गए पाकिस्तानी नागरिकों पर लाखों डॉलर के इनाम का दावा किया था। मौजूदा पाक सेना प्रमुख मुनीर भी दो नावों में सवार नजर आ रहे हैं। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने समुद्र में खुद को भारत के सामने असुरक्षित पाया था। उसका अपने बंदरगाहों को लेकर डर था।

अमेरिका के पिट्सबर्ग में भारतीय मूल के शख्स की गोली मारकर हत्या

हमलावर से पूछा था- क्या तुम ठीक हो

वाशिंगटन, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पिट्सबर्ग में एक भारतीय मूल के शख्स राकेश एहागाबन (50) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शख्स एक मोटल का मालिक था। घटना शुक्रवार दोपहर की है।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, मोटल के पार्किंग लॉट में एक विवाद हुआ था, जिसके बाद हंगामा शुरू हुआ। इसे सुनकर राकेश बाहर आया।

पुलिस के मुताबिक, राकेश दो लोगों के बीच झगड़ा सुलझाने की कोशिश कर रहे थे, तभी 37 साल के स्टैनली यूजीन वेस्ट ने राकेश को सिर में गोली मार दी।

जब वेस्ट का झगड़ा हुआ तब राकेश उसके पास गए और पूछा कि क्या तुम ठीक हो, दोस्त? इसके तुरंत बाद वेस्ट ने राकेश के सिर में गोली मार दी। राकेश घटना स्थल पर ही मृत पाए गए। घटना से पहले, वेस्ट ने मोटल के बाहर एक महिला को गोली मारी थी।

पुलिस ने बताया कि हमलावर पर हत्या, हत्या का प्रयास और दूसरे व्यक्ति की जान को खतरे में डालने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि मोटल मालिक की हत्या के बाद वेस्ट बड़ी बेपरवाही से पास खड़ी एक U-Haul वैन तक गया और गाड़ी चलाकर वहां से निकल गया। बाद में पुलिस ने उसका पीछा किया। इस दौरान वेस्ट ने पुलिस पर गोली चलाई, जिससे एक पिट्सबर्ग डिटेक्टिव के पैर में चोट लगी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में वेस्ट को कई बार गोली मारी और उसे घायल किया। पुलिस को अब तक गोलीबारी के पीछे कोई साफ मकसद का पता नहीं चला है।

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु का इस्तीफा

एक महीने से भी कम समय का रहा कार्यकाल

पेरिस, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु ने सोमवार को पीएम पद से इस्तीफा दे दिया। सेबेस्टियन लेकोर्नु का बतौर प्रधानमंत्री कार्यकाल एक महीने से भी कम समय का रहा। इसके साथ ही साल 1958 के बाद सेबेस्टियन लेकोर्नु फ्रांस के सबसे कम समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं।

मंत्रिमंडल के एलान के बाद निशाने पर आए लेकोर्नु

फ्रांस के प्रधानमंत्री का नियुक्ति के कुछ हफ्ते बाद ही इस्तीफा देना, फ्रांस की राजनीति में गहरे संकट का संकेत दे रहा है। लेकोर्नु को 9 सितंबर को प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त किया गया था। लेकोर्नु को अपने मंत्रिमंडल की घोषणा के बाद ही उनकी अपनी पार्टी और विपक्षी खेमे की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। दरअसल लेकोर्नु के मंत्रिमंडल में 18 नामों में से 12 नाम पिछली सरकार में शामिल नेताओं के थे, जिसके बाद लेकोर्नु की आलोचना शुरू हो गई। लेकोर्नु को मंगलवार को अपनी सरकार का रोडमैप बताने के लिए नेशनल असेंबली को संबोधित करना था, लेकिन उससे पहले ही उनका इस्तीफा हो गया।

लेकोर्नु के इस्तीफे से फ्रांस में राजनीतिक संकट गहरा गया है और राष्ट्रपति मैक्रों पर भी दबाव बढ़ गया है। मैक्रों अब तक तीन असफल अल्पमत सरकारों का नेतृत्व कर चुके हैं। लेकोर्नु को फ्रांस के बढ़ते घाटे को कम करने के लिए संसद में एक संतुलित बजट पारित कराने का राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण काम सौंपा गया था।2024 में फ्रांस का घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.8% और कर्ज 113% था।

यह यूरोपीय संघ के नियमों से काफी ज्यादा हैं। यूरोपीय संघ के देश घाटे को 3 प्रतिशत तक सीमित रखते हैं। दक्षिणपंथी नेशनल रैली (आरएन) के नेता जॉर्डन बार्डेला ने पार्टी मुख्यालय में मरीन ले पेन के साथ मीडिया से बात करते हुए संसदीय चुनावों में शीघ्रता का आह्वान किया। राष्ट्रपति खेमे के भीतर भी असंतोष बढ़ रहा था।

एसएमएस हॉस्पिटल में आग, 8 मरीजों की मौत

स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ नारेबाजी, हंगामा; पुलिस से भिड़े आरएलपी कार्यकर्ता

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात आग लग गई। हादसे में 8 मरीजों की मौत हो गई। इनमें 3 महिलाएं शामिल हैं।

रात 11 बजकर 20 मिनट पर यह आग ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर में लगी। यहां पेपर, आईसीयू का सामान और ब्लड सैंपलर ट्यूब रखे थे।

ट्रॉमा सेंटर के नोडल ऑफिसर और सीनियर डॉक्टर ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। हादसे के समय आईसीयू में 11 मरीज थे। उसके बगल वाले आईसीयू में 13 मरीज थे।

वहीं, इस अग्निकांड की जांच के लिए शासन स्तर पर 6 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। FSL की टीम मौके पर पहुंची और सबूत इकट्ठे किए।

स्टोर रूम में लगे स्मॉक डिटेक्टर ने सही से काम नहीं किया। इसके कारण अलार्म सिस्टम समय पर एक्टिवेट नहीं हुआ।

वार्ड को स्टोर रूम बना दिया था, कबाड़ के कारण भड़कती गई आग।

फायर फाइटिंग सिस्टम नहीं होने के कारण आग बढ़ती चली गई। स्टाफ को मेनुअल फायर फाइटिंग सिस्टम की जानकारी नहीं थी। पूरी खबर पढ़ें...

बहादुर (मृतक) के परिजनों ने बताया कि जिस स्टोर में आग लगी थी, उसमें ताला लगा हुआ था। वहां मौजूद हॉस्पिटल के स्टाफ को कई बार इसके बारे में बताया गया। बावजूद इसके किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। जब धुआं बढ़ने लगा, तब जाकर स्टाफ ने चाबी मंगवाने की बात कही। कुछ ही देर में पूरे वार्ड में धुआं भर गया था और भगदड़ की स्थिति बन गई थी।

भरतपुर के रहने वाले शेरू ने बताया कि आग भड़कने से 20 मिनट पहले धुआं निकलना शुरू हुआ था। हमने स्टाफ को बताया, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। रात 11:20 बजे तक धुआं बढ़ने लगा और प्लास्टिक की ट्यूब पिघलकर गिरने लगी। मौके पर मौजूद वार्ड बॉय वहां से भाग निकले।

शेरू ने बताया कि हमने खुद ही अपने पेशेंट को मुश्किल से बाहर निकाला। हादसे के दो घंटे बाद पेशेंट को ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया गया, जब तक मौत हो चुकी थी।

ट्रॉमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि ICU में कुल 11 मरीज थे। इनमें से कुछ को तुरंत निकाल लिया गया था। आग बढ़ने के कारण 6 मरीज अंदर फंस गए थे। अंदर इतनी टॉक्सिक गैस थी कि उधर जाना मुश्किल हो गया था। इससे बचाव कार्य में काफी परेशानी हुई।

मौके पर पहुंचे गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम के सामने मरीजों के परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा था। परिजनों ने कहा कि हमने 20 मिनट पहले बता दिया था कि आग लग गई है। डॉक्टर भाग गए। कम से कम हमें यह बता दिया जाए कि हमारे परिवार वाले जिंदा हैं कि मर गए।

आग के बाद दम घुटने से मरने वाले मरीजों के परिजन सुबह 8 बजे धरने पर बैठ गए थे। 3 बजे परिजन और प्रशासन के बीच सहमति बनी। गृह मंत्री जवाहर सिंह बेढम, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ, जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी के साथ परिजनों के दो प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि सरकार की तरफ से हर मदद की जाएगी। हालांकि मुआवजे में क्या दिया जाएगा, इसकी अभी घोषणा नहीं की गई है।

ट्रॉमा सेंटर में लगी आग को लेकर हाईकोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए सरकारी बिल्डिंग के इंफ्रास्ट्रक्चर पर सवाल खड़े किए। जस्टिस महेंद्र गोयल और जस्टिस अशोक जैन की कोर्ट में झालावाड़ स्कूल हादसे को लेकर स्वप्रेरणा से दर्ज याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

सुनवाई के दौरान बेंच ने ट्रॉमा सेंटर अग्निकांड को लेकर कहा कि सरकारी बिल्डिंग में यह क्या हो रहा है? कहीं आग लग रही है, कहीं छत गिर रही है। कोर्ट ने कहा कि एसएमएस का ट्रॉमा सेंटर तो नया बना है, वहां भी ऐसा हादसा हो गया।

एसएमएस अस्पताल अग्निकांड : अशोक गहलोत बोले, घटना की न्यायिक जांच हो, बैरवा व बेढम ने किया पलटवार

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर के सवाईमानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में एक दर्दनाक हादसे में 8 मरीजों की मौत हो गई। आग से हुई मौत पर कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने घटना की न्यायिक जांच की मांग उठाई। साथ ही भजनलाल सरकार पर तंज कसे। इस पर राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा व मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कांग्रेस व अशोक गहलोत पर पलटवार किया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने सवाई मान सिंह अस्पताल का दौरा किया, जहां आग लगने से 8 मरीजों की मौत हो गई। मौके पर हालात को देखकर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भाजपा और राजस्थान पर जमकर बरसे। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा, हम मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से बात करेंगे। हमें बहुत दुख है कि कोई भी जांच की बात नहीं कर रहा है। मृतकों के परिवारों का कहना है कि उन्हें नहीं पता कि शव कहां हैं। यह बहुत बुरी स्थिति है। यहां कोई मंत्री नहीं है, कोई सरकारी अधिकारी नहीं है। ऐसी घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए। अशोक गहलोत के इस बयान के बाद भाजपा के नेताओं ने अशोक गहलोत को आड़े हाथों लेते हुए उन पर पलटवार किया। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने एसएमएस अस्पताल के आईसीयू वार्ड में आग लगने की घटना पर कहा, मुख्यमंत्री और हम सभी कल रात यहां आए और मुख्यमंत्री ने कारणों की जांच के लिए एक समिति बनाई है। मुख्यमंत्री इस बारे में चिंतित हैं, हम मृतकों के परिवारों को हरसंभव राहत प्रदान करने के लिए काम करेंगे। वहीं दूसरी तरफ राजस्थान के मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा, कांग्रेस पार्टी असंवेदनशील हो गई है। आग की घटना की सूचना मिलते ही हम अस्पताल गए। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और हमने स्थिति का जायजा लिया। हम पीड़ित परिवारों से मिले। यह बहुत दुखद घटना है। उधर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एसएमएस अस्पताल के आईसीयू वार्ड में आग लगने की घटना पर कहा, सरकार की लापरवाही के कारण लोगों की मौत हुई है। सरकार असंवेदनशील है, पूरी तरह से विफल हो चुकी है।

समाज का एक वर्ग 4 पत्नियां और 36 बच्चे पैदा कर बिगाड़ रहा जनसंख्या संतुलन

इसे रोकने की नीति बननी चाहिए, बोले विधायक बालमुकुंद

भीलवाड़ा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा में विप्र सेना और सर्व ब्राह्मण समाज की ओर से आयोजित तीन दिवसीय भगवान परशुराम प्रतिमा स्थापना महोत्सव का समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित सभा में बीजेपी विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा, समाज का एक वर्ग चार पत्नियां और 36 बच्चे पैदा करने पर जोर दे रहा है, जिससे समाज का संतुलन बिगड़ रहा है।

विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि वहीं हिंदू परिवार केवल एक या दो बच्चों तक सीमित हैं। उन्होंने कहा कि इस जनसंख्या असंतुलन को रोकने के लिए सरकार को ठोस नीति बनानी चाहिए। कार्यक्रम में जगद्गुरु श्री निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्यामशरण देवाचार्य 'श्रीजी' महाराज, शाहपुरा विधायक लालाराम बैरवा, विप्र सेना अध्यक्ष सुनील तिवारी सहित कई धार्मिक नेता, समाजसेवी और नागरिक मौजूद रहे।

वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद अश्क अली टांक का निधन

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति को गहराई से प्रभावित करने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद अश्क अली टांक का 67 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से सामाजिक कार्यों और जनसेवा में सक्रिय थे। उनके निधन से प्रदेश की राजनीति और समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। अश्क अली टांक का जन्म राजस्थान के जालौर जिले में हुआ था। वे प्रारंभ से ही कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और सामाजिक समानता के पक्षधर रहे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र राजनीति से की और 1985 में पहली बार राजस्थान विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए। इसके बाद उन्होंने कई बार विधानसभा चुनावों में हिस्सा लिया। वर्ष 2010 में वे राजस्थान से राज्यसभा सांसद निर्वाचित हुए और 2016 तक संसद सदस्य रहे। संसद में उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने शिक्षा, ग्रामीण विकास, रोजगार और अल्पसंख्यक कल्याण से जुड़े कई मुद्दे उठाए। पीआरएस इंडिया के अनुसार, उनकी उपस्थिति दर 94 प्रतिशत रही, जो उनकी निष्ठा और सक्रियता को दर्शाती है। वे सदन में अपनी शांत लेकिन प्रभावशाली उपस्थिति के लिए जाने जाते थे।

हॉस्टल की छठी मंजिल से गिरी नीट छात्रा

हालत नाजुक; कई जगह आई चोट, आखिर हुआ क्या?

कोटा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोटा जिले के कोरल पार्क स्थित रॉयल एलिना हॉस्टल में एक छात्रा हॉस्टल की छठी मंजिल से नीचे गिर गई। छात्रा की पहचान प्राची चौधरी (उत्तर प्रदेश, बुलंदशहर) के रूप में हुई है, जो पिछले दो साल से नीट की तैयारी कर रही थी। गिरने की घटना के बाद छात्रा को तुरंत मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सीढ़ियों से फिसलने की आशंका

हॉस्टल इंचार्ज अमरप्रीत सिंह के अनुसार प्राची सीढ़ियों से नीचे उतर रही थी कि अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गई। हॉस्टल कुल 12 मंजिला है और छात्रा उस समय अकेली थी। गिरने के कारण उसके शरीर पर कई जगह चोटें आई हैं।

पुलिस और हॉस्टल प्रशासन की प्रतिक्रिया

बोरखेड़ा थाना अधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि घटनास्थल पर पुलिस ने मौके का जायजा लिया और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है। हॉस्टल इंचार्ज ने छात्रा को तुरंत वाहन से अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को भी हादसे की जानकारी दे दी गई, जो कोटा के लिए रवाना हो चुके हैं।

छात्रा की देखभाल और इलाज

छात्रा की स्थिति गंभीर है और अस्पताल में उसका उपचार जारी है। हॉस्टल प्रशासन और पुलिस दोनों घटना की पूरी जानकारी जुटाकर आगे की कार्रवाई कर रहे हैं।

भीषण हादसे में सालासर जा रहे जीजा-साला समेत 3 की मौत

चूरू, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार जिले से सालासर बालाजी के लिए पैदल ध्वज यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं का दल सुबह एक भीषण हादसे का शिकार हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर होटल पैराडाइज के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंची। पुलिस ने ट्रक की टक्कर लगने वाले तीन पदयात्रियों को चूरू के राजकीय भरतिया अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। जबकि दो साथ में चल रहे घायल हुए श्रद्धालुओं को साथी पदयात्रियों ने निजी वाहन से भरतिया अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब सात बजे हुआ। मृतकों की पहचान हिसार के न्यौली कला निवासी प्रीतम सिंह (34), सुरेंद्र सिंह ढांडा (32) और हांसी निवासी मनजीत जाट (30) के रूप में हुई है। तीनों पैदल यात्रा पर थे और हाथ में ध्वज लिए सालासर बालाजी के दर्शन को जा रहे थे। हादसे में चूरू जिले के लंबोर छीपीयान निवासी प्रशांत (19) और रतनपुरा निवासी विकास (36) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को चूरू के राजकीय भरतिया अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया। हादसे में मारे गए प्रीतम सिंह पेट्रोल पंप पर सेल्समैन का काम करते थे। वे विवाहित थे और दो बच्चों के पिता थे। सुरेंद्र सिंह एक निजी एकेडमी में कार्यरत थे और उनका भी एक बेटा है। मनजीत खेतीबाड़ी करते थे। वे सुरेंद्र के जीजा थे और उनकी शादी को अभी ज्यादा समय नहीं हुआ था उनके घर 6 महीने का बेटा है।

पीएचसी लोकार्पण से रोका तो अफसरों से भिड़ गई कांग्रेस की महिला विधायक रीटा चौधरी, 3 थानों की पुलिस ने संभाला मोर्चा

झुंझुनू, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं के मंडावा से कांग्रेस की विधायक रीटा चौधरी और प्रशासन के बीच चुड़ैला गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के लोकार्पण को लेकर तीखी तकरार हुई। प्रशासन ने भवन का हैंडओवर पूरा नहीं होने का हवाला देकर कार्यक्रम रोक दिया, जबकि विधायक और ग्रामीणों ने इसे राजनीतिक दबाव में की गई कार्रवाई बताया।

विवाद की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने सुबह से ही चुड़ैला गांव में एडिशनल एसपी हेमंत सिंह, सीओ रामखिलाड़ी, एसडीएम सुमन देवी सहित 3 थानों की पुलिस तैनात कर दी थी। पीएचसी भवन के चारों ओर पुलिस का पहरा था। प्रशासन ने शनिवार को ही कार्यक्रम स्थल पर लगे टेंट हटवा दिए और वहां बैरिकेडिंग कर दी थी।

जैसे ही विधायक रीटा चौधरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची, ग्रामीणों ने प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। प्रशासनिक अधिकारियों ने विधायक को भवन के अंदर जाने से रोक दिया। इस पर विधायक चौधरी ने SDM सुमन देवी से कहा, आपको आम आदमी के टैक्स से वेतन मिलता है, आप क्या समझती हैं अपने आप को? किस आदेश के तहत मुझे रोका जा रहा है? इसका जवाब दो। विधायक रीटा चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार व एसडीएम प्रशासन हारे हुए उम्मीदवारों के दबाव में काम कर रही है।

यह पीएचसी मैंने कांग्रेस सरकार के समय स्वीकृत करवाई थी, पैसा मंजूर करवाया, काम शुरू करवाया। ग्रामीणों की इच्छा थी कि इसका उद्घाटन मैं करूं लेकिन प्रशासन ने साजिश के तहत कार्यक्रम रुकवा दिया। उनके साथ धक्का-मुक्की भी की गई। जब प्रशासन ने भवन में उद्घाटन की अनुमति नहीं दी तो विधायक ने ग्राम पंचायत भवन में एक टेबल पर पट्टिका रखकर प्रतीकात्मक रूप से उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद विधायक और ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत भवन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक रैली निकाली। रैली में प्रशासन मुर्दाबाद और BJP सरकार हाय-हाय के नारे लगे। इस मौके पर सरपंच बिमला तिलोटिया, प्रधान घासीराम पूनिया और ग्रामीण मौजूद रहे।

यह निर्णय विभागीय निर्देशों के आधार पर लिया गया है। चिकित्सा विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि जब तक भवन का पूरा हैंडओवर नहीं हो जाता तब तक लोकार्पण नहीं किया जा सकता। अभी भवन का कार्य अधूरा है। इसे हैंडओवर नहीं किया गया है।

पीएचसी को 3 महीने पहले ही विभाग को सौंप दिया गया था। BJP को गांव के विकास कार्य बर्दाश्त नहीं हो रहे इसलिए प्रशासन का इस्तेमाल कर उद्घाटन रुकवाया गया है।

जन्म के 30 मिनट बाद नवजात को छत पर छोड़ गई मां

मकान मालिक के बेटे को चुनरी में लिपटी मिली बच्ची

जालौर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। जालौर जिले में हृदयविदारक घटना सामने आई, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर दिया। जन्म के करीब 30 मिनट बाद ही एक नवजात बच्ची को मकान की छत पर गुलाबी चुनरी में लपेटकर छोड़ दिया गया। सौभाग्य से समय रहते मकान मालिक के बेटे की नजर उस पर पड़ी और उसने बच्ची को गिरने से पहले बचा लिया। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के लाल पोल इलाके की है। स्थानीय निवासी जावेद ने बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे उसका बेटा समीर कपड़े लेने के लिए छत पर गया था। उसी दौरान उसने चारदीवारी के कोने में कुछ हलचल देखी और पास जाकर देखा तो वहां चुनरी में लिपटी एक नवजात बच्ची थी। समीर ने बताया कि बच्ची दीवार के किनारे थी और किसी भी वक्त नीचे गिर सकती थी। उसने तुरंत बच्ची को उठाया और नीचे ले आया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। एएसआई सगुणा, कांस्टेबल सुनीता और सुरेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर बच्ची की स्थिति देखी। उन्होंने घर से बिस्तर मंगवाकर बच्ची को उसमें लपेटा और महिला अस्पताल, जालोर ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची का जन्म करीब आधा घंटा पहले हुआ था और उसका वजन लगभग तीन किलो है। फिलहाल बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है और उसे शिशु एवं मातृ स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया है। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश चौधरी ने बताया कि बच्ची को प्राथमिक उपचार देने के बाद उसकी सभी आवश्यक जांचें की जा रही हैं। शुरुआती रिपोर्ट सामान्य पाई गई है।

बच्चों और गर्भवती महिलाओं को नुकसान पहुंचाने वाली दवाओं पर लगेगा चेतावनी का लेबल, केंद्र ने फैसले को सराहा

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कफ सिरप डेक्सट्रोमेथॉर्फन से चार बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया। कफ सिरप डेक्सट्रोमेथॉर्फन पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं राजस्थान स्वास्थ्य विभाग ने सरकार की मुफ्त दवा योजना के तहत वितरित दवाओं पर चेतावनी का लेबल लगाने की नीति लागू की है। इस नीति के तहत वो दवाएं शामिल हैं जो बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। इन खतरनाक दवाओं पर विशेष रूप से चेतावनी अंकित करने का निर्देश जारी किया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने यह अहम कदम उठाया।

राजस्थान स्वास्थ्य विभाग के पहल का उद्देश्य संभावित रूप से खतरनाक दवाओं को स्पष्ट रूप से चिह्नित करके आगे होने वाले नुकसान को रोकना है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने राजस्थान सरकार के इस फैसले की सराहना करते हुए अन्य राज्यों से भी इसी तरह के कदम उठाने का आग्रह किया। यह कार्रवाई एक डॉक्टर और फार्मासिस्ट को तीन साल के बच्चे को यह सिरप लिखने के आरोप में निलंबित किए जाने के बाद की गई है। जिससे दवा सुरक्षा प्रोटोकॉल को और सख्त करने की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है।

देश के विभिन्न राज्यों में खांसी की सीरप की गुणवत्ता का मामला सामने आने के बाद भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य सचिवगण के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत सरकार की सचिव ने राजस्थान के इस संबंध में उठाए गए कदमों का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए अन्य राज्यों में इन उपायों को अपनाए जाने के निर्देश दिए हैं।

हाल के दिनों में कथित तौर पर विवादास्पद कफ सिरप पीने से सीकर, चूरू और भरतपुर जिलों के चार बच्चों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों अन्य को स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं हो गईं। जांच में जब यह पता चला कि सीकर जिले के हाथीदेह जन स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए आए तीन साल के एक बच्चे को डेक्सट्रोमेथॉर्फ़न दवा दी गई है, तो स्वास्थ्य विभाग इस पर एक्शन लेते हुए एक डॉक्टर और फार्मासिस्ट को निलंबित कर दिया। प्रतिबंध लगने से पहले भी डेक्सट्रोमेथॉर्फ़न को चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता था।

बाजार में नकली नोट चला रहे थे तीन युवक, पुलिस ने दबोचा

नागौर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन में बाजारों में बढ़ती भीड़ का फायदा उठाकर नकली नोट चलाने की कोशिश करने वालों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गौशाला तिराहा पर शनिवार शाम को जागरूक दुकानदारों ने नकली नोट होने का संदेह होने पर डिप्टी ऑफिस में कार्यरत कांस्टेबल बाबुलाल जाट को सूचना दी। इसके बाद पुलिस उप अधीक्षक विक्की नागपाल की टीम मौके पर पहुंची और तीन आरोपियों को धर दबोचा।

गिरफ्तार आरोपियों में पप्पूराम पूनियां पुत्र पोकरराम जाट और भागुराम पुत्र पेमाराम जाट निवासी सारोठिया थाना सुजानगढ़, तथा धर्मेन्द्र पुत्र मांगीलाल जाट निवासी बारनीखूर्द थाना आसोप शामिल हैं। युवकों की तलाशी लेने पर 500-500 रुपए के कुल 26 जाली नोट बरामद किए गए, जिनकी कुल राशि 13 हजार रुपए है।

छोटी दुकानों पर चला रहे थे नोट

पुलिस उप अधीक्षक विक्की नागपाल ने बताया कि युवक बाजार में दुकानदारों से छोटी-छोटी खरीदारी कर 500 रुपए के नोट देकर छुट्टे पैसे ले रहे थे। जांच में बरामद नोटों में कई नोटों के सीरियल नंबर समान पाए गए और रगड़ने पर कलर फैलने लगा, जिससे स्पष्ट हुआ कि ये सभी नोट नकली हैं।

तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी अन्य इलाकों में भी नकली नोट चलाने का प्रयास कर चुके हैं।

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि ये नोट कहां से छापे गए या प्राप्त किए गए हैं और क्या इनके पीछे कोई बड़ा गिरोह तो नहीं है। थानाधिकारी महीराम बिश्नोई ने बताया कि नकली नोट चलाने वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

ऐतिहासिक गुरुद्वारे में हिंसक झड़प, 19 साल पुराना है विवाद

प्रबंधक कमेटी प्रधान बोलीं- कब्जा करने आए थे, मासूम बच्चों को इतना मारा खून की उल्टियां हुई

हनुमानगढ़, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले के गोलूवाला तहसील में 16 साल से चला आ रहा श्री गुरुद्वारा मेहताबगढ़ प्रबंधक कमेटी का विवाद गुरुवार को खूनी संघर्ष में बदल गया। गुरुद्वारे के भीतर बड़ी संख्या में भीड़ घुसी। इसके बाद एक गुट ने न केवल मारपीट की बल्कि सोते हुए मासूम बच्चों और जानवरों को भी नहीं बख्शा।

हिंसक झड़प में 8 घायल हो गए। इसके बाद क्षेत्र में इंटरनेट बंद कर स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। वहीं सुरक्षा के लिए 16 थानों से पुलिस फोर्स की तैनाती की गई। आखिर एक धार्मिक संस्थान के भीतर खूनी संघर्ष की नौबत कैसे आई?

हनुमानगढ़ जिला मुख्यालय से करीब 32 किलोमीटर दूर गोलूवाला कस्बा है। यहां के गुरुद्वारा मेहताबगढ़ साहिब को 1962 में गांव के सरपंच चौधरी सहीराम जैलदार ने करीब डेढ़ एकड़ जमीन देकर बनवाया था। 2009 में पंजाब के बरनाला के सेणा गांव के बाबा अमृतपाल ने यहां गांव वालों और संगत की ओर से दस्तारबंदी के बाद प्रबंधक कमेटी और पाठी का जिम्मा संभाला था।

गांव के गमदूर सिंह ने बताया कि अक्टूबर 2016 में बाबा अमृतपाल पंजाब के मुक्तसर में एक गुरुद्वारे के मामले में गए थे, जहां उनका मर्डर हो गया। इसके बाद उनकी पत्नी बीबी हरमीत कौर को उनकी जगह श्री गुरुद्वारा मेहताबगढ़ प्रबंधक कमेटी का जिम्मा सौंप दिया गया था।

विवाद का जन्म यहीं से हुआ। गमदूर सिंह का कहना है कि गांव की जमीन पर बने इस गुरुद्वारे का प्रबंधन गांव वालों के हाथों में होना चाहिए। जबकि बाबा अमृतपाल के बाद जिम्मेदारी संभाल रहीं बीबी हरमीत कौर का कहना है कि पूरी संगत और वैधानिक प्रक्रिया से उन्हें चुना गया है। गुरुद्वारा श्री मेहताबगढ़ प्रबंधक कमेटी पर नियंत्रण बनाए रखने का यह विवाद 2 अक्टूबर की देर रात खूनी संघर्ष में बदल गया, जिसमें 8 लोग गंभीर घायल हैं।

गांव के गमदूर सिंह ने कहा कि इस साल पंजाब में बाढ़ से किसानों का बहुत नुकसान हुआ था। वहां प्रभावितों तक मदद पहुंचाने के लिए गोलूवाला की सिख संगत ने चार ट्रॉली राशन और करीब 50 हजार रुपए इकट्ठे किए थे। सिख संगत यह राशि गुरुद्वारे की ओर से देना चाहती थी। लेकिन कमेटी की प्रबंधक बीबी हरमीत कौर ने मना कर दिया और इकट्ठे किए सामान पर भी कब्जा कर लिया। गुरुद्वारे की रसीद भी नहीं दी।

इसका जवाब देते हुए बीबी कौर ने कहा- सेवादार गुरुद्वारे की रसीद बुक अपने साथ ले जाने पर अड़े हुए थे। मैंने उनसे कहा कि अगर आपको रसीद बुक चाहिए तो कमेटी के मेंबर को साथ ले जाना होगा। वही रसीद काटकर देगा। कौर ने बताया कि गुरुद्वारे से जुड़े हर काम को हम पवित्र रखते हैं। लेकिन कई सेवादारों के मुंह में तंबाकू-जर्दा था। हमने ऐसी स्थिति में रसीद देने से मना किया तो उस मुद्दे को तूल दे दिया। बाकी सेवादार जो एक ट्रॉली राशन और कुछ दूसरा सामान इकट्ठा करके लाए थे, उसे अगले ही दिन पंजाब के फाजिल्का और फिरोजपुर में बंटवा दिया गया था।

डीजीपी ने पदक विजेताओं की सराहना की

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस कुश्ती क्लस्टर टीमों (कुश्ती, आर्म रेसलिंग और बॉक्सिंग) ने 20 से 24 सितंबर तक मधुबन, करनाल, हरियाणा में आयोजित 74वें अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती क्लस्टर 2025-26 (03 इवेंट) में भाग लिया है। तेलंगाना पुलिस कुश्ती टीम के खिलाड़ी एन. जेशवंत, पीसी, आईटी एंड सी राचकोंडा ने ग्रीको रोमन शैली में 63+ वर्ग में 1 कांस्य पदक जीता है और आर्म रेसलिंग खिलाड़ी जी. राधिका, डब्ल्यूपीसी, पीएस अडकल, महबूबनगर ने 80+ भार वर्ग में 1 कांस्य पदक जीता है। इस संबंध में एम. रमेश, पुलिस महानिरीक्षक, खेल, पदक विजेताओं के साथ, कोच और डॉ.आर.वी. रामाराव, उप-पुलिस अधीक्षक, खेल अधिकारी ने बी. शिवधर रेड्डी, आईपीएस से मुलाकात की।

पुलिस महानिदेशक, तेलंगाना डीजीपी, तेलंगाना ने पदक विजेताओं और प्रशिक्षकों को बधाई और अभिनंदन किया।

नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड : 7.67 एकड़ जमीन की कीमत 177 करोड़ रुपये प्रति एकड़

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) ने हैदराबाद नॉलेज सिटी के रायदुर्ग में 7.67 एकड़ जमीन की अपनी नवीनतम नीलामी में रिकॉर्ड तोड़ 177 करोड़ प्रति एकड़ की कमाई की है, जिसने तेलंगाना में जमीन के मूल्य का एक नया मानक स्थापित किया है। यह तेलंगाना राज्य में किसी भी सरकारी नीलामी में प्रति एकड़ प्राप्त अब तक की सबसे अधिक कीमत है, जिसने एचएमडीए द्वारा आयोजित नीलामी में प्राप्त 3.60 एकड़ जमीन के लिए पहले के नियोपोलिस, कोकापेट के 100.75 करोड़ रुपये प्रति एकड़ के मानक को पीछे छोड़ दिया है। रायदुर्ग नीलामी में प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय डेवलपर्स की असाधारण भागीदारी रही, जिसने हैदराबाद के निरंतर विकास, नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता और हैदराबाद के नॉलेज सिटी के केंद्र के रूप में रायदुर्ग के रणनीतिक महत्व में निवेशकों के दृढ़ विश्वास को प्रदर्शित किया। यह तेलंगाना सरकार के मज़बूत नीतिगत समर्थन को भी रेखांकित करता है। इस अवसर पर बोलते हुए, टीजीआईआईसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, के. शशांक ने कहा कि रायदुर्ग नीलामी की अपार सफलता तेलंगाना के लिए गौरव का क्षण है। 177 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की रिकॉर्ड कीमत हैदराबाद की दीर्घकालिक क्षमता और तेलंगाना राइजिंग-2047 की कहानी में निवेशकों और डेवलपर्स के दृढ़ विश्वास को दर्शाती है।

एनआईआरडीपीआर ने राष्ट्रव्यापी पुनश्चर्या प्रशिक्षण शुरू किया

एनआईआरडीपीआर के महानिदेशक डॉ.जी. नरेंद्र कुमार ने उद्घाटन किया

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनआईआरडीपीआर ने ब्लॉक स्तर पर डेटा-आधारित विकास, साक्ष्य-आधारित नियोजन और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग के सहयोग से आकांक्षी ब्लॉक अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण शुरू किया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर), हैदराबाद ने नीति आयोग के सहयोग से आज आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) के अंतर्गत पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। उद्घाटन सत्र का औपचारिक उद्घाटन एनआईआरडीपीआर के महानिदेशक डॉ.जी. नरेंद्र कुमार ने किया और एबीपी के विजन और मिशन पर नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अतिरिक्त मिशन निदेशक आनंद शेखर ने प्रकाश डाला। नीति आयोग द्वारा वर्ष 2023 में शुरू किए गए आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम का उद्देश्य 40 चिन्हित संकेतकों में अभिसरण, डेटा-संचालित और संतृप्ति दृष्टिकोण पर केंद्रित होकर देश भर के 500 सबसे अविकसित ब्लॉकों का कायाकल्प करना है। यह पुनश्चर्या प्रशिक्षण ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) और अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है ताकि प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) की संतृप्ति प्राप्त करने की दिशा में प्रगति में तेजी लाई जा सके। आज से, एनआईआरडीपीआर स्वास्थ्य, पोषण, बुनियादी ढांचा, शिक्षा, सामाजिक विकास और वित्तीय समावेशन जैसे पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर केंद्रित ये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। ये कार्यक्रम 6 अक्टूबर को नौ स्थानों पर एक साथ शुरू किए जा रहे हैं और 20 नवंबर 2025 तक चलेंगे। एनआईआरडीपीआर बैचों में 126 प्रशिक्षण आयोजित करेगा और आकांक्षी ब्लॉकों के लगभग 5,000 ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों, आकांक्षी ब्लॉक फेलो और ब्लॉक प्रमुखों को कवर करेगा।

उद्घाटन सत्र के दौरान, एनआईआरडीपीआर के महानिदेशक ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के विजन को ज़मीनी स्तर पर मूर्त परिणामों में बदलने में क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। नीति आयोग के एबीपी के अतिरिक्त मिशन निदेशक आनंद शेखर ने उद्देश्यों पर परिचयात्मक टिप्पणी की और भाग लेने वाले अधिकारियों के अपने-अपने ब्लॉक में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए उनके पूर्व प्रयासों की सराहना की। एनआईआरडीपीआर द्वारा अनुभवी संकाय सदस्यों के सहयोग से प्रशिक्षण मॉड्यूल और रूपरेखा विकसित की गई और नीति आयोग के साथ मिलकर इसे अंतिम रूप दिया गया। इस क्षमता निर्माण का समन्वय डॉ.आर. अरुणा जयमणि, सहायक प्रोफेसर और डॉ.पी. केशव राव, प्रमुख, सीआरटीसीएन एनआईआरडीपीआर द्वारा किया गया है।

तुम्मला के हस्तक्षेप से कपास खरीद गतिरोध दूर

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि एवं विपणन मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव की पहल के बाद कपास खरीद में जारी गतिरोध दूर हो गया है। सीसीआई अधिकारियों, जिनिंग मिल मालिकों और कृषि विभाग के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में, मंत्री ने लिंट प्रतिशत और स्लॉट बुकिंग के आवंटन सहित निविदा शर्तों पर चिंताओं का समाधान किया। उन्होंने सभी हितधारकों को तुरंत निविदाओं में भाग लेने और बिना किसी देरी के खरीद शुरू करने का निर्देश दिया, ताकि किसानों को कोई असुविधा न हो। मंत्री तुम्मला ने नए नियमों की 'साप्ताहिक समीक्षा' पर ज़ोर दिया, 'स्वतंत्र सत्यापन' का सुझाव दिया और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा करेगी। सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, सीसीआई और जिनिंग मिल मालिकों ने खरीद प्रक्रिया पूरी करने और अगले सप्ताह किसानों से कपास संग्रह शुरू करने की प्रतिबद्धता जताई। मंत्री ने मोबाइल और स्लॉट बुकिंग ऐप पर 'व्यापक जागरूकता अभियान' चलाने का भी आदेश दिया और टोल-फ्री हेल्पलाइन के प्रचार का अनुरोध किया। इन कदमों से राज्य में कपास खरीद गतिरोध सफलतापूर्वक हल हो गया है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों में सीसीआई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ललित कुमार गुप्ता, कृषि निदेशक गोपी, निदेशक (फाइबर) पूर्णेश गुरुनानी और राज्य कपास जिनिंग मिल्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि शामिल थे।

कुकटपल्ली फ्लाईओवर पर 2 कारों की टक्कर में 4 घायल

तेज रफ्तार और लापरवाही से ड्राइविंग बनी हादसे की वजह

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह कुकटपल्ली फ्लाईओवर पर एक तेज रफ्तार कार के नियंत्रण खो देने से बड़ा हादसा हो गया। कार विपरीत दिशा से आ रही दूसरी कार से टकरा गई, जिसमें चार लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, जेएनटीयू से हाईटेक सिटी की ओर जा रही कार तेज गति से चल रही थी। फ्लाईओवर के बीच में पहुंचते ही चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे कार पहले सड़क के डिवाइडर और एक बिजली के खंभे से टकराई, फिर उछलकर दूसरी दिशा से आती कार से जा भिड़ी। हादसे में दोनों कारों में सवार चार लोग घायल हो गए, जिन्हें पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर कुकटपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू की।

पोलावरम-बनकाचेरला लिंक परियोजना पर आंध्र प्रदेश ने तेज की रफ्तार

तेलंगाना की चुप्पी जारी

पर्यावरणीय चिंता और अंतर-राज्यीय जल विवाद फिर चर्चा में

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार द्वारा पोलावरम-बनकाचेरला लिंक परियोजना (पीबीएलपी) पर प्रतिक्रिया न देने के बीच, आंध्र प्रदेश ने इस महत्वाकांक्षी योजना पर जमीनी काम तेज कर दिया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने 2027 तक गोदावरी के जल को रायलसीमा की ओर मोड़ने का लक्ष्य रखा है, जो उसी वर्ष होने वाले गोदावरी पुष्करम से मेल खाएगा। परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट केंद्रीय जल आयोग के पास जांच के लिए लंबित है, जबकि पोलावरम के मुख्य कार्यों में पहले से ही तेजी लाई जा रही है। अब तक डायाफ्राम दीवार का 58 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और मिट्टी के बांध का निर्माण दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

नायुडू ने हाल ही में कहा कि यह परियोजना गोदावरी जल विवाद न्यायाधिकरण (जीडब्ल्यूडीटी) के प्रावधानों के अनुरूप है और समुद्र में बर्बाद हो रहे अतिरिक्त 3,700 टीएमसी पानी के उपयोग से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों को लाभ होगा। उन्होंने केंद्र से मंजूरी मिलने का दावा करते हुए तेलंगाना से आपसी लाभ के लिए इसमें सहयोग करने का आग्रह भी किया। हालांकि पर्यावरणविदों और नागरिक समाज संगठनों ने नल्लामाला क्षेत्र में सुरंग निर्माण से जैव विविधता को संभावित नुकसान और आदिवासी विस्थापन को लेकर चिंता जताई है।

तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने पहले ही इस परियोजना का विरोध करने की बात कही थी, आरोप लगाते हुए कि यह जीडब्ल्यूडीटी की शर्तों का उल्लंघन है और राज्य के हिस्से से 200 टीएमसी पानी छीन सकता है। तेलंगाना ने इसके विकल्प के रूप में 10,000 करोड़ रुपये की इंचमपल्ली-गोदावरी लिंक परियोजना का प्रस्ताव दिया था, लेकिन अगस्त के बाद से इस पर राज्य सरकार की ओर से कोई नई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस बीच, 24 सितंबर को कर्नाटक ने भी इस मामले में दखल देते हुए कहा कि यदि पीबीएलपी को केंद्र से मंजूरी मिलती है, तो उसे कृष्णा बेसिन से 64.75 टीएमसी पानी प्रतिपूरक रूप में दिया जाए। तेलंगाना की ओर से पहले यह संकेत दिए गए थे कि जरूरत पड़ने पर वह सर्वोच्च न्यायालय का रुख कर सकता है, लेकिन फिलहाल राज्य सरकार इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है, जबकि आंध्र प्रदेश तेजी से परियोजना को आगे बढ़ा रहा है।

सीतारामबाग में चेन स्नैचिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हबीबनगर पुलिस ने सोमवार को सीतारामबाग में हुई चेन स्नैचिंग की वारदात में शामिल दो आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद सद्दाम (32) और उपादे शिवा (31) के रूप में हुई है। सद्दाम मल्लेपल्ली का रहने वाला और पेशे से बढ़ई है, जबकि शिवा निलोफर अस्पताल में हाउसकीपिंग कर्मचारी के रूप में काम करता है।

पुलिस के अनुसार, दोनों ने शिकायतकर्ता नागमणि की दुकान से लहसुन खरीदने के बहाने ग्राहक बनकर उसका सोने का मंगलसूत्र छीन लिया था। जांच में पता चला कि सद्दाम पहले भी हैदराबाद में 30 से अधिक संपत्ति अपराधों में शामिल रहा है। अगस्त में जेल से छूटने के बाद उसने शिवा के साथ मिलकर फिर से अपराध शुरू किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 2.6 तोला सोना और 34,100 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के विरोध में आसिफाबाद बाजार बंद रहा

कुमरम भीम आसिफाबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को सभी दलों और कई संगठनों के आह्वान पर जिला मुख्यालय में व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने हिंदू त्योहारों पर पुलिस द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के विरोध में बंद में भाग लिया। कई लोग इस बात से नाराज़ थे कि पुलिस ने हाल ही में हुए विनायक विसर्जन समारोहों, बतुकम्मा समारोहों, दुर्गा और शारदा माता विसर्जन समारोहों के दौरान हर कदम पर बाधाएं खड़ी कीं। आरोप हैं कि देवी नवरात्रि उत्सव के तहत आयोजित विसर्जन समारोहों के दौरान पुलिस ने महिलाओं के प्रति अभद्र और अनुचित टिप्पणियां कीं। इसके साथ ही, कई लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं और त्योहारों में लगाए गए डीजे को पुलिस थाने ले जाकर मामला दर्ज किया गया है, जिससे राजनीतिक दलों के नेता और कई संगठनों के नेता नाराज हैं। वे पुलिस से त्योहारों पर प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहे हैं। व्यापारियों ने स्वेच्छा से शहर के बंद में भाग लिया है और अपना समर्थन व्यक्त किया है। उसके बाद कुछ संगठनों ने जिला एसपी कांतिलाल पाटिल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि हिंदू उत्सव गणेश उत्सव, नवरात्रि त्योहार के अवसर पर पुलिस का रवैया ठीक नहीं रह रहा है। इसलिए उन्होंने मांग की है कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाए और आने वाले समय में हिंदू उत्सव पर किस प्रकार की कोई पाबंदियां न लगाने की मांग की। एसपी ने आश्वासन देते हुए कहा कि संबंधित एसआई पर कार्रवाई की जाएगी और आगे से इस प्रकार की घटना ना घटे इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के लिए हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

खुली निविदा सूचना संख्या बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-26-2025-26 दि.3-10-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु आईआरईपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या: निविदा संख्या बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-26-2025-26, कार्य विवरण: गोदावरी पुष्करम्स -2027 सहित तत्संबंधित बीजेडए डिवीजन के आरजेवाय यार्ड पर ओएचइ का जोड (एडीशंस) एवं बदलाव (आल्टरेशन्स) कार्य। अनुमानित मूल्य रू.1,28,13,357.28, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 महिने, बोली सुरक्षा राशि (पूधरा)रु.2,14,100.00, बंद करने की तिथि: 23-10-2025 के 15.00 बजे, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

सूचना: यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो, निविदा को उसके अगले कार्य दिवस में खोला जायेगा।

विवरण हेतु कृपया हमारा वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।

A1565 वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, विजयवाडा

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

तेलंगाना लैक्रोस सीनियर गर्ल्स टीम ने स्वर्ण पदक जीता

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-क्षेत्र लैक्रोस राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025-26 में छह दक्षिण राज्यों- तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और पुडुचेरी ने भाग लिया। कौशल और टीम वर्क के उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ, तेलंगाना लैक्रोस सीनियर गर्ल्स टीम ने स्वर्ण पदक जीता और दक्षिण क्षेत्र चैंपियन बनी।

इस सफलता के बाद, एसोसिएशन ने आगामी दूसरे फेडरेशन कप 2025-26 की घोषणा की, जिसमें लड़के और लड़कियों दोनों टीमों के लिए चयन ट्रायल और गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होंगे। इस आयोजन का उद्देश्य नई प्रतिभाओं की पहचान करना और आगामी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय लैक्रोस चैंपियनशिप के लिए एथलीटों को तैयार करना है।

रेल मंत्रालय (दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

रेल मंत्रालय (दक्षिण मध्य रेलवे)
अधिसूचना
सिकंदराबाद, 24 सितम्बर, 2025

का.आ. 4365 (अ). – केंद्र सरकार, रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 2 के खंड) 37ए (द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा, "3000 एमटी लोडिंग के लक्ष्य को पूरा करने हेतु 1X25 केवी से 2X25 केवी कर्षण प्रणाली तक विद्युत कर्षण प्रणाली का उन्नयन कार्य "को जन प्रयोजन हेतु राष्ट्रीय अवसंरचना प्रदान करने के लिए तेलंगाना राज्य में भूमि अधिग्रहण हेतु आधिकारिक राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक विशेष रेलवे परियोजना के रूप में अधिसूचित करती है. विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत हैं.

क्र.सं.	सेक्शन	टीएसएस	जिला
1	सिकंदराबाद–काजीपेट	आलेर	यादाद्रि भुवनगिरी
2		घनपुर	जनगांव
3		घाटकेसर	मेड्चल मलकाजगिरी
4	वाडी – विकाराबाद	तांडुर	विकाराबाद
5	बल्हारशाह – रामागुंडम	बेल्लमपल्ली	मंचेरियल
6		रामागुंडम	पेद्दपल्ली
7	काज़ीपेट – डोर्नकल	नेकोंडा	वरंगल
8		डोर्नकल जं.	महबूबनगर
9	खम्मम – कोंडापल्ली	बोनकालु	खम्मम
10		कोंडापल्ली	एनटीआर
11	रामगुंडम – काज़ीपेट	काज़ीपेट	हनुमकोंडा
12		जम्मिकुंटा	करीमनगर

[फा. सं. CEE/Projects/SC/SRP/2x25KV/LA/37A/2]

A1567 अमित अग्रवाल, मुख्य इंजीनियर/निर्माण/आयोजना व सर्वेक्षण

अनाथालय में बच्चों के लिए मनोरंजक खेल

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कल्याण संस्था ने अनुराग चिल्ड्रन होम और अनाथालय के बच्चों के लिए दशहरा मिलन समारोह मनाया गया। कल्याण संस्था के सदस्यों ने बच्चों के साथ मिलकर एक छोटा नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संस्था के कार्यकर्ताओं और बच्चों के बीच हुई रस्सा खींच एवं चोर पुलिस का खेल रहा। इस अवसर पर बच्चों के लिए कई मनोरंजक खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

संस्था अध्यक्ष आरोही रावत ने कहा, हमारा प्रयास है कि अनुराग चिल्ड्रन होम के ये बच्चे भी समाज की मुख्य धारा से जुड़कर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें। समारोह में कल्याण संस्था के कोषाध्यक्ष आदित्य, प्रभा पेटवाल, सुनील पेटवाल, अमित थपलियाल अभिलाष, बबीता, सावित्री रावत एवं सुभाष चंद्रा ने मुख्य भूमिका निभाई।

33,000 रुपये के विवाद में युवक पर चाकू से हमला

कंचनबाग पुलिस ने सोमवार को की गिरफ्तारी

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कंचनबाग पुलिस ने रविवार को हुए एक हमले के मामले में सोमवार को एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी ने 33,000 रुपये के लेन-देन के विवाद में अपने दोस्त पर चाकू से हमला किया था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ताहिर बिन अब्दुल्ला बरवार अहमद (20) के रूप में हुई है, जो चारमीनार के पास फुटपाथ पर छोटा-मोटा कारोबार करता है।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित शेख सैफ और ताहिर कई वर्षों से दोस्त थे। दिसंबर 2023 में ताहिर ने सैफ से 33,000 रुपये उधार लिए थे। 10,000 रुपये लौटाने के बाद वह बाकी रकम नहीं चुका पाया। एसीपी कंचनबाग ए. सुधाकर ने बताया कि रविवार को ताहिर ने सैफ को बातचीत के बहाने हफीजबाबा नगर बुलाया और वहां उस पर चाकू से कई वार कर दिए। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने सोमवार को उसे गिरफ्तार कर लिया।

आदिवासियों को मच्छरदानी और नाश्ता वितरित

कोत्तागुडेम, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लक्ष्मीदेवीपल्ली मंडल की आदिवासी बस्ती गंद्रबंधा में आदिवासियों को एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा मच्छरदानी और नाश्ता वितरित किया गया। एनजीओ हैप्पी टू हेल्प यू फाउंडेशन के सदस्यों ने यह कदम तब उठाया जब उन्हें पता चला कि हाल ही में मौसम में बदलाव के कारण आदिवासी डेंगू और मच्छरों के काटने से प्रभावित हो रहे हैं। साईं दीप ने अपने जन्मदिन के अवसर पर इस सामग्री की व्यवस्था की। एनजीओ के सदस्यों ने आदिवासियों को बरसात के मौसम में वायरल बीमारियों से बचाव के लिए अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी।

चंदानगर में चोरी, 17 तोला सोना और 60 तोला चांदी के आभूषण गायब

तीर्थयात्रा पर गए थे मकान मालिक, लौटने पर टूटा मिला ताला

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चंदानगर के ओल्ड एमआईजी कॉलोनी में रविवार को चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए करीब 17 तोला सोना, 60 तोला चांदी, नकदी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी कर लिए। पुलिस के अनुसार, मकान मालिक सीताराम मूर्ति, जो बीएचईएल से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं, अपने परिवार के साथ तीर्थयात्रा पर गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और कीमती सामान लेकर फरार हो गए।

रात में परिवार के लौटने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। शिकायत दर्ज कर ली गई है और चंदानगर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। क्राइम टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सुराग जुटाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने कहा कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

पित्ती ट्रस्ट-लोहिया समता न्यास द्वारा छात्रवृत्ति आवेदन पत्र वितरण प्रारम्भ

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राममनोहर लोहिया समता न्यास तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी विद्यार्थियों को अस्सी लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु आज आवेदन पत्र वितरण प्रक्रिया आरंभ की गयी। आवेदन पत्र वितरण केंद्रों पर विद्यार्थियों की लम्बी लाइनें देखी गई। सभी वितरण केंद्रों पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने आवेदन पत्र प्राप्त किये। आज 400 के अधिक आवेदन पत्रों का वितरण किया जा चुका है। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्रमेंगलबार, 13 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष डिग्री तथा पोस्ट ग्रेजुएट की शिक्षा प्राप्त कर रहे 800 विद्यार्थियों को प्रति विद्यार्थी 8000 से 27.000 रुपये तक की छात्रवृत्ति (निर्धारित नियमानुसार) प्रदान की जाएगी। छात्रवृति सभी धर्म एवं जातियों के विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति केवल 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ही मिलेगी।

छांत्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र पहले आओं पहले पाओ के आधार पर वितरित किए जा रहे हैं। आवेदन पत्र केवल विद्यार्थियों अथवा उनके अभिभावकों को विद्यार्थी के आधार कार्ड तथा मार्क्स शीट की मूल प्रति जांचने के बाद ही दिए जाएंगे। आवेदन पत्र वितरण आज ट्रस्ट के सोमाजीगुड़ा स्थित कार्यालय, कैलाश केडिया (श्याम कुंज, आदर्श नगर), उमिला अग्रवाल (बंजारा हिल्स), प्रदीप अग्रवाल (तम्बाकू बाजार), दीपक गुप्ता (नवीन इंटरप्राइजेज, तुरूप बाजार), सुधीर गुप्ता (मोजमजाही मार्किट), सुरेंद्र गोयल (नारायण गुड़ा) से प्राप्त किए जा सकते हैं। अग्रवाल समाज तेलंगाना के सदस्य आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु समाज के कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राममनोहर लोहिया समता न्यास के चेयरमैन तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता समाज सेवी शरद बी. पित्ती ने योग्य विद्यार्थियों से शिक्षा छात्रवृत्ति का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान में प्रश्नमंच प्रतियोगिता संपन्न

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप- भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में जारी हिंदी चेतना मास समारोह की श्रृंखला में सोमवार को हिंदी में प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता का उद्देश्य सहभागियों में हिंदी भाषा में समझना एवं उनका उत्तर देना है। संस्थान में कार्यरत सभी (वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि) संवर्ग के लगभग 30 सहभागियों ने उक्त प्रतियोगिता में भाग लिया। सहभागियों को 'बाजरा', 'ज्वार', 'रागी', 'कंगनी', 'कोदो', 'कुटकी' एवं 'चेना' नाम से छह समूहों में विभाजित करके प्रतियोगिता का संचालन किया गया। डॉ.सी. तारा सत्यवती, निदेशक, डॉ. हरिप्रसन्ना, प्रधान वैज्ञानिक, तथा डॉ.वी. रवि कुमार, तकनीकी अधिकारी ने प्रतियोगिता के दौरान संचालकों/निर्णायकों की भूमिका निभाई। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने आकर्षक रूप में इस प्रश्नमंच के पीपीटी निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ.सी. तारा सत्यवती, निदेशक के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार द्वारा किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

श्रेयांशी वालीशेट्टी ने पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब जीता, हरिहरन-अर्जुन युगल में जीते

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की युवा शटलर श्रेयांशी वालीशेट्टी ने तीन गेम तक चले रोमांचक फाइनल में हमवतन तस्नीम मीर को हराकर अल ऐन मास्टर्स में महिला एकल वर्ग का अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब जीता। पुलेला गोपीचंद अकादमी में ट्रेनिंग लेने वाली तेलंगाना की 18 वर्षीय खिलाड़ी श्रेयांशी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद शानदार संयम दिखाया और 49 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में 15-21, 22-20, 21-7 से जीत हासिल की।

हरिहरन अम्साकरुनन और एम आर अर्जुन की जोड़ी ने 35 मिनट तक चले पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के रेमंड इंद्र और निकोलस जोआक्विन को 21-17, 21-18 से हराकर खिताब अपने नाम किया। श्रेयांशी ने यूएई बैडमिंटन महासंघ से कहा, आज का दिन मुश्किल था। मैंने धीमी शुरुआत की। मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती थी क्योंकि मैं इस साल फाइनल में कई मैच हार गई। मैं नर्वस नहीं थी, लेकिन मैच से पहले बहुत ज्यादा उत्साहित होने से गलतियां कर बैठती हूं। लेकिन मैंने आज मैच में शांत रहने की कोशिश की। 2013 से मैं गोपीचंद अकादमी में ट्रेनिंग ले रही हूं। हम पीवी सिंधू सहित सीनियर खिलाड़ियों को अकादमी में ट्रेनिंग लेते हुए देखते हैं। मुझे सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए एक साल हो गया है। अब मेरा लक्ष्य अपनी रैंकिंग में सुधार करना है।

शुरुआती गेम में श्रेयांशी ने चार अंक की बढ़त गंवा दी, जबकि तस्नीम ने 14-9 की बढ़त हासिल करने के बाद पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम कांटे की टक्कर में बदल गया। श्रेयांशी ने 1-4 से वापसी करते हुए 17-14 की बढ़त बना ली। तस्नीम ने मुकाबले में बने रहने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन श्रेयांशी ने अपना धैर्य बनाए रखा और मुकाबले को निर्णायक गेम तक ले गईं। इसी लय को जारी रखते हुए श्रेयांशी ने तीसरे गेम में बढ़त बना ली। तस्नीम ने कुछ देर के लिए 6-5 की बढ़त बना ली थी लेकिन इसके बाद वह पिछड़ गईं और श्रेयांशी ने 15 अंक की बढ़त बनाकर शानदार अंदाज में खिताब अपने नाम कर लिया।

नाकामुरा का विवादित जश्न! गुकेश के खिलाफ जीत के बाद फेंका राजा का मोहरा, भड़के प्रशंसक

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज 'चेकमेट' शतरंज टूर्नामेंट के पहले चरण में टीम अमेरिका ने भारत को 5-0 से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले का सबसे बड़ा आकर्षण जीत नहीं, बल्कि अमेरिका के हिकारू नाकामुरा का विवादित जश्न रहा, जिसने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया है। विश्व रैंकिंग में नंबर दो पर काबिज नाकामुरा (FIDE रेटिंग 2816) ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर अमेरिका को बढ़त दिलाई। बाकी बोर्ड्स पर भी भारतीय खिलाड़ी लय नहीं पकड़ सके।

नाकामुरा ने फेंका गुकेश का राजा का मोहरा

अन्य मुकाबलों में फाबियानो करूआना ने अर्जुन एरिगैसी को मात दी। कारिसा यिप ने दिव्या देशमुख को हराया, लेवी रोजमैन ने सागर शाह को पराजित किया और तानी अडेवूमी ने एथन वाज को शिकस्त दी। लेकिन नाकामुरा का जश्न चर्चा का विषय बन गया। जीत के तुरंत बाद उन्होंने गुकेश के राजा (किंग) मोहरे को उठाकर दर्शकों की ओर फेंक दिया, जिससे हॉल में मौजूद लोग हैरान रह गए। कई दर्शकों और ऑनलाइन फैंस ने इसे खेल भावना के खिलाफ बताया और नाकामुरा की आलोचना शुरू कर दी।

गुकेश ने संयम से जीता प्रशंसकों का दिल

इसके बावजूद डी गुकेश ने अपनी शांत और गरिमापूर्ण प्रतिक्रिया से सबका दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर लोग उनके संयम और खेल भावना की तारीफ कर रहे हैं। अब सबकी निगाहें हैं चेकमेट के दूसरे चरण पर है, जो जल्द ही भारत में आयोजित होगा। वहां गुकेश के पास पलटवार करने का सुनहरा मौका होगा और फैंस को एक और रोमांचक भिड़ंत देखने को मिलेगी।

12 छक्के, 23 चौके, 221 रन, सचिन-लक्ष्मण की तरह ऑस्ट्रेलिया को रौंद रहे वैभव सूर्यवंशी !

मेलबोर्न, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी का करियर अंडर 19 क्रिकेट में अभी ज्यादा लंबा नहीं हुआ है. पिछले साल ही उन्होंने भारत की अंडर 19 टीम से डेब्यू किया. मगर अभी तक जितनी क्रिकेट उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीम के खिलाफ खेली है, उससे लगता है कि कंगारू टीम के खिलाफ खेलना उन्हें भी उतना ही पसंद है, जितना कि सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण जैसे खिलाड़ियों को था. हम यहां खास तौर पर रेड बॉल क्रिकेट यानी मल्टी डे मैच की बात कर रहे हैं. भारत की अंडर 19 टीम इस वक्त ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है, जहां उसे 7 अक्टूबर से दूसरा मल्टी डे मैच खेलना है. ये इस दौरे का आखिरी मैच भी होगा.

वैभव सूर्यवंशी को ऑस्ट्रेलिया पसंद है!

वैभव सूर्यवंशी के मल्टी डे मैच में अगर आप आंकड़े देखेंगे तो आपको समझ आएगा कि उन्होंने अपने ज्यादातर रन, कैसे ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के खिलाफ बनाए हैं. इतना ही नहीं सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा छक्के और सबसे बढ़िया औसत भी मल्टी डे मैच में उनका ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के खिलाफ ही है.

वैभव सूर्यवंशी ने अब तक अपने अंडर 19 करियर में 5 मल्टी डे मैच खेले हैं. इसमें से 3 मैच उन्होंने ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ खेले हैं. जबकि 2 मैच उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ खेले हैं. अब जो ऑस्ट्रेलिया U19 के खिलाफ खेले उनमें 55.25 की औसत से उन्होंने 221 रन बनाए हैं. वहीं इंग्लैंड के खिलाफ उनका औसत सिर्फ 22.50 का है.

वैभव सूर्यवंशी ने अपने अंडर 19 मल्टी डे मैच करियर में अब तक कुल 15 छक्के लगाए हैं, जिसमें 12 छक्के सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैं. यानी 3 छक्के ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मारे हैं. 12 छक्कों के अलावा वैभव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मुकाबलों में 23 चौके भी लगाए.

वैभव सूर्यवंशी ने मल्टी डे मैच में अब तक 2 शतक लगाए हैं और दोनों ही ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ ही आए हैं. दोनों शतकों में 1 की सक्रिप्ट उन्होंने भारतीय जमीन पर अपनी डेब्यू इनिंग लिखी थी. वहीं दूसरा शतक उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा दौरे पर जड़ा.

सचिन-लक्ष्मण की राह पर सूर्यवंशी!

वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्ड देखकर लगता है कि उन्हें भी ऑस्ट्रेलिया वैसे ही पसंद है, जैसे सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण को पसंद था. टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा शतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही है. वीवीएस लक्ष्मण की बात करें तो उन्होंने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर19 लेवल पर मल्टी डे मैच खेलते हुए 441 रन 110.50 की औसत से बनाए थे. अब वैभव सूर्यवंशी को देखकर लगता है कि वो भी इन दो दिग्गज बल्लेबाजों के फुट स्टेप पकड़कर आगे बढ़ते दिख रहे हैं. भले ही अभी कारवां अंडर 19 क्रिकेट तक सीमित है. लेकिन आने वाले समय में ऐसा टीम इंडिया के लिए भी करते दिख सकते हैं वैभव सूर्यवंशी.

पंघाल, विश्वनाथ हुसामुद्दीन बीएफआई कप के सेमीफाइनल में

मंजू और चार अन्य मुक्केबाज फाइनल में पहुंचे

चेन्नई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने बीएफआई कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल (सेना) ने पुरुषों के सेमीफाइनल में जगह बना ली। मंजू ने हरियाणा की माही सिवाच को 5-0 से हराया, जबकि पंघाल ने अपनी टीम के उस्मान अंसारी के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत दर्ज की।

पंघाल के साथ सेमीफाइनल में सेना के एस. विश्वनाथ और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन ने भी जगह बनाई। विश्वनाथ ने तमिलनाडु के सी. लुकास और हुसामुद्दीन ने सेना के एम. हेन्थोई सिंह को 5-0 से करारी शिकस्त दी। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम) ने भी हिमाचल प्रदेश की श्रेतीमा ठाकुर को 5-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना) ने दीपिका (साई) के खिलाफ 5-0 की एकतरफा जीत दर्ज कर दमदार प्रदर्शन किया।

हरियाणा की प्रिया ने दिल्ली की ज्योति को 5-0 से मात दी, जबकि विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साई) ने मध्य प्रदेश की माही लामा को 5-0 के फैसले से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर बर्नार्ड जुलियन की मौत से पसरा सन्नाटा

खेल डेस्क, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और वेस्टइंडीज की टेस्ट सीरीज के बीच एक बुरी खबर आई है. खबर वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर बर्नार्ड जुलियन की मौत से जुड़ी है. बर्नार्ड जुलियन का अचानक निधन हो गया. वो 75 साल के थे. बर्नार्ड जुलियन 1975 में क्रिकेट का पहला वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली कैरेबियाई टीम के सदस्य थे. उन्होंने उस वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज की जीत में अहम भूमिका भी निभाई थी. बर्नार्ड ने ग्रुप स्टेज पर श्रीलंका के खिलाफ 20 रन देकर 4 विकेट लिए थे जबकि सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ फिर से अपने इसी प्रदर्शन को दोहराते हुए उन्होंने 27 रन देकर 4 विकेट लिए थे. इसके अलावा 1975 वर्ल्ड कप के फाइनल में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 37 गेंदों में 26 रन की पारी खेलते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी. बर्नार्ड जुलियन के निधन पर क्रिकेट वेस्टइंडीज ने शोक जाहिर किया है. वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि उसकी संवेदनाए बर्नार्ड की फैमिली के साथ है. साथ ही कहा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट में बर्नार्ड जुलियन के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता. बर्नार्ड जुलियन ने अपने इंटरनेशनल करियर में 24 टेस्ट और 12 वनडे मिलाकर कुल 36 मैच खेले हैं. 24 टेस्ट में उन्होंने 866 रन बनाने के अलावा 50 विकेट लिए हैं. वहीं 12 वनडे में उन्होंने 86 रन बनाए हैं और 18 विकेट अपने नाम किए हैं. बर्नार्ड का इंटरनेशनल डेब्यू इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था. जबकि उन्होंने अपना आखिरी मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेला था. उनका इंटरनेशनल करियर 4 साल का रहा, जो कि 1973 में शुरू होकर 1977 में खत्म हो गया.

4 साल के इंटरनेशनल करियर के दौरान बर्नार्ड जुलियन ने 8 टेस्ट भारत के खिलाफ खेले हैं, जिसमें उन्होंने 204 रन बनाने के अलावा 11 विकेट चटकाए हैं. इस दौरान भारत में उन्होंने 4 टेस्ट खेले हैं जबकि बाकी 4 टेस्ट वेस्टइंडीज में खेले हैं. भारत में 93 रन बनाने के अलावा उन्होंने 9 विकेट झटके हैं. वहीं वेस्टइंडीज में उन्होंने भारत के खिलाफ 111 रन बनाने के अलावा 2 विकेट लिए हैं.

बांग्लादेश ने लगाई 'हैट्रिक', अफगानिस्तान से दूसरी बार जीती टी20 सीरीज

शारजाह, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ T20I सीरीज पर कब्जा जमा लिया है. बांग्लादेश ने 3 मैचों की T20 सीरीज को 3-0 से जीता. ये पहली बार है जब शारजाह में खेली किसी T20I सीरीज में बांग्लादेश ने क्लीन स्वीप किया है. बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 5 अक्टूबर को खेले तीसरे T20I में 6 विकेट से हराते हुए सीरीज में अपनी क्लीन स्वीप की सक्रिप्ट लिखी. इससे पहले बांग्लादेश ने 2 अक्टूबर को खेले सीरीज के पहले मैच में 4 विकेट से जीत दर्ज की थी. वहीं 3 अक्टूबर को खेले T20 सीरीज के दूसरे मैच में अफगानिस्तान को 2 विकेट से हराया था.

बांग्लादेश ने लगाई ये 'हैट्रिक'

अफगानिस्तान के खिलाफ शारजाह में खेली T20I सीरीज की सबसे खास बात ये रही कि इसमें बांग्लादेश ने सफल रनचेज की हैट्रिक लगाई. मतलब उसने सीरीज के तीनों मुकाबले रन चेज करते हुए जीते. पहला मैच उसने 8 गेंद पहले ही रनचेज में जीता था. फिर दूसरे T20 में रनचेज करते हुए उसने 5 गेंद पहले जीत की कहानी लिखी. और, अब तीसरे और आखिरी T20I में उसने पूरे 12 गेंद बचे रहते हुए सफल रनचेज किया.

अफगानिस्तान से दूसरी बार ऐसे जीती T20 सीरीज

बांग्लादेश ने टी20आई सीरीज में रनचेज की सफल हैट्रिक तो लगाई ही, उसके अलावा अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरी बार टी20आई सीरीज में क्लीन स्वीप भी किया. जी हां, बांग्लादेश का शारजाह में खेली टी20 सीरीज में ये पहला क्लीन स्वीप भले ही हो लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ ओवरऑल दूसरा है. इससे पहले उसने साल 2023 में अफगानिस्तान को 2 टी20आई की सीरीज में 2-0 से हराया था.

बांग्लादेश की जीत के हीरो

टी20आई सीरीज में अफगानिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के दूसरे क्लीन स्वीप के हीरो एक तो सैफ हसन बने, जिन्होंने तीसरे और आखिरी टी20आई में 7 छक्के लगाने के साथ 38 गेंदों में 64 रन बनाए और नाबाद रहे. मतलब उन्होंने टीमों को आखिरी T20I में जीत दिलाकर ही दम लिया.आखिरी T20I में नाबाद 64 रन के साथ उन्होंने सीरीज के 3 मैचों में 9 छक्के के साथ कुल 82 रन बनाए. सैफ हसन इस सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज रहे. उनके अलावा दूसरे हीरो नसुम अहमद बने, जो गेंद से 5 विकेट चटकाते हुए प्लेयर ऑफ द सीरीज बने.

टी20आई सीरीज के आखिरी मुकाबले में अफगानिस्तान ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 143 रन बनाए थे. जवाब में 144 रन के लक्ष्य को बांग्लादेश ने 4 विकेट खोकर 18 ओवर में हासिल कर लिया. अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच अब वनडे सीरीज खेली जाएगी, जो कि 8 अक्टूबर से शुरू होगी.

50 ओवर 564 रन 44 चौके 29 छक्के अद्भुत, अविश्वसनीय, अकल्पनीय

सबसे बड़ी जीत दर्ज करके रचा इतिहास

खेल डेस्क, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी20 फॉर्मेट आने के बाद से टेस्ट और वनडे खेलने का भी तरीका पूरी तरह से बदल गया है. अब वनडे फॉर्मेट में भी टीमें हर ओवर में 10+ रन बनाने का लक्ष्य लेकर मैदान पर उतरती है, जिसके कारण ही अब 500 रनों का लक्ष्य भी दूर नहीं रह गया है. एक टीम ने इस आंकड़े को पार कर लिया है. मलेशिया की इस टीम ने 50 ओवरों में रिकॉर्डतोड़ 564 रन बना डाले. इसके बाद वनडे फॉर्मेट के इतिहास की सबसे बड़ी जीत भी दर्ज कर लिया है.

मलेशिया की टीम ने बना डाले 564 रन

मलेशिया में खेले जा रहे पुरुष अंडर 19 क्रिकेट टूर्नामेंट में सेलांगोर टीम ने 50 ओवरों में 6 विकेट गंवा कर 564 रन बना डाले. इस पारी में उनकी टीम ने 44 चौके और 29 गगनचुंबी छक्के भी जड़े. सेलांगोर के लिए एक बल्लेबाज ने दोहरा शतक जड़ा, तो वहीं 3 खिलाड़ियों ने धमाकेदार अर्धशतक भी बनाए. मोहम्मद अकरम ने 97 गेंदों में ही 217 रन ठोक दिए. इस दौरान अकरम ने 11 चौके और 23 छक्के जड़े.

इसके अलावा मोहम्मद अशरफ और नगीनेश्वर सातनाकुमारन ने भी तूफानी अर्धशतक ठोका. अब्दुल हैजाद ने भी अंत में आकर 34 गेंदों में 65 रन बना डाले. जिसके कारण ही टीम ने ऐतिहासिक स्कोर खड़ा किया.

सेलांगोर को मिली रिकॉर्डतोड़ जीत

इस पहाड़ जैसे स्कोर का पीछा करने उतरी पुत्राजया की टीम सिर्फ 87 रनों पर ही सिमट गई. जिसके कारण सेलांगोर की टीम को 477 रनों के बड़ी जीत मिली. इंटरनेशनल क्रिकेट में आज तक सिर्फ 2 बार किसी टीम ने 477 रनों का आंकड़ा पार किया है. आपको बता दें कि इससे पहले तमिलनाडु की टीम ने साल 2022 में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 2 विकेट के स्कोर पर 506 रन बनाए थे. इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने बनाया है. इंग्लिश टीम ने साल 2022 में ही नीदरलैंड के खिलाफ 4 विकेट गंवाकर 498 रन बनाए थे.

अमेरिका की अमांडा अनीसीमोवा बनीं चीन ओपन की चैंपियन

लिंडा नोस्कोवा को फाइनल में हराया

बीजिंग, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका की अमांडा अनीसीमोवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। अमांडा ने फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-0, 2-6, 6-2 से हराकर इस हार्ड कोर्ट इंडोर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में हमवतन कोको गॉफ को शिकस्त देने वाली अनीसीमोवा ने शानदार बैकहैंड विनर के साथ मैच खत्म किया। यह चीन ओपन में उनका पहला खिताब है। 20 साल की नोस्कोवा ने तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन एक घंटे 46 मिनट तक चले मुकाबले के आखिरी क्षणों में उन पर थकान हावी हो गई। अनीसीमोवा इस साल यूएस ओपन और विंबलडन दोनों की उपविजेता रही हैं और अब वह विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं।

यह इस सत्र में उनका दूसरा डब्ल्यूटीए 1000 खिताब है। नोस्कोवा 2009 में डब्ल्यूटीए 1000 प्रारूप की शुरुआत के बाद से फाइनल में पहुंचने वाली चेक गणराज्य की सबसे युवा खिलाड़ी है।

जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव 11 नवंबर को : सी. सुदर्शन रेड्डी

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग ने घोषणा की है कि तेलंगाना के जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव 11 नवंबर, 2025 को होगा। वर्तमान विधायक मगंती गोपीनाथ के निधन के बाद यह उपचुनाव होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रबंध किए जा रहे हैं।

उपचुनाव की आधिकारिक अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जाएगी, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्टूबर को होगी और 24 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। मतगणना 14 नवंबर को होगी और चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर, 2025 तक पूरी हो जाएगी। सभी मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) प्रणाली का उपयोग करके चुनाव कराए जाएंगे।

सीईओ ने आश्वासन दिया कि सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में ईवीएम का परीक्षण और तैनाती की गई है। मतदाता मतदान केंद्रों पर अपने चुनावी फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) या आधार, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पैन कार्ड या पेंशन दस्तावेजों सहित अन्य अनुमोदित पहचान दस्तावेजों का उपयोग कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद जिले में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। आयोग ने निर्देश दिया है कि सभी उम्मीदवार और राजनीतिक दल पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए समाचार पत्रों, टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने आपराधिक रिकॉर्ड का खुलासा करें। सीईओ सी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा, चुनाव आयोग जुबली हिल्स उपचुनाव को पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और दक्षता के साथ कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नागरिकों से मतदाता सूची में अपने नामों का सत्यापन कराने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

भाजपा सांसद ने 'मतदाता पहचान पत्र वितरण' पर चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद रघुनंदन राव ने जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस नेताओं द्वारा मतदाता पहचान पत्र वितरण के कथित मामले में चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है, जहां 11 नवंबर को उपचुनाव होना है। पत्रकारों से बात करते हुए, भाजपा सांसद ने सवाल उठाया कि मतदाता पहचान पत्र, जो चुनाव आयोग के पास होने चाहिए, कांग्रेस पार्टी के नेताओं के पास कैसे पहुंच गए। उन्होंने कथित तौर पर मतदाता पहचान पत्र वितरित करने वाले नवीन यादव की विधायक चुनाव लड़ने की पात्रता पर स्पष्टता की मांग की। उन्होंने पूछा कि क्या जीएचएमसी आयुक्त या चुनाव आयोग ने इस वितरण को अधिकृत किया था। सरकार से तत्काल प्रतिक्रिया की मांग करते हुए, उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वकालत करने वाले बुद्धिजीवियों की ऐसे मुद्दों पर चुप्पी साधने के लिए आलोचना की।

पुलिस में जनता का विश्वास पैदा करना हमारा प्राथमिक कर्तव्य : वी.सी. सज्जनार

पुलिस आयुक्त ने मदन्नापेट पुलिस स्टेशन का दौरा किया

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने आज मदन्नापेट पुलिस स्टेशन का दौरा किया। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद, मदन्नापेट पुलिस स्टेशन का यह उनका पहला दौरा था इस दौरान, आयुक्त ने विभिन्न मामलों की प्रगति, पुलिस व्यवस्था के पहलुओं, सांप्रदायिक स्थिति और अन्य संबंधित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने कर्मचारियों से बातचीत की, उनके दैनिक कर्तव्यों, उपस्थिति और अनुशासन के बारे में जानकारी ली और पुलिस स्टेशन के रिकॉर्ड का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने कहा कि हैदराबाद शहर पुलिस जन कल्याणकारी पुलिसिंग पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसका उद्देश्य जन सुरक्षा को बढ़ाना और पुलिस और नागरिकों के बीच संबंधों को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा, जन कल्याण पुलिसिंग का मुख्य उद्देश्य शांति और व्यवस्था बनाए रखना, यातायात और सड़क सुरक्षा, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, पुलिसिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, साइबर और वित्तीय अपराधों पर नियंत्रण, चौबीसों घंटे नागरिक सेवाएं और पुलिसकर्मियों का कल्याण सुनिश्चित करना है। पुलिस में जनता का विश्वास पैदा करना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है। प्रत्येक अधिकारी को अनुशासन और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को उचित पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि कदाचार में लिप्त लोगों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त ने आगे निर्देश दिया कि, पुलिस स्टेशन आने वाले प्रत्येक याचिकाकर्ता के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि उनके साथ न्याय हो रहा है। मामले दर्ज करने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। महिलाओं से संबंधित सभी मामलों में, एफआईआर तुरंत दर्ज की जानी चाहिए और बिना किसी देरी के जांच पूरी की जानी चाहिए, साथ ही आरोप पत्र भी शीघ्रता से दायर किए जाने चाहिए। प्रत्येक शिकायतकर्ता को पूरी संतुष्टि के साथ पुलिस स्टेशन से जाना चाहिए। इस दौरान, हाल ही में हुई हत्या की शिकार सुमैया के पिता अजीमुद्दीन फारूक ने व्यक्तिगत रूप से आयुक्त से मुलाकात की और त्वरित एवं प्रभावी जांच तथा अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए आभार व्यक्त किया। बाद में, आयुक्त ने मदन्नापेट के संवेदनशील इलाकों का दौरा किया, पुलिस चौकियों, सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया और स्थानीय पुलिस की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने निवासियों से बातचीत भी की और उनके कल्याण और चिंताओं के बारे में जानकारी ली।

इस दौरे में तफसीर इकबाल, (संयुक्त पुलिस आयुक्त- कानून एवं व्यवस्था), अपूर्वा राव, (डीसीपी- सुरक्षा बल), एस. चैतन्य कुमार, (डीसीपी- दक्षिण पूर्व क्षेत्र), के. श्रीकांत (अतिरिक्त डीसीपी), एसीपी वेंकट रेड्डी, इंस्पेक्टर अंजनेयुलु और श्रीनु नाइक तथा अन्य अधिकारी शामिल हुए।

जीएचएमसी 'प्रजावाणी' को 157 शिकायतें प्राप्त हुईं

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जीएचएमसी में आयोजित 'प्रजावाणी' के दौरान कुल 157 शिकायतें और अनुरोध प्राप्त हुए। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के लिए कुल 157 अनुरोध प्राप्त हुए, और जीएचएमसी क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले छह क्षेत्रों में कुल 87 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कुकटपल्ली क्षेत्र में 31, सिकंदराबाद क्षेत्र में 22, शेरीलिंगमपल्ली क्षेत्र में 14, एलबी नगर क्षेत्र में 13 और चारमीनार क्षेत्र में 7 शिकायतें प्राप्त हुईं। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान 70 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 32 नगर नियोजन विभाग, 26 अभियांत्रिकी विभाग, 5 राजस्व विभाग, 3 स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग, 2 शहरी विकास विभाग, 2 शहरी विकास विभाग और क्रीड़ा विभाग से एक-एक शिकायत प्राप्त हुई।

बीआरएस नेताओं और किसानों को लिया गया हिरासत में

आरआरआर परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन

सरकार पर जबरन भूमि अधिग्रहण और कम मुआवजे का आरोप

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के लिए किसानों की भूमि अधिग्रहण के खिलाफ बीआरएस पार्टी के 'चलो हैदराबाद' प्रदर्शन से पहले सोमवार को पुलिस ने कई नेताओं, किसानों और समर्थकों को हिरासत में ले लिया या नजरबंद कर दिया।

सुबह अय्यावरिपल्ली, भीमाराम और आसपास के गांवों में पुलिस ने बीआरएस नेताओं के घरों पर छापे मारकर उन्हें हिरासत में लिया। बीआरएस नेताओं वीरेशम और शिवा ने कांग्रेस सरकार की कार्रवाई की निंदा की और आरोप लगाया कि सरकार किसानों की जमीन बिना उचित मुआवजे के जबरन ले रही है। उन्होंने कहा कि इससे छोटे और सीमांत किसान अपनी जमीन और आजीविका दोनों खो रहे हैं। नलगोंडा में भी पुलिस ने कई किसानों और माकपा नेताओं को हिरासत में लिया, ताकि वे हैदराबाद के एचएमडीए कार्यालय पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल न हो सकें। माकपा ने भी सरकार पर किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया और कृषि भूमि का जबरन अधिग्रहण रोकने की मांग की।

हैदराबाद में सुबह की बारिश से जनजीवन प्रभावित

कई इलाकों में जलभराव और यातायात जाम

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद के कई हिस्सों में सोमवार सुबह हुई हल्की से मध्यम बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ और यातायात व्यवस्था बाधित हो गई। सुबह के व्यस्त समय में हुई बारिश के कारण कई सड़कों पर जाम लग गया, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। कार्यालय जाने वाले लोगों, छात्रों और यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्कूल बसें भी देरी से पहुंचीं। भारी बारिश से उप्पल, सिकंदराबाद, मेहदीपट्टनम, लकड़ी का पुल, आरामगढ़, गच्चीबोवली, माधापुर, सेरी लिंगमपल्ली, पाटनचेरु, लिंगमपल्ली और कुकटपल्ली जैसे प्रमुख इलाकों में जलभराव हो गया।

दशहरा की छुट्टियों के बाद लोग शहर लौट रहे थे, जिससे निजी और आरटीसी बसों में भीड़ बढ़ गई और यातायात और अधिक अव्यवस्थित हो गया। स्थिति को संभालने के लिए यातायात पुलिस को तैनात किया गया। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी के अनुसार, दोपहर 12 बजे तक शेखपेट में 1.48 सेमी और सेरिलिंगमपल्ली के रायदुर्ग वार्ड में 1.28 सेमी बारिश दर्ज की गई।

महिला की चलती ट्रेन से गिरकर मौत

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम मलकाजगिरी रेलवे स्टेशन पर एक 45 वर्षीय महिला चलती ट्रेन से उतरते समय गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, संगारेड्डी जिले के बीरमगुड़ा की रहने वाली कमलादेवी अपनी बेटी भावना चौधरी के साथ मारवाड़ से काचीगुड़ा जाने वाली काचीगुड़ा एक्सप्रेस में सफर कर रही थीं। जब ट्रेन प्लेटफार्म नंबर 2 पर पहुंची, तब कमलादेवी उतरते समय फिसल गईं और ट्रेन के नीचे आ गईं। उन्हें गंभीर चोटें आईं। रेलवे कर्मचारियों और यात्रियों ने तुरंत उन्हें गांधी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बतुकम्मा उत्सव में दो महिलाओं की मौत

मौत का कारण बना तेज संगीत

निर्मल, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को निर्मल जिले में बतुकम्मा उत्सव के समापन समारोह के दौरान दो महिलाओं की मौत हो गई। पहली घटना निर्मल कस्बे के बंगालपेट में हुई, जहां 56 वर्षीय भाग्यलक्ष्मी पुष्पोत्सव में भाग ले रही थीं। जश्न के दौरान वे अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिवार के सदस्यों ने बताया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था और कार्यक्रम में तेज संगीत से उनकी हालत और बिगड़ गई। दूसरी घटना भैंसा मंडल के वनलपड गांव में हुई, जहां 25 वर्षीय नवविवाहिता की भी बतुकम्मा उत्सव के दौरान मौत हो गई। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

मी टिकट टीजीआरटीसी इंटर-सिटी बस सेवाएं और डिजिटल बस पास लॉन्च करेगा

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के इलेक्ट्रॉनिक सेवा वितरण (ईएसडी) प्रभाग ने सोमवार को राज्य के डिजिटल टिकटिंग प्लेटफॉर्म, मी टिकट के विस्तार की योजना का अनावरण किया। इसके तहत तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीआरटीसी) की इंटर-सिटी बस सेवाओं और क्यू आर-आधारित डिजिटल बस पास को एकीकृत किया जाएगा, जिससे राज्य के निर्बाध स्मार्ट मोबिलिटी इकोसिस्टम के दृष्टिकोण को बल मिलेगा। 9 जनवरी, 2025 को लॉन्च होने के बाद से, मी टिकट ने 1.35 लाख से ज्यादा ऐप डाउनलोड, 2.6 लाख टिकट बुकिंग और 2 करोड़ रुपये से ज्यादा लेनदेन हासिल किए हैं, और ऐप स्टोर पर 3.5+ रेटिंग प्राप्त की है। यह प्लेटफॉर्म वर्तमान में 221 स्थानों पर सेवाएं प्रदान करता है, जिनमें हैदराबाद मेट्रो, 123 पार्क, 16 मंदिर, छह राज्य-संचालित संग्रहालय और कुतुब शाही मकबरे जैसे विरासत स्थल शामिल हैं। टीजीआरटीसी के एकीकरण से यात्रियों, छात्रों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कैशलेस अंतर-शहर बस बुकिंग और डिजिटल पास, जिनमें साधारण, मेट्रो डीलक्स, मेट्रो एक्सप्रेस, ग्रीन मेट्रो लग्जरी (एसी) और पुष्पक एसी पास शामिल हैं, की सुविधा उपलब्ध होगी। इस कदम का उद्देश्य यात्रा को सुव्यवस्थित करना, लंबी कतारों को कम करना और मोबाइल-आधारित टिकटिंग सुविधा को बढ़ाना है। मीटिकट का कवरेज 98 वन स्थलों, 52 पर्यटन नौका विहार स्थलों, 16 बंदोबस्ती-प्रबंधित मंदिरों और तेलंगाना के विरासत विभाग के अंतर्गत नौ विरासत स्थलों तक फैला हुआ है। हाल ही में इसमें तेलंगाना राज्य पुरातत्व संग्रहालय और गांधी शताब्दी संग्रहालय जैसे संग्रहालयों के लिए डिजिटल टिकटिंग को शामिल किया गया है, जिससे पर्यटकों और निवासियों के लिए पहुंच आसान हो गई है। मी टिकट पर टीजीआरटीसी सेवाओं की आधिकारिक शुरूआत जल्द ही घोषित की जाएगी, जो डिजिटल शासन और नागरिक-केंद्रित सार्वजनिक गतिशीलता के प्रति तेलंगाना की प्रतिबद्धता को और पुख्ता करेगी।

मोइनाबाद के फार्महाउस में ट्रैप हाउस पार्टी का भंडाफोड़

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने सोमवार तड़के रंगारेड्डी जिले के मोइनाबाद के बकरम इलाके में चेरी वॉक्स फार्महाउस पर देर रात चल रही एक ट्रैप हाउस पार्टी का भंडाफोड़ किया। राजेंद्रनगर स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) की कार्रवाई में 13 महिलाओं समेत 50 से ज्यादा युवक पार्टी करते हुए पकड़े गए। बताया गया कि सभी ने 1,300 रुपये का प्रवेश शुल्क देकर पार्टी में हिस्सा लिया था। पुलिस को मौके पर विदेशी शराब और संदिग्ध ड्रग्स मिले, जबकि तीन युवकों के पास से गांजा बरामद किया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए लोगों में से 25 नाबालिग हैं। जांच के दौरान मेहमानों की पहचान के लिए लगभग 100 पुलिसकर्मियों को लगाया गया था। फार्महाउस से विदेशी शराब की बोतलें, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री जब्त की गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पार्टी का आयोजन इंस्टाग्राम के जरिए किया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पहले मौजूदा हैदराबाद की समस्याओं पर ध्यान दें

केटीआर ने 'फ्यूचर सिटी' परियोजना पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को घेरा

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को प्रस्तावित 'फ्यूचर सिटी' परियोजना को लेकर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब हैदराबाद की मौजूदा स्थिति ही अव्यवस्थित है, तो सरकार को भविष्य के सपने दिखाने के बजाय वर्तमान समस्याओं को सुलझाने पर ध्यान देना चाहिए।

केटीआर ने कहा, हम भविष्य की ओर देखें, लेकिन वर्तमान में जिएं। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि शहर की बिगड़ती हालत को सुधारने को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की लापरवाही के कारण हैदराबाद में गड्ढों से भरी सड़कें, खराब स्वच्छता व्यवस्था, मच्छरों का बढ़ता खतरा और वायरल संक्रमण की समस्या गंभीर होती जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया, 'फ्यूचर सिटी' जैसी भव्य रियल एस्टेट परियोजना शुरू करने से पहले क्या सरकार उस शहर का ख्याल रख सकती है, जिसमें हम आज रहते हैं?

गरीब छात्रों के जीवन में आई नई रोशनी

हरीश राव ने गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को बताया केसीआर सरकार की बड़ी उपलब्धि

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने सोमवार को तेलंगाना की गुरुकुल शिक्षा प्रणाली की सफलता की सराहना करते हुए इसे पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के शासन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया। जहीराबाद के भुचानल्ली स्थित तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसाइटी की छात्रा फिरदौस का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उसने डॉक्टर बनने का सपना देखा था और अब उसने एमबीबीएस सीट हासिल करके उसे पूरा कर लिया है। उन्होंने

बताया कि इसी संस्थान के आठ अन्य छात्रों और अल्गोल अल्पसंख्यक गुरुकुलम के सात छात्रों ने भी इस वर्ष मेडिकल सीटें हासिल की हैं।

हरीश राव ने कहा, यह केसीआर के दूरदर्शी नेतृत्व की सच्ची सफलता है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में हजारों गुरुकुल छात्र अब डॉक्टर, इंजीनियर और सरकारी अधिकारी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन से पहले तेलंगाना में केवल 290 गुरुकुल संस्थान थे, जबकि केसीआर सरकार ने उनकी संख्या बढ़ाकर 1,020 कर दी, जिनमें 204 अल्पसंख्यक गुरुकुल भी शामिल हैं। ये संस्थान 6.5 लाख से अधिक छात्रों को मुफ्त आवास, भोजन और शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

गुरुकुल प्रणाली को सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांति बताते हुए हरीश राव ने कहा कि केसीआर ने इंटरमीडिएट, डिग्री और लॉ आवासीय कॉलेज शुरू कर गरीब और ग्रामीण छात्रों, खासकर लड़कियों को उच्च शिक्षा का अवसर दिया। उन्होंने कहा, केसीआर की दूरदर्शिता ने एक पूरी पीढ़ी का जीवन बदल दिया है। गरीबों की शिक्षा में निवेश ही सच्चा विकास है। उन्होंने छात्रों से समाज के प्रति योगदान देने और गुरुकुल की परंपरा को आगे बढ़ाने की अपील की।

तेलंगाना राज्य अभिलेखागार की इमारत जर्जर, बहुमूल्य दस्तावेज खतरे में

सरकार ने नए भवन के निर्माण पर अब तक नहीं की कार्रवाई

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य अभिलेखागार एवं अनुसंधान संस्थान की इमारत, जिसमें देश का दूसरा सबसे पुराना दस्तावेज सुरक्षित है, अब जर्जर हालत में पहुंच गई है। इमारत की दीवारों में दरारें पड़ गई हैं और छत की प्लास्टरिंग उखड़ने लगी है, जिससे अंदर लोहे के सपोर्ट बीम दिखाई दे रहे हैं। उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में तरनाका मुख्य मार्ग के किनारे स्थित यह इमारत कई वर्षों से उपेक्षा का शिकार है। दीवारों से पानी रिस रहा है और दरारों में पेड़-पौधे उग आए हैं। अभिलेखागार की इस स्थिति से करोड़ों ऐतिहासिक दस्तावेजों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

1965 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री द्वारा उद्घाटित इस इमारत में लगभग 4.3 करोड़ दुर्लभ और ऐतिहासिक रिकॉर्ड

संरक्षित हैं। इनमें देश का दूसरा सबसे पुराना अभिलेख भी शामिल है- 14 मई, 1406 ईस्वी का बहमनी सल्तनत के फिरोज शाह बहमनी द्वारा जारी एक फारसी फरमान, जिसमें मौलाना मुहम्मद काजी को 'इनाम' के रूप में जमीन दी गई थी। संस्थान में 1406 से 1950 तक के रिकॉर्ड फारसी और उर्दू में हैं, जबकि 1950 से 1956 तक के दस्तावेज अंग्रेजी में लिखे गए हैं। यहां फारसी, अरबी और उर्दू की 672 दुर्लभ पांडुलिपियां भी संरक्षित हैं। अभिलेखागार में रखे कुल रिकॉर्ड का केवल 30 प्रतिशत हिस्सा ही सुरक्षित कॉम्पैक्टर्स में रखा गया है। बाकी दस्तावेज सामान्य स्टील अलमारियों और रैक में रखे हैं, जो धूल, प्रदूषण और आग के खतरे में हैं। अधिकारियों के अनुसार, लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से एक नए भवन का प्रस्ताव लंबे समय से लंबित है। राज्य सरकार ने इस पर सैद्धांतिक सहमति तो दी थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

CHANGE OF NAME

I, CHILLA TATA RAO, S/o. Late Yellayya, Resident of Mulakuddu Village, Chippada Post, Bheemunipatnam Mandal, Visakhapatnam Dist. Now changed my daughter name from CHILLA SRAVENI (Old Name) To CHILLA SRAVANI (New Name). Hence forth i will be called as CHILLA SRAVANI (New Name) for all purpose.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.